@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 18 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 126 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उद्योगपति गौतम अदाणी और राजेश अदाणी कथित बाजार विनियमन उल्लंघन मामले में बरी

नई दिल्ली, 17 मार्च। बॉम्बे हाईकोर्ट से सोमवार को अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और प्रबंध निदेशक राजेश अदाणी को बड़ी राहत मिली। दोनों को करीब 388 करोड़ रुपये के बाजार नियमन के कथित उल्लंघन के मामले से बरी कर दिया गया। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने 2012 में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और इसके प्रमोटर्स गौतम अदाणी और राजेश अदाणी के खिलाफ मामला शुरू किया गया था। इस दौरान एक आरोप पत्र दायर कर उन पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। 2019 में, दोनों उद्योगपतियों ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिसमें उसी वर्ष के सत्र अदालत के आदेश को रद्द करने की मांग की गई, जिसमें उन्हें मामले से मुक्त करने से इनकार कर दिया गया था। सोमवार को हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आरएन लड्ढा की एकल पीठ ने सत्र अदालत के आदेश को रद्द कर दिया और दोनों को मामले से बरी कर दिया। विस्तृत आदेश की प्रति बाद में उपलब्ध होगी। दिसंबर 2019 में उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के आदेश पर रोक लगा दी और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया। 2012 में, एसएफआईओ ने अदाणी सहित 12 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, जिसमें उन पर आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया। लेकिन मई 2014 में मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें मामले से बरी कर दिया। एसएफआईओ ने बरी करने के आदेश को चुनौती दी। नवंबर 2019 में एक सत्र अदालत ने मजिस्ट्रेट के आदेश को खारिज कर दिया और कहा कि एसएफआईओ ने अदाणी समूह की ओर से गैरकानूनी लाभ का मामला बनाया था। उद्योगपतियों ने उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में सत्र न्यायालय के आदेश को मनमाना और अवैध बताया। इस मामले में लगभग 388 करोड़ रुपये के बाजार विनियमन उल्लंघन का आरोप शामिल था। यह मामला एसएफआईओ की ओर से गई जांच के दौरान विनियामक अनुपालन और वित्तीय लेनदेन से जुड़ी चिंताओं के बाद सामने आई थी।

प्रधानमंत्री ने की रायसीना डायलॉग की शुरुआत

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 मार्च। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागीरी के बीच न्यूजीलैंड ने भारत से इस क्षेत्र में अपनी निर्णायक भूमिका निभाने का आह्वान किया है। सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 10वें रायसीना डायलॉग का उद्घाटन करते हुए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ताकतवर ही सही है, यह दृष्टिकोण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया और कहा कि भारत जैसे देश वैश्विक स्तर पर केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर रायसीना डायलॉग में अपने संबोधन में लक्सन ने कहा कि सुरक्षा के बिना समृद्धि नहीं आ सकती। हिंद-प्रशांत क्षेत्र दुनिया का सबसे आर्थिक रूप से गतिशील क्षेत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक विकास का दो-तिहाई हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि भारत इस क्षेत्र के हर देश के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है। भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी निर्णायक भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि न्यूजीलैंड इस क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों के लिए भारत जैसे भागीदारों की ओर देख रहा है। उन्होंने क्वाड को खुले, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया। साथ ही कहा कि क्वाड के विकास में भारत का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। यह भी कहा कि न्यूजीलैंड का क्वाड का हिस्सा बनने का कोई इरादा नहीं है, फिर भी वह समूह की पहल को आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए तैयार है। क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। लक्सन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुराने संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीयों और न्यूजीलैंडवासियों को एक साथ रहते हुए 200 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। जैसे वे 200 साल पहले थे, वैसे ही आज भी कीवी-भारतीय हमारे बहुसांस्कृतिक समाज में पूरी तरह घुल-मिल गए हैं।

हमारे सबसे बड़े शहर ऑकलैंड में रहने वाले लोगों में 11फीसदी भारतीय मूल के न्यूजीलैंडवासी हैं। मैं अपने साथ नई दिल्ली में कीवी-भारतीय समुदाय का एक प्रतिनिधिमंडल लाया हूं। न्यूजीलैंड के पीएम ने भारतीय लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रेरणादायक है। पिछले साल इतिहास के सबसे बड़े चुनाव में 65 करोड़ भारतीयों ने मतदान किया। राष्ट्रीय चुनाव वैधता की जीत है। उन्होंने कहा, हम अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के तकनीकी परिवर्तन के मुहाने पर हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों पर, जिससे हमारे काम करने का तरीका बदल जाएगा। इससे पहले, अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत विकासवाद की नीति में यकीन करता है, विस्तारवाद में नहीं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि हम हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओई) से जुड़ने के लिए न्यूजीलैंड का स्वागत करते हैं। इंटरनेशनल सोलर अलायंस के बाद कॉलिशन फॉर डिसास्टर रीसिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) से जुड़ने के लिए भी न्यूजीलैंड का स्वागत है। इस मौके पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और वैश्विक व्यवस्था की प्रकृति पर बहस हो रही है। हम पुरानी मान्यताओं पर भरोसा नहीं कर सकते। हमें नए विचारों की जरूरत है और रायसीना डायलॉग ने हमें वह मंच प्रदान किया है। पोलैंड के विदेश मंत्री व्लादिस्लाव टेओफिल बार्टोस्जेव्स्की ने कहा कि वह रायसीना डायलॉग में तीसरी बार शामिल हो रहे हैं। यह एक शानदार सम्मेलन है।

ममता ने फुरफुरा शरीफ से दिया शांति का संदेश

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 17 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को फुरफुरा शरीफ से सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और एकता का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने दरगाह के दौरे के पीछे की मंशा को लेकर सवाल उठाने पर विपक्ष की आलोचना की। बनर्जी ने हुगली जिले में फुरफुरा शरीफ गांव का दौरा किया, जहां मोहम्मद अबू बकर सिद्दीकी की दरगाह है, जो बंगाली मुसलमानों के एक वर्ग के प्रमुख पीर हैं। यह उनका करीब एक दशक बाद इस दरगाह पर पहला दौरा था। उन्होंने स्थानीय मजहबी नेताओं के साथ बैठक की और फिर समुदाय के इफ्तार कार्यक्रम में भाग लिया। बताया जाता है कि फुरफुरा शरीफ के पीर राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों के एक बड़े वर्ग पर काफी प्रभाव रखते हैं। इसलिए उन्हें पहले भी संभावित वोट बैंक के

रूप में सियासी दलों की ओर लुभाया गया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ने कहा, मीडिया के एक वर्ग में मेरे यहां आने की मंशा पर सवाल उठाने वाली खबर देखकर मैं निराश हूं। इस जगह पर यह मेरी पहली यात्रा नहीं है। मैं इससे पहले करीब 15-16 बार यहां आ चुकी हूं। जब मैं काशी विश्वनाथ मंदिर या पुष्कर जाती हूं, तो आप यह सवाल क्यों नहीं पूछते? जब मैं दुर्गा पूजा या काली पूजा करती हूं या क्रिसमस समारोह में हिस्सा लेती हूं तो आप चुप क्यों रहते हैं? जब मैंने होली के दौरान सभी को शुभकामनाएं दीं तो सवाल क्यों नहीं पूछे गए? उन्होंने कहा, बंगाल की माटी सद्भावना की माटी है और इस मंच से हमारा संदेश राज्य के सभी समुदायों के बीच सद्भाव, शांति और एकता का है। मुख्यमंत्री ने फुरफुरा के यह भी आश्वासन दिया कि वह बुनियादी ढांचे के विकास को स्थानीय निवासियों की कुछ मांगों पर विचार करेंगीं। उन्होंने क्षेत्र में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज बनाने की भी घोषणा की। इससे पहले दोपहर में विभिन्न विपक्षी दलों ने बनर्जी के फुरफुरा शरीफ दौरे पर निशाना साधते हुए कहा था कि उनका असली मंशा राजनीतिक है और उनका मकसद अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में मुसलमानों से चुनावी समर्थन हासिल करना है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, ममता बनर्जी ने सत्ता में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अतीत में भी फुरफुरा के नेताओं से मदद ली थी। उन्होंने क्षेत्र में रेल संपर्क के अपने वादे को पूरा न कर वहां के लोगों को धोखा दिया। बनर्जी को इस बात का पूरा एहसास है कि अगर वह पीरों को खुश रखती हैं तो उन्हें चुनावी लाभ हो सकता है। विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने इसे चुनाव से पहले रस्म बताया। वहीं फुरफुरा शरीफ के एक मौलवी ने कहा, यह हास्यास्पद है कि वहीं नेता जो पहले ममता बनर्जी की आलोचना करते थे, अब उनके साथ राजनीतिक सुलह करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाटा चौक से गुरुग्राम तक मेट्रो को मिली मंजूरी

फरीदाबाद, 17 मार्च। फरीदाबाद से प्रतिदिन गुरुग्राम आने-जाने वाले लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश के आम बजट में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद-गुरुग्राम इंटरसिटी एक्सप्रेस मेट्रो योजना को मंजूरी दे दी। अब जल्द ही शासन की ओर से इसपर कार्य शुरू किया जाएगा। दूसरी तरफ, फरीदाबाद के लिए एक और बड़ी सौगात मुख्यमंत्री ने वर्ष 2031 मास्टर वॉटर-सीवरेज योजना को मंजूरी देकर दी है। फरीदाबाद और गुरुग्राम के बीच प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग सफर करते हैं। पिछले कई वर्षों से रुकी पड़ी फरीदाबाद-गुरुग्राम मेट्रो परियोजना को नायब सिंह सैनी सरकार ने बजट में हरी झंडी दे दी है। पूर्व में दोनों शहरों के बीच मेट्रो चलाने की योजना का सर्वे हो चुका था। पिछले डेढ़ वर्ष यह परियोजना ठंडे बस्ते में थी। अब बजट में इसकी घोषणा के बाद दोनों जिलों के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह मेट्रो फरीदाबाद के बाटा चौक मेट्रो स्टेशन से गुरुग्राम के सेक्टर-56 को जोड़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने फरीदाबाद से गुरुग्राम तक मेट्रो की वर्ष 2015 में घोषणा की थी। इसके बाद इसकी डीपीआर भी बनाई गई थी। डीपीआर के अनुसार, दोनों शहरों के बीच 8 स्टेशन बनने थे। परियोजना में छह एलिवेटेड और दो अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनने थे। अब मुख्यमंत्री ने इसे फरीदाबाद-गुरुग्राम इंटरसिटी एक्सप्रेस मेट्रो नाम देकर इस योजना को मंजूरी दी है। बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो चलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विधानसभा चुनावों के दौरान रैली में घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने पेश किया 58,514 करोड़ का बजट

सौरभ शर्मा

शिमला, 17 मार्च। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को अपने कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। बतौर वित्त मंत्री सीएम सुक्खू ने 58,514 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। वर्ष 2025-26 में राजस्व प्राप्तियां 42,343 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है तथा कुल राजस्व व्यय 48,733 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस प्रकार कुल राजस्व घाटा 6,390 करो? रुपये अनुमानित है। राजकोशीय घाटा 10,338 करोड़ रुपये अनुमानित है जोकि प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद का 4.04 प्रतिशत है। दिहाड़ीदारों को 25 रुपये बढ़ोतरी के साथ 425 रुपये मिलेंगे। आउटसोर्स कर्मियों को अब 12,750 मासिक मिलेंगे। आने वाले समय में आउटसोर्स भर्तियों को धीरे-धीरे कम करके नई व्यवस्था लाएंगे। पैरा वर्करों के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 10 हजार, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को 7,300, सहायिकाओं को 9,800, आशा वर्करों को 9,800, सिलाई शिक्षकों को 500 की बढ़ोतरी, एमडीएम वर्करों को 5,000, जलवाहकों को 5500, लोक निर्माण के मल्टी टास्क वर्करों के मानदेय में 500 रुपये बढ़ोतरी, आईटी शिक्षकों के 500 रुपये बढ़ाए गए हैं। सीएम सुक्खू ने घोषणा की कि साल 2025 में 25,000 पद

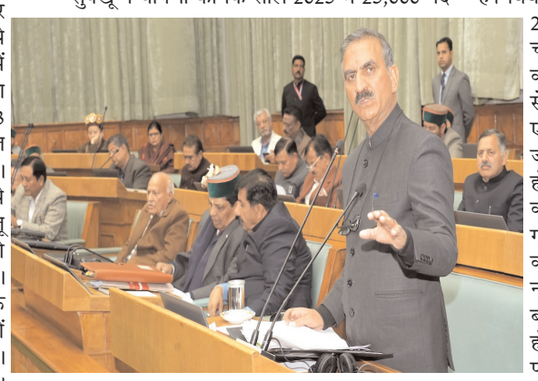

भरे जाएंगे। शिक्षा विभाग में 1 हजार पद भरे जाएंगे और एक हजार नियमित किया जाएगा। पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद भरे जाएंगे। 500 पदों के लिए पदोन्नति की परीक्षा करवाई जाएगी। इसकी अधिसूचना जल्द जारी होगी। गृह रक्षा विभाग में चालकों के 113 पद भरे जाएंगे। पंचायत सचिवों के 853 पदों को सीधी भर्ती से भरा जाएगा। जल शक्ति विभाग में 4500 पदों पर नियुक्ति प्रदान कर दी गई है। विधायक प्राथमिकता की सीमा 195 करोड़ से 200 करोड़ करने की घोषणा की । पहले चरण में 70 से 75 साल के पेंशनरों के एरियर का भुगतान 15 मई से किया जाएगा। चतुर्थ से प्रथम श्रेणी कर्मियों-अधिकारियों का एरियर चरणवद्ध तरीके से जारी किया जाएगा। इससे 1,75,000 कर्मियों को लाभ होगा। प्रदेश के कर्मचारियों को तीन प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता देने की घोषणा की गई है। यह 15 मई से दिया जाएगा। 2400 करो? से दो चरणों में मनाली, कुल्लू, नादौन, नग्गर, बाबा बालकनाथ मंदिर, नगरोटा बगवां, पालमपुर में पर्यटन इकाइयां विकसित होंगी। युवाओं को फूड वैन खरीदने पर 30 फीसदी सब्सिडी मिलेगी। नशे से निपटने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बोर्ड बनाया जाएगा। सीएम सुक्खू ने कहा कि सभी मेडिकल कॉलेजों में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए जाइका मिशन के माध्यम से 1700 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाई जाएगी।

ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार का एलान: मुख्यमंत्री रेड्डी

तेजिन्दर कौर बब्बर

हैदराबाद, 17 मार्च। ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा एलान किया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी और रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी आबादी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। अब तक 23 प्रतिशत था। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना विधानसभा के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूं कि हमारे लोगों के सबसे वैज्ञानिक, कठोर और अथक प्रयासों के आधार पर हम कह सकते हैं कि तेलंगाना में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम शिक्षा, नौकरी, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में इस समूह के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण तय करने का संकल्प ले रहे हैं। इतिहास के सही पक्ष पर रहें और हम में से हर एक इस ऐतिहासिक कदम का चैंपियन बने। उन्होंने लिखा कि तेलंगाना को भारत में सामाजिक क्रांति का नेतृत्व करने पर गर्व है। मुझे गर्व हो रहा है कि भारतीय स्वतंत्रता के बाद से पिछड़े समूहों की सबसे लंबे समय से लंबित मांग, पिछड़ी जातियों से संबंधित हमारे भाइयों और बहनों की आधिकारिक जनगणना में गिनती और मान्यता की इच्छा आखिरकार पूरी हो गई है। इससे पहले सीएम रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में कहा कि कांग्रेस

नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाएगा। सत्ता संभालने के तुरंत बाद लोगों की सरकार ने चार फरवरी 2024 को ओबीसी जाति जनगणना शुरू की। पिछली सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 37 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा था। हमारी सरकार पहले के प्रस्ताव को वापस ले रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक अवसरों में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का नया प्रस्ताव भेज रही है। सदन के नेता के रूप में मैं आश्वासन दे रहा हूं कि सक्रिय कदम उठाऊंगा और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण हासिल कराऊंगा। सभी दलों के नेताओं से अपील है कि वे एक साथ आएं और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से मिलें। हम ओबीसी आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने के लिए आवश्यक कानूनी सहायता भी लें जब तक पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल जाता हम शांत नहीं बैठेंगे। हम कामारेड्डी घोषणापत्र के प्रति प्रतिबद्ध हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विधान परिषद में कहा कि सरकार कर्ज के बोझ और अन्य कारणों से नकदी की कमी का सामना कर रही है। आरबीआई से 4,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने के बाद कर्मचारियों को वेतन दे रही है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से महंगाई भत्ते (डीए) और अन्य के भुगतान के संबंध में सहयोग की अपील की।

मातृभाषा में पढ़ने वाले ही दुनिया में आगे बढ़ते: चंद्रबाबू नायडू

अमरावती, 17 मार्च। केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद के बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ते हैं, वे दुनिया भर में आगे बढ़ रहे हैं। यह गलत धारणा है कि केवल अंग्रेजी भाषा ही ज्ञान की गारंटी दे सकती है। विधानसभा में नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार के लिए होती है। भाषा से ज्ञान नहीं आएगा। केवल वे लोग जो अपनी मातृभाषा में पढ़ते हैं, वे दुनिया भर में आगे बढ़ रहे हैं। मातृभाषा के माध्यम से सीखना आसान है। सीएम ने कहा कि मैं आपको यह बहुत स्पष्ट रूप से बता रहा हूं। भाषा नफरत के लिए नहीं है। आंध्र प्रदेश में मातृभाषा तेलुगु है। हिंदी राष्ट्रीय भाषा है और अंतरराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा को भूले बिना आजीविका के लिए यथासंभव अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय भाषा सीखने से दिल्ली में हिंदी में धाराप्रवाह बातचीत संभव होगी। बहुत से लोग जापान और जर्मनी जैसे दूसरे देशों में जा रहे हैं, इसलिए अगर वे भाषाएं यहां भी सीखी जा सकें, तो लोगों के लिए उन विदेशी गंतव्यों पर जाना बहुत आसान हो जाएगा। सीएम ने कहा कि भाषाओं पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है।

वक्फ विवाद पर सीएए-एनआरसी जैसे राष्ट्रव्यापी विरोध की तैयारी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 मार्च। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के मामले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के देश भर से आए प्रतिनिधियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में शामिल मुसलमानों ने इसे उनकी धार्मिक आजादी में सरकार का हस्तक्षेप बताया। मुसलमान नेताओं ने केंद्र सरकार से वक्फ संशोधन बिल वापस लेने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सरकार इसे वापस नहीं लेती है तो वे पूरे देश में सीएए-एनआरसी जैसा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। तो क्या एक बार फिर पूरे देश में शाहीन बाग जैसे धरने-प्रदर्शन देखने को मिल सकते हैं? प्रदर्शनकारियों ने इसी तरह के तेवर दिखाए हैं। भाजपा ने कहा है कि यह संसद की कानून बनाने की संवैधानिक शक्ति को संख्या बल के आधार पर दी जा रही चुनौती है। इसे किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शनकारी मोहम्मद इस्लाम ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार मुसलमानों के हर मुद्दे में छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रही है। कभी तीन तलाक के मुद्दे पर तो कभी विवाह करने की प्रथाओं के मुद्दे पर और कभी मदरसे पर कानूनी डंडा चलाकर वह हमारे धार्मिक अधिकारों में कटौती करना चाहती है। लेकिन अब इसे और स्वीकार नहीं किया जाएगा। वे पूरे देश में इसका पुरजोर विरोध करेंगे। सलमान आलम ने कहा कि केंद्र सरकार अपने हर मामले को आधुनिकता के साथ जोड़ती है। उसका दावा रहता है कि वह पिछड़े मुसलमानों को विकास की मुख्यधारा में लाकर उनका विकास करना चाहती है। तीन तलाक और मदरसे के मामलों को भी मुसलमानों को आधुनिक दुनिया के अनुसार चलाने की कोशिश बताई गई थी। लेकिन सरकार को यह समझना चाहिए कि धार्मिक मामले समय के अनुसार बदलने वाले नहीं होते। यह हमारी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। वक्फ मामले पर दूसरे पक्ष के लोगों की चिंता यह है कि वक्फ नियमों की आड़ में किसी भी संपत्ति को वक्फ बोर्ड की संपत्ति करार दे दिया जाता है। हाल ही में प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ के दौरान एक मौलाना ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि महाकुंभ जिस भूमि पर हो रहा है, वह वक्फ की जमीन है। इसी तरह दक्षिण भारत के हजारों साल पुराने गांवों को अचानक वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करने से भी विवाद खड़ा हुआ था। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड कानून में उचित बदलाव कर इस तरह के विवादों को हमेशा के लिए समाप्त करना चाहती है। बदलावों में वक्फ की कमेटी

में उचित लोगों को जगह देकर वक्फ की संपत्तियों को उचित तरीके से देखभाल करना और इसका लाभ आम मुसलमानों तक पहुंचाना शामिल है। सरकार वक्फ की संपत्तियों का डिजिटल लेनदेन रखने का फॉर्मूला भी तैयार करने का बदलाव प्रस्तावित कर सकती है जिससे किसी गलत दावे के समय सही निर्णय लिया जा सके। इससे यह लाभ होगा कि वक्फ बोर्ड किसी की संपत्ति को गलत तरीके से कब्जा नहीं कर सकेगा, वहीं दूसरे लोग भी वक्फ की संपत्तियों को कब्जा नहीं कर सकेंगे। इस समय वक्फ बोर्ड की हजारों संपत्तियों पर दूसरे लोगों का कब्जा होने की बात कही जा रही है। नए कानून के बाद इस तरह का कोई कब्जा संभव नहीं होगा। वक्फ बोर्ड कमेटी के चेयरमैन जगदंबिका पाल ने इस प्रदर्शन को राजनीतिक हितों का प्रदर्शन बताया है। उन्होंने कहा है कि यह सुधार वक्फ बिल में उचित बदलाव कर इसका आम मुसलमानों के हित में उपयोग करना आवश्यक है। वक्फ की संपत्तियों पर कुछ लोगों का अवैध कब्जा है। इसमें सुधार कर इन संपत्तियों का आम मुसलमानों के हित में उपयोग करना चाहिए। कानून इसी मंशा को देखकर लाया गया है। उन्होंने इन विरोध प्रदर्शनों को अनुचित बताया और कहा कि जब वक्फ बोर्ड कमेटी के सामने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के लोगों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था, तब वे सामने नहीं आए। ऐसे में उनका अब सार्वजनिक प्रदर्शन करना केवल राजनीति है।

जिला न्यायाधीश को जमानत देने से बॉम्बे हाईकोर्ट का इनकार

मुंबई, 17 मार्च। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार एक सत्र न्यायालय के न्यायाधीश को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एनआर बोरकर की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई चैंबर में की। पीठ ने यह कहकर याचिका खारिज कर दी कि वह कोई राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है। महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत देने के लिए कथित तौर पर पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सतारा जिला और सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। निकम ने जनवरी में अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और दावा किया था कि वह निर्दोष हैं और उन्हें मामले में फंसाया गया है। अधिवक्ता वीरेश पुरवंत के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि एफआईआर में निकम द्वारा पैसे की कोई प्रत्यक्ष मांग नहीं दिखाई गई है। उन्हें न तो शिकायतकर्ता और अन्य आरोपियों के बीच बैठकों की जानकारी थी और न ही यह कि शिकायतकर्ता जमानत मांगने वाले आरोपियों से संबंधित था। वह मामले की प्रमुख तिथियों पर छुट्टी या प्रतिनियुक्ति पर थे। एक महिला ने सत्र न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने कहा था कि उसके पिता एक नागरिक रक्षा कर्मचारी हैं। वह सरकारी नौकरी देने के बहाने धोखा देने के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। जब उसके पिता को निचली अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया तो उसने सतारा सत्र न्यायालय में नई जमानत याचिका दायर की। इस पर जिला और सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम को सुनवाई करनी थी।निकम ने अपनी याचिका में कहा कि उन्होंने न तो जमानत याचिका पर सुनवाई टाली और न ही अनुकूल आदेश का कोई वादा किया। याचिका में यह भी दावा किया गया कि इस अवधि के दौरान ऐसा कोई जमानत आदेश पारित नहीं किया गया।

ट्रंप ने अपने ही बयान को बताया जुमला! कही थी 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात

अमेरिका . डोनाल्ड ट्रंप अपने ही एक वादे से पलटते हुए उसे चुनावी जुमला बता दिया है. दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के वक्त ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के युद्ध को 24 घंटे में खत्म करने की बात कही थी. ट्रंप ने प्रेसिडेंट डिबेट में कहा था कि मैं 24 घंटे में युद्ध को रुकवा दूंगा.

अब ट्रंप के राष्ट्रपति बने हुए 50 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं, लेकिन रूस और यूक्रेन का युद्ध अब भी जारी है. पत्रकार ने इसको लेकर जब ट्रंप से सवाल पूछा तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने उसे जुमला बता दिया. ट्रंप का कहना था कि मैंने उसे व्यंग्य के लहजे में बोला था.

रूस और युक्रेन का युद्ध रूक सकता है- ट्रंप

एक अमेरिकी टीवी शो में बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैंने भले 24 घंटे में अपना वादा पूरा नहीं किया, लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि दोनों देशों के बीच जल्द ही युद्ध रूक सकते हैं. मैंने इसकी कवायद शुरू कर दी है. ट्रंप का कहना है कि युद्ध में काफी लोग मारे जा रहे हैं, जो गलत है. शांति समझौते के अलावा कोई विकल्प नहीं है. हमारे लोग इस काम में लगातार जुटे हुए हैं.

ट्रंप बोले- पुतिन को लेकर कन्फिडेंट हूं

इंटरव्यू के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि यदि तीन वर्ष पहले शुरू किए गए युद्ध को रोकने के लिए पुतिन युद्ध विराम पर सहमत नहीं होते हैं तो आपकी आगे की क्या योजना होगी?

ट्रंप का कहना था कि मैं पुतिन को लंबे वक्त से जानता हूं. वे समझौते के लिए तैयार हो जाएंगे. हमने उनसे बात की है और उन्होंने उसे सुना है. हमने भी उनकी बातों को सुना है.

इस हफ्ते पुतिन से मिलेंगे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक शांति समझौते के लिए ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ अभी मॉस्को में हैं. स्टीव विटकॉफ पुतिन को मनाने के लिए मॉस्को गए हैं. पुतिन के मानते ही डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति एक टेबल पर बैठेंगे. कहा जा रहा है कि इस हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की मुलाकात हो सकती है. पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप यूक्रेन के राष्ट्रपति से मिल सकते हैं. इसके बाद शांति समझौते का फाइनल ड्राफ्ट तैयार होगा.

खुद ही हमले कराती है PAK सेना... पूर्व सैनिक ने खोली पाकिस्तान की पोल, बताया रमजान के बाद का प्लान

पाकिस्तान. पाकिस्तान में इन दिनों सेना और सुरक्षाबलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है. खासतौर से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में पाक सेना पर भीषण हमले हुए हैं, जिसके कारण बड़ी संख्या में मौतें भी हुई हैं. यही कारण है कि पाक सेना में डर का माहौल है और कई सैनिक अपनी पाक सेना से इस्तीफा दे रहे हैं. इस बीच पर्वू पाकिस्तानी सैनिक ने पाक सेना के अत्याचारों का खुलासा किया है, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी.

पाकिस्तानी सैनिक ने हाल ही में पाक सेना के अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद उसकी रहस्यमयी तरीके मौत हो गई. पाक सैनिक ने पाकिस्तानी सेना की योजनाओं और अभियानों के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.

रमजान के बाद का पाकिस्तान का प्लान

सैनिक के बयान की माने तो पाकिस्तान की सेना रमजान के बाद बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में एक क्रूर अभियान की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य पश्तूनों और बलूचों का जातीय सफाया करना है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि धार्मिक विद्वानों की हत्याओं के पीछे खुद पाकिस्तानी सरकार का हाथ है और मस्जिदों में बम विस्फोट पाकिस्तानी सेना की तरफ से ही किए जाते हैं.

सेना के आदेश पर होती हैं हत्याएं-पूर्व पाक सैनिक

पूर्व पाक सैनिक ने एक चौंकाने वाले कबूलनामे में स्वीकार किया कि अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने अपने अधिकारियों के सीधे आदेश पर 12 लोगों की हत्या की और सेना गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन में शामिल है. उनके खुलासे के कारण आज अज्ञात हमलावरों ने उनकी हत्या कर दी. हालांकि, राजनीतिक और सैन्य विश्लेषकों का सुझाव है कि सच्चाई को दबाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने ही उन्हें मार डाला है.

पूर्व सैनिक के इस खुलासे के बाद अब पाकिस्तानी सेना पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका जवाब अब सेना के आला अधिकारियों से मांगा जा रहा है. हालांकि इस बारे में अब तक किसी भी बड़े अधिकारी या छोटे अधिकारी का कोई बयान सामने नहीं आया है. पूर्व सैनिक के खुलासे से साफ है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आने वाला है.

यमन में कहीं पिट न जाए डोनाल्ड ट्रंप की पावरफुल आर्मी, इतने मजबूत हैं हूती विद्रोही

यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिका का एयर स्ट्राइक जारी है. अब तक 53 लोग मारे गए हैं, लेकिन हूति विद्रोहियों को हल्के में लेना अमेरिका के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. हूति विद्रोहियों का कहना है कि 24 घंटे का मोहलत देते हैं और फिर अमेरिकी सेनाओं पर हमला करेंगे.

अमेरिका. अमेरिका और हूती विद्रोहियों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यमन में हूती विद्रोहियों पर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं. अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है. ट्रंप ने इसे अपनी सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई बताया.

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷हूती आतंकियों, तुम्हारा वक्त पूरा हो गया है. अमेरिका तुम पर आसमान से ऐसी तबाही बरसाएगा, जो पहले कभी नहीं देखी होगी.÷ हालांकि, हूती विद्रोही भी पलटवार के लिए तैयार हैं और उन्होंने अमेरिका को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है.

रेड सी में हमलों का जवाब

ये हमला रेड सी में अमेरिकी जहाजों पर हूती विद्रोहियों की ओर से किए हमलों के जवाब में किया गया

है. चार महीने पहले हूती लड़ाकों ने अमेरिकी वॉरशिप पर कई हमले किए थे, जिसके बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की. हाल के अमेरिकी हवाई हमलों के बावजूद हूती विद्रोही पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं, बल्कि उनकी सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है.

US के लिए कितना मुश्किल निपटना?

अमेरिकी सेना तकनीकी रूप से एडवांस्ड और दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में से एक है, लेकिन हूती विद्रोहियों से लड़ना इतना आसान नहीं होगा. पहली वजह, उनकी गुरिल्ला युद्ध रणनीति है, जिसमें वे आत्मघाती हमलों, ड्रोन हमलों और मिसाइल हमलों का सहारा लेते हैं. दूसरी वजह, ईरान का समर्थन है, जिससे हूती विद्रोहियों की सैन्य ताकत बढ़ती जा रही है. तीसरी वजह, यमन का भौगोलिक क्षेत्र है, जहां अमेरिकी जमीनी सैनिकों के लिए ऑपरेशन करना मुश्किल हो सकता है.

कितने ताकतवर हैं हूती विद्रोही?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की रिपोर्ट की मानें तो हूती विद्रोहियों के पास अत्याधुनिक हथियारों की बड़ी संख्या है. उनके पास बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइलें, ड्रोन, पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली और थर्मल साइट्स मौजूद हैं. उनकी कुल संख्या करीब 3,50,000 बताई जाती है. इतना ही नहीं, हूती के विद्रोही सुसाइड बॉम्बर का भी इस्तेमाल करते हैं, जिसकी वजह से आने वाले दिन अमेरिका के लिए खतरनाक हो सकता है.

ईरान से मिल रहा है हथियार और ट्रेनिंग

हूती विद्रोहियों की बढ़ती ताकत के पीछे ईरान की अहम भूमिका मानी जाती है. ईरान ने इन्हें वित्तीय और सैन्य सहायता दी है, जिससे उनकी ताकत बढ़ी है. ईरान न केवल हथियारों की आपूर्ति करता है, बल्कि अपने सहयोगी संगठन हिज़्बुल्लाह के जरिए हूती लड़ाकों को ट्रेनिंग भी देता है. ईरान से मिले एडवांस्ड हथियारों और तकनीक की वजह से हूती लड़ाके अब सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इज़राइल जैसे देशों पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमला करने में सक्षम हो चुके हैं.

एक माफिया के चक्कर में कैसे फंस गईं इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, गद्दाफी से भी कनेक्शन

इटली. इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी मुश्किलों में फंस गई हैं. मेलोनी की सरकार पर एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी को छोड़ने और हवाई जेट का दुरुपयोग का आरोप है. इटली में सरकार के खिलाफ जांच शुरू हो गई है. अगर जांच में सरकार के खिलाफ कुछ साक्ष्य पाए जाते हैं तो आने वाले वक्त में मेलोनी की सत्ता और कुर्सी पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है. पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2025 में लीबिया के मशबूर अपराधी ओसामा अल-मसरी नजीम को इतलावी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था, जिसे कुछ दिन जेल में रखने के बाद छोड़ दिया गया.

इटली की सरकार पर आरोप है कि उसने एक कुख्यात अपराधी को जिसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से वारंट जारी हुआ था, उसे बिना नियम पालन किए छोड़ दिया. नजीम पर सामूहिक हत्या और रेप के आरोपी है. नजीम पर जेल ब्रेक कर भागने का भी आरोप है.जांच के दायरे में मेलोनी की सरकार क्यों?

रिपोर्ट के मुताबिक न्याय मंत्री कार्लो नॉर्डियो और आंतरिक मंत्री मैटेओ पियांटेडोसी ने हस्तक्षेप कर 48 घंटे के भीतर ही आरोपी नजीम को इटली से बाहर कर दिया. दोनों पर सरकारी जेट के गलत इस्तेमाल का भी आरोप है. कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं ने विशेष रूचि लेकर आरोपी नजीम को इटली से बाहर भेजा. एक तरफ जहां इस मामले की जांच स्थानीय न्यायाधीश कर रहे हैं. वहीं अब आईसीसी ने भी इटली की सरकार पर सख्त रूख अपनाया है. इंटरनेशनल कोर्ट का कहना है कि आरोपी को हेग भेजने की बजाय इटली से बाहर क्यों भेजा गया?

इटली सरकार पर पैसे लेने का आरोप

लीबिया में मोहम्मद गद्दाफी के तख्तापलट के वक्त नजीम ने सामूहिक रूप से लोगों की हत्या की. उस पर महिलाओं और बच्चियों के साथ बलात्कार का भी आरोप है, जिसके बाद लीबिया की नई सरकार ने उसे जेल में बंद कर दिया, लेकिन नजीम जेल को तोड़कर भागने में सफल रहा.

पैसे के बूते वो पहले इटली पहुंचा और फिर इटली से भी भाग गया. आरोप है कि उसने इटली से भागने के लिए सरकार के लोगों को खूब पैसे दिए. इधर, इटली के विपक्षी नेताओं का कहना है कि मेलोनी जानबूझकर मंत्रियों की जांच करा रही हैं.

ग्रीन यूरोप पार्टी के सांसद एंजेलो बोनेली का कहना है कि जिस तरीके से एक अंताराष्ट्रीय तस्कर को छोड़ा गया, वो शर्मनाक है.

ट्रेन हाईजैक से घबरा गई पाकिस्तानी सेना, सरकार की चेतावनी- बलोच आर्मी से लड़ो या नौकरी छोड़ो

पाकिस्तान ने बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के बढ़ते हमलों के कारण अपने जवानों को अल्टीमेटम दिया है. सेना के अधिकारियों ने जूनियर सैनिकों से कहा है कि वे या तो बीएलए से लड़ें या नौकरी छोड़ दें. हाल के बीएलए हमलों, जिसमें ट्रेन हाईजैक और बस विस्फोट शामिल हैं, ने पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंचाया है.

पाकिस्तान. बलोच लिबरेशन आर्मी के हमले से परेशान पाकिस्तान ने अपने सैनिकों के लिए नया फरमान जारी किया है. इसके मुताबिक सेना के अधिकारियों ने जूनियर सैनिकों से कहा है कि या तो युद्ध के मोर्चे पर बलोच आर्मी से लड़ो या नौकरी छोड़कर बाहर जाओ. पाकिस्तान के इस फरमान की बलूचिस्तान में खूब चर्चा हो रही है.

बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक प्रांत के महानिदेशक ने फ्रंट पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि बलोच लिबरेशन आर्मी लगातार हमलावर है.

महानिदेशक का कहना है कि जिस तरीके से बीएलए के लड़ाके हमारे लोगों को घेर कर मार रही है, उससे पाकिस्तान की पूरी दुनिया में किरकिरी हो रही है. इसे रोकना तुरंत जरूरी है.

नौकरी छोड़ो या मजबूती से लड़ो

महानिदेशक ने अपने पत्र में 2015 के एक नियमों का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि अनुशासनहीनता के आरोप में सैनिकों की नौकरी जा सकती है. पत्र में कहा गया है कि बलोल लिबरेशन के लड़ाकों से आप मजबूती से लड़िए, नहीं तो नौकरी से हट जाइए.

पत्र में कहा गया है कि बलोच के लड़ाके जब पोस्ट और चौकियों पर हमले कर रहे हैं तो जवान अपने हथियार तुरंत सरेंडर कर दे रहे हैं. यह गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा.दरअसल, पिछले दिनों बलोच के लड़ाकों गोरिल्ला तरीके से सेना और पुलिस के चौकियों पर हमला किया था, जिसके बाद जवानों ने अपने हथियार सरेंडर कर दिए. इस घटना के बाद पाकिस्तान की खूब भद पिटी थी.

पहले ट्रेन हाईजैक अब बस को उड़ाया

12 मार्च को बोलन में बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया. इस हाईजैक में पाकिस्तान सेना के 30 जवान मारे गए थे. 3 दिन की माथापच्ची के बाद पाकिस्तानी सेना ने हाईजैक को खत्म करने की बात कही थी. इधर, रविवार को बलोच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सैनिकों से जुड़े एक बस को उड़ा दिया. इस हमले में 90 लोगों के मरने की खबर है. हालांकि, पाकिस्तान का कहना है कि उसके सिर्फ 5 सैनिक मारे गए हैं.

बलूचिस्तान में बढ़ते हमले के बीच पाकिस्तान ने ज्यादा से ज्यादा सैनिक तैनात करने का फैसला किया है.

इजराइल: सेना प्रमुख के बाद बेंजामिन नेतन्याहू ने गिरा दिया इस बड़े अधिकारी का विकेट

हमास. हमास, हिजबुल्लाह और ईरान से विवाद के बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा फैसला किया है. सेना प्रमुख के हटाने के बाद नेतन्याहू ने आंतरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख (शिन बेट) को पद से हटा दिया है. नेतन्याहू का कहना है कि इंटर्नल सिक्योरिटी चीफ पर उनका भरोसा नहीं है. द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक रोनेन बार 2021 में इजराइल के इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स के चीफ नियुक्त हुए थे. 4 साल बाद ही नेतन्याहू ने उन्हें हटाने का फैसला किया है. नेतन्याहू का कहना है कि उन पर से मेरा भरोसा खत्म हो गया है. मैं उनके साथ काम नहीं कर सकता.

हटाने की असल वजह क्या है?

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया था. इस हमले में इजराइल के 1200 लोग

मारे गए. हमले के बाद शिन बेट की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई. इस रिपोर्ट में सरकार की नाकामी का जिक्र किया गया था. रिपोर्ट आने के बाद नेतन्याहू विपक्षी नेताओं के निशाने पर थे.

नेतन्याहू पर इस्तीफा का भी दबाव बन रहा था. इसी बीच नेतन्याहू ने पहले सेना प्रमुख और अब शिन बेट हेड को हटाने का फैसला ले लिया. नेतन्याहू का कहना है कि युद्ध में सैन्य प्रमुख के साथ विश्वास बना रहना जरूरी है. शिन बेट के साथ मैं काम नहीं कर सकता है. ऐसे में उन्हें हटाना जरूरी है.

इजराइल में नेतन्याहू का विरोध शुरू

शिन बेट चीफ को हटाने का विरोध इजराइल में शुरू हो गया है. विपक्षी नेता यायर लापिड का कहना है कि बर्खास्तगी के फैसले को कोर्ट में चुनौती देंगे. लापिड का कहना है कि पीएम नेतन्याहू पटरी से उतर गए हैं और तानाशाही की तरफ जा रहे हैं.

पूर्व पीएम एहुद बराक का कहना है कि नेतन्याहू कानून का पालन नहीं कर रहे हैं. खुद इस्तीफा देने की बजाय अधिकारियों को हटाने में जुटे हैं. इजराइल के लोग उन्हें माफ नहीं करेंगे.

क्या काम करते हैं शिन बेट के प्रमुख?

शिन बेट का काम इजराइल के आंतरिक सुरक्षा पर ध्यान देना है. इजराइल में इसे अहम विभाग माना जाता है. शिन बेट के प्रमुख हर बड़े फैसले में शामिल होते हैं. शिन बेट का काम ही खुफिया जानकारी को नियंत्रित करना और इंटर्नल रिपोर्ट तैयार करना है.

डोनेटस्क में बढ़ा तनाव तो जेलेंस्की ने लिया ये बड़ा फैसला, क्या बदल जाएगी युद्ध की रणनीति?

यूक्रेन. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने देश की सैन्य रणनीति को मज़बूत करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. उन्होंने अंद्रीय हनातोव को यूक्रेन की सेना के जनरल स्टाफ का नया प्रमुख नियुक्त किया है. यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन रूस के कुर्स्क क्षेत्र में लड़ाई लड़ रहा है और पूर्वी डोनेटस्क क्षेत्र में लगातार दबाव का सामना कर रहा है.हनातोव ने अनातोली बारहिलेविच की जगह ली है, जो फरवरी 2024 से इस पद पर थे. यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने रविवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर इस बदलाव की घोषणा की.

फैसले के पीछे की वजह क्या है?

यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा है कि हम अपनी सेना को लगातार आधुनिक और प्रभावी बना रहे हैं. इस बदलाव का मकसद यूक्रेनी सेना की युद्धक क्षमता को और बढ़ाना है.बारहिलेविच को अब रक्षा मंत्रालय में जनरल इंस्पेक्टर की नई जिम्मेदारी दी गई है. रक्षा मंत्री उमेरोव ने कहा कि बारहिलेविच टीम का हिस्सा बने रहेंगे और सेना में अनुशासन और सैन्य मानकों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे. इस फेरबदल के बावजूद, ओलेक्ज़ांडर सिरस्की यूक्रेन की सेना के कमांडर-इन-चीफ के पद पर बने रहेंगे.

युद्ध में मिल रही है यूक्रेन को चुनौती

यूक्रेन ने पिछले साल अगस्त में रूस को चौंकाते हुए सीमा पार हमला किया था और कुर्स्क क्षेत्र में लगभग 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया था. मगर अब युद्ध की स्थिति बदल रही है.

और यूक्रेन की सेना पीछे हटने को मजबूर हो रही है. रूस ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने कुर्स्क क्षेत्र के सबसे बड़े शहर सूज़ा पर नियंत्रण कर लिया है, जो पहले यूक्रेन के कब्जे में था.

अंतरिक्ष में 9 महीने की मेहनत के बदले सुनीता विलियम्स को कितनी मिलेगी सैलरी?

दुनिया. सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से वापसी हो रही है. आठ दिन के छोटे से मिशन पर गई नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर को तकरीबन नौ महीने अंतरिक्ष में बिताने पड़े. तकनीकी दिक्कतों की वजह से उनकी वापसी लगातार टलती रही.

लेकिन अब 18 मार्च को स्पेसङ्क के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए वे आखिरकार धरती पर वापस लौटने वाली हैं. ढ्ढस्स् पर 9 महीने बिताने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या नासा उन्हें इस लंबे मिशन के लिए कोई अतिरिक्त भुगतान करेगा? आइए जानते हैं?

क्या नासा देगा एक्सट्रा सैलरी?

नासा में एस्ट्रोनॉट्स सरकारी कर्मचारी होते हैं और उनके लिए कोई अलग से ओवरटाइम पेमेंट तय नहीं है. उनकी सैलरी त्नस्-15 पे ग्रेड के तहत आती है, जो अमेरिका में बड़े सरकारी अधिकारियों को मिलती है. इस हिसाब से सुनीता विलियम्स को उनके 9 महीने के लंबे मिशन के लिए लगभग 81 लाख से 1.05 करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलेगी. लेकिन अगर आपको लग रहा है कि इतने लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने के बदले उन्हें कोई मोटा बोनस मिलेगा, तो यह गलतफहमी दूर कर लीजिए.

सिर्फ इतना ही अतिरिक्त भुगतान मिलेगा

अंतरिक्ष में पिछले 9 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर की धरती पर वापसी होने वाली है. 18 मार्च को स्पेसX के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए वे आखिरकार धरती पर वापस लौटने वाले हैं. ISS पर 9 महीने बिताने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या नासा उन्हें इस लंबे मिशन के लिए कोई अतिरिक्त भुगतान करेगा? आइए जानते हैं.

नासा अंतरिक्ष यात्रियों को सिर्फ .4 यानी करीब ?347 हर दिन का इंसिडेंटल भत्ता देता है. यानी पूरे 287 दिनों के मिशन में उन्हें कुल .1,148 (लगभग ?1 लाख) ही अतिरिक्त भुगतान मिलेगा. यह जानकर किसी के लिए भी हैरान कर देने वाली हो सकती है कि अंतरिक्ष में इतने महीनों तक रहने और जोखिम उठाने के बावजूद उन्हें उतना ही भत्ता मिल रहा है जितना शायद कोई धरती पर एक दिन के लंच में खर्च कर सकता है.

स्पेसक्राफ्ट के साथ खतरे क्या हैं?

स्पेसङ्क फाल्कन 9 रॉकेट 400 किमी का सफर करीब 3 घंटे में तय करके अटलांटिक महासागर या मेक्सिको की खाड़ी में स्प्लैश डाउन होगा. मगर धरती पर वापसी इतनी आसान भी नहीं होती. एक्सपर्ट्स के मुताबिक जब ड्रैगन कैप्सूल धरती के वायुमंडल में एंटर करेगा, तो उसका एंगल बिल्कुल सही होना जरूरी है.

ज़रा-सा भी चूक हो जाने पर बड़ा हादसा हो सकता है. इससे पहले भी स्पेस मिशनों के दौरान एंट्री एंगल गलत होने की वजह से क्रू को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है. जानकारी के मुताबिक सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर की जगह अब ऐनी मैकलेन, निकोल एयर्स, टाकुया ओनिशी और किरिल पेस्कोव ढ्ढस्स् पर नया मिशन संभालेंगे.

अमेरिका में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, अबतक 40 लोगों की मौत, सैकड़ों घर-स्कूल तबाह

अमेरिका. दक्षिण अमेरिका भयंकर तूफान की चपेट में है. इस तूफान की वजह से दक्षिण-पूर्व के ज्यादातर राज्य प्रभावित हैं. अब तक कुल 40 लोगों की मौत हो गई. लोगों के घर मलबे में बदल गए हैं. दूर-दूर फैले पेड़ पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं. लोगों की कार तबाह हो गई हैं.

अमेरिका में आया प्रकृति का ये सैलाब इतना खतरनाक है कि लोग अभी भी इसके दृश्यों से सहमे हुए हैं. मिसौरी में शुक्रवार को आए इस चक्रवाती तूफान का सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिला. यहां पर अब तक कुल 12 लोगों की मौत हो गई है. मिसौरी में गवर्नर माइक ने चिंताजनक स्थिति में कहा कि हमारे राज्य में तबाही का स्तर चौंका देने वाला है.

टेक्सास और कंसास में भी धूल भरी आंधी का कहर रहा. ये हवाएं इतनी तेज थीं कि वहां पर खड़ी गाड़ियां आपस में टकरा गईं, जिसकी वजह से उस समय ट्रैवल कर रहे कुछ लोगों की मौत हो गई और अन्य लोग घायल हो गए.

इस हवा की वजह से ओक्लाहोमा के जंगलों में आग भड़क गई. ये ऐसा क्षेत्र है, जहां 100 मिलियन से ज्यादा लोगों के घर हैं. इस तूफान की वजह से अर्कांसस, अलबामा और मिसिसिपी में भी मौत की खबरें सामने आई हैं.

ट्रंप ने कहा, प्रभावित लोगों के

लिए प्रार्थना करें

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हम दक्षिण और मध्यपश्चिम के कई राज्यों में आए भयंकर तूफान पर सक्रिय रूप से नज़र रख रहे हैं. यहां पर बहुत से लोगों की जान चली गई है. नेशनल गार्ड को अर्कांसस में तैनात किया गया है.

मेरा प्रशासन राज्य और स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए तैयार है. ये सभी अपने समुदायों को इस मुश्किल से बचाने में मदद कर रहे हैं. मेलानिया और मेरे साथ मिलकर इन भयानक तूफानों से प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करें.

बाढ़ को लेकर जारी की गई चेतावनी

दक्षिण अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में अभी भी मौसम में सुधार आने की संभावना नहीं है. टेक्सास, लुइसियाना, अलबामा, अर्कांसस, टेनेसी, मिसिसिपी, जॉर्जिया, केंटकी और उत्तरी कैरोलिना ज्यादातर क्षेत्रों में बाढ़ को लेकर चेतावनी जारी की गई है.

खराब मौसम और बड़े स्तर पर हुई तबाही की वजह से यहां पर बिजली के खंभे उखड़ गए हैं. लोगों को आधारभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं. बहुत से लोगों को पूरे-पूरे घर तबाह हो गए हैं. स्कूलों की इमारतें गिर गई हैं. लोगों का पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

ट्रैकर पॉवरआउटेजयूएस के मुताबिक, यहां रविवार को 320,000 से ज्यादा लोगों को बिजली के बिना अपने काम करने पड़े. अर्कांसस, जॉर्जिया और ओक्लाहोमा में आपातकाल की घोषणा की गई है.

दक्षिण अमेरिका में आए भयंकर तूफान में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. इस तूफान में हजारों लोग प्रभावित हुए हैं. घर तबाह हो गए हैं.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पाकिस्तान ने जैसा बीज बोया, वैसा ही काट रहा : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पाकिस्तान में चल रही आतंकी गतिविधियों और अस्थिरता पर तीखा बयान दिया है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बीच आपसी टकराव चल रहा है, लेकिन दोनों की नीयत खराब है। उदित राज ने कहा, 'ये लोग भारत में आतंकी हमले करते हैं और उसे बढ़ावा देते हैं। लेकिन जैसा बीज बोओगे, वैसा ही काटोगे। जब ये आतंकवाद भारत में फैलाते हैं, तो इसका उल्टा असर पाकिस्तान पर पड़ता है। वहां मस्जिदों पर हमले होते हैं, बम धमाके होते हैं। यह उसी का नतीजा है और पाकिस्तान को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है।' उन्होंने भारत और पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की तुलना करते हुए कहा कि भारत में राष्ट्रीय चरित्र और एकता की कमी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'यहां आरएसएस और भाजपा के लोग देशभक्ति के नारे लगाते हैं, लेकिन समय-समय पर पाकिस्तान के लिए काम करते हुए पकड़े जाते हैं। क्या ऐसा इजरायल में संभव है? वहां की खुफिया एजेंसी मोसाद और तकनीक हमसे कहीं आगे है। हमारे देश का टेंपरामेंट ऐसा नहीं है। अगर भारत के पास मोसाद जैसी तकनीक हो, तो बहुत अच्छा होगा।

राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने प्रख्यात ओड़िया कवि रमाकांत रथ के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात ओडिया कवि पद्म भूषण रमाकांत रथ के निधन पर दुख जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि रमाकांत रथ भारतीय साहित्य जगत की एक प्रमुख विभूति थे। उन्हें पद्म भूषण सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रख्यात कवि रमाकांत रथ जी के निधन के बारे में जानकर मुझे बहुत दुख हुआ है। रमाकांत रथ भारतीय साहित्य जगत की एक प्रमुख विभूति थे। उन्हें पद्म भूषण सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ओडिया साहित्य में अपने चिरस्मरणीय योगदान द्वारा उन्होंने अखिल भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है। मैं उनके शोक संतप्त परिवारजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा रमाकांत रथ जी ने एक प्रभावी प्रशासक और विद्वान के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उनकी रचनाएं, विशेषकर कविताएं, समाज के सभी वर्गों में व्यापक रूप से लोकप्रिय हैं। उनके निधन से बहुत दुःख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।

अस्पताल में उपचार के दौरान युवती की मौत, परिवार ने लगाया लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके के फोर्टिस अस्पताल में बुखार होने के बाद भर्ती 20 साल की युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार वालों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। परिवार का आरोप है कि 18 लाख रुपये के भुगतान के बावजूद मरीज को पर्याप्त उपचार नहीं मिला। शिकायत मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली सरकार से पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने की सिफारिश की है। पुलिस ने बताया कि रविवार को पुलिस को फोर्टिस अस्पताल में एक युवती की मौत के बाद परिवार वालों का डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा लापरवाही के कथित मामले में अस्पताल के कर्मचारियों के साथ विवाद होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करवाया। जांच में पता चला कि त्रिनगर निवासी सुनील गुप्ता की 20 साल की बेटी मनस्वी को बुखार होने पर 10 मार्च को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसका लगातार इलाज जारी रहा, लेकिन 16 मार्च को उसने दम तोड़ दिया। परिवार वालों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

आवारा सांड के हमले में व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिले के नरेला इलाके में एक आवारा सांड के हमले में 54 वर्षीय फल विक्रेता की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान सनाउल्लाह के रूप में की है। हादसे के बाद उसे गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आवारा सांड के हमले में सनाउल्लाह के सिर में गंभीर चोट आई थी। जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, सनाउल्लाह की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है। वह वह फल की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का गुजर-बसर करते थे। उनकी मौत के बाद परिवार पर आर्थिक के आन पड़ा है। पुलिस के मुताबिक सनाउल्लाह अपने परिवार के साथ नरेला इलाके में ही रहते थे। इनके परिवार में पत्नी, चार बेटियां और दो बेटे हैं। वह इलाके में फल की रेहड़ी लगाते थे। पुलिस को मृतक के भाई खुर्शीद अनवर ने बताया कि जब शाम करीब चार बजे पॉकेट 13 के पास अपना ठेला ले जा रहे थे।

सरकार अपना काम करेगी, आप अपना काम करें

पुणे, 17 मार्च। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने सोमवार को बाबरी मस्जिद के विध्वंस का जिक्र करते हुए हिंदुत्ववादी संगठनों से कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी और वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इस बीच, दक्षिणपंथी संगठनों ने मुगल शासक औरंगजेब की मजार को हटाने की मांग की। अपने विवादित बयानों से चर्चा में रहने वाले राणे ने छत्रपति शिवाजी महाराज को धर्मनिरपेक्ष राजा के रूप में पेश करने के प्रयासों की भी निंदा की। वहीं, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने औरंगजेब की मजार को तकलीफ और गुलामी का प्रतीक बताते हुए छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्दाबाद में प्रदर्शन किया। शिवाजी महाराज के जन्म स्थान शिवनेरी किले में उनकी जयंती के मौके पर राणे ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा,सरकार अपना काम करेगी और हिंदुत्ववादी संगठनों को अपना काम करना चाहिए। जब बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया जा रहा था, तो हम एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे। हमारे कारसेवकों ने वहीं किया जो उचित था।

पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीखें और आतंक छोड़ सही रास्ता अपनाए : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसारित एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में भारत की विदेश नीति और बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को अपनी गलतियों से सीखने और सही रास्ता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका निभाने में विफल रही हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीन के साथ रिश्तों और यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ साक्षात्कार किया। उन्होंने इस दौरान कई विषयों पर पर चर्चा की। पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों को सुधारने के लिए उन्होंने ईमानदारी भरे कई प्रयास किए, लेकिन हर बार हमें धोखा और शत्रुता ही मिली

है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया। वे विशेष विमान यात्रा पर पाकिस्तान भी गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साक्षात्कार में बार-बार दोहराया कि भारत शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जनता भी शांति चाहती है। पाकिस्तान न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। वे अपनी आतंकवाद समर्थन की नीति नहीं बदल रहा है। हालांकि, पाकिस्तान इस बात को नहीं समझ पा रहा कि अपने यहां अराजगक तत्वों को बढ़ावा देने से उसका ही नुकसान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाकिस्तान अपनी गलतियों से सीख कर सही रास्ता अपनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साहस की प्रशंसा की और कहा कि वह अपने देश अमेरिका को फर्स्ट बनाना चाहते हैं जैसे कि वह स्वयं अपने देश को फर्स्ट बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सबसे बड़ी खास बात है कि वह अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके बीच की मजूबत दोस्ती का उल्लेख किया। अपने साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी भूमिका निभाने में सफल रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय संगठन समय के साथ खुद में बदलाव नहीं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व युद्ध के बाद विश्व व्यवस्था में जिस तरह के बदलाव आए थे, उससे दुनिया ने एकीकृत होने की सीख ली थी। कोविड के दौरान भी ऐसी ही आपदा का हम सबने सामना किया, लेकिन इसके बावजूद दुनिया में हितों की लड़ाई और संघर्ष पनपे, जबकि दुनिया को एक होना चाहिए था। इन संघर्षों को रोकने में यूएन विफल रहा है। देश मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं।

असम के प्रवक्ता की गिरफ्तारी पर कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि असम प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रीतम सिंह को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर दर्ज प्राथमिकी को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट मामले में गिरफ्तार करना अन्यायपूर्ण है और इस तरह से विपक्ष की आवाज दबाना तानाशाही है तथा इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस ने कहा, पार्टी के असम के प्रवक्ता रीतम सिंह की एक उचित सोशल मीडिया पोस्ट पर गिरफ्तारी अन्यायपूर्ण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र पर सीधा हमला है। सत्ता पर सवाल उठाने वाली आवाज़ों को दबाना दमनकारी शासन की निशानी है, न कि एक संपन्न लोकतंत्र की। पार्टी ने असम के मुख्यमंत्री हेमन्त विस्वा सरमा से सवाल किया, क्या आपके नेतृत्व में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाना और मौलिक अधिकारों पर हमला करना नई सामान्य बात है। सत्ता का यह खुला दुरुपयोग एक खतरनाक मिसाल कायम करता है - जो हमारे मौलिक अधिकारों के मूल ढांचे को खतरे में डालता है। हमें इस अलोकतांत्रिक कृत्य के खिलाफ खड़ा होना चाहिए, अपनी आवाज़ उठानी चाहिए और न्याय की मांग करनी चाहिए। आज रीतम सिंह है - कल, कोई और भी हो सकता है।कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा,÷मेरे युवा सहकर्मी रीतम सिंह की एक बिल्कुल उचित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए गिरफ्तारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा की क्रूरता का प्रतीक है।

क्रिस्टोफर लक्सन भारत की पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली ।न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भारत की पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एस. पी. सिंह बघेल ने हवाई अड्डे पर मेहमान प्रधानमंत्री का स्वागत किया। शाम को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने होटल में श्री लक्सन से शिष्टाचार भेंट की। श्री लक्सन भारत के प्रमुख कूटनीतिक आयोजन रायसीना संवाद में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे, जो 17 से 19 मार्च तक नयी दिल्ली में होगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के आयोजन रायसीना संवाद का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को करेंगे। रायसीना संवाद का 10वां संस्करण का विषय 'कालचक्र - लोग, शांति और पृथ्वी' है। सोलह से बीस मार्च के दौरान भारत की अपनी यात्रा के

दौरान प्रधानमंत्री लक्सन सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे जिसमें दोनों नेता भारत-न्यूजीलैंड संबंधों के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी मेहमान गणमान्य व्यक्ति के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी उनकी मुलाकात उसी दिन शाम को निर्धारित है। श्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ न्यूजीलैंड में मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यवसायियों, मीडिया और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

प्रधानमंत्री के रूप में श्री लक्सन की यह पहली भारत यात्रा है। वह 20 मार्च को वेलिंगटन लौटने से पहले मुंबई भी जाएंगे जहां वह भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधियों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने 18 मार्च को ईपीआईसी और आधार को जोड़ने पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 18 मार्च को गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सीईओ को मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) और आधार को जोड़ने के मुद्दे पर चर्चा के लिए बुलाया है। सूत्रों के अनुसार, ईपीआईसी और आधार को जोड़ने के मुद्दे पर यह बैठक 18 मार्च को चुनाव आयोग में होगी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सभी राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल तक सुझाव आमंत्रित किए हैं, ताकि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) या मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के स्तर पर किसी भी अनसुलझे

चुनावी मुद्दे का समाधान किया जा सके। सूत्रों के अनुसार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को भेजे गए नोट के अनुसार, भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आधार संख्या को मतदाता सूची डेटा से जोड़ने के सभी प्रयास करें। यह निर्देश 4 मार्च को सीईओ सम्मेलन में मुख्य चुनाव आयुक्त के उद्घाटन भाषण शीर्षक वाले दस्तावेज में शामिल किया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इससे पहले मतदाताओं की उचित पहचान सुनिश्चित करने और आवश्यक संचार सुनिश्चित करने के लिए आधार और मोबाइल नंबरों को जोड़ने पर बल देते रहे हैं।

दुनिया के सामने नई चुनौतियों के चलते ही कई देशों में शासन का पतन हुआ : आर्मी चीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि इस समय दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसके कारण इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य देशों में शासन का पतन हुआ है। अंशकालिक मित्रता एक नई उभरती हुई घटना है, जिसे 'मजबूरी में दोस्त' भी कहा जाता है। एक निर्वाचित सरकार की अवधि या एक निर्वाचित नेता का पतन एक राष्ट्र के पूरे दृष्टिकोण को बदल रहा है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी नई दिल्ली में देश के पहले आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल बिपिन रावत की याद में चौथे व्याख्यान 'उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में संघर्षों से अभी-अभी उबर रही है, जिसमें अधिकांश देशों ने यथार्थवाद, आदर्शवाद या धर्म के आधार पर पक्ष लिया था। इस

उथल-पुथल में चल रहे उप-राष्ट्रीय संघर्ष और वैश्विक शांति के लिए आम खतरे जैसे आतंकवाद, अमेरिका गठबंधनों को मजबूत करके और एक मुक्त इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देकर जवाब दे रहा है। यूरोप चीन और अमेरिका के साथ मिलकर मानवाधिकारों के अपने सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। अफ्रीका दोनों अफ्रीका और यूरोप में अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव निवेशों के जरिये स्थापित नियम-आधारित प्रणाली को चुनौती दे रहा है। ब्लॉकों से निवेश प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है और वैश्विक दक्षिण तेजी से एक बहुध्रुवीय दुनिया की मांग कर रहा है, जो विविध हितों को दर्शाती है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समुद्री क्षेत्र के बीच जहाज अग्नि अभ्यास करके अपने संकेत को बढ़ाया है। इस शक्ति संघर्ष में उत्तर कोरिया चुपचाप सैन्य रूप से मजबूत होता जा रहा है। यहां तक ??कि वैश्विक कॉमन्स महासागर, बाहरी अंतरिक्ष, साइबर स्पेस और वायुमंडल भी उसी भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण खतरे में हैं। गलत सूचना विश्वास को कमजोर करती है,

NAME CHANGE
I, DHANNI DEVI SHARMA is legally mother of No. 15622428W Rank-L/NK Name- SATYA PRAKASH SHARAMA, Rio AT-MALPURA POST MALPURA, TEH MALPURA, DIST TONK STATE RAJSHTAN, PIN-304502 have changed my name from DHANNE DEVI SHARMA to DHANNI DEVI and have changed my date of birth from 02/02/1984 to 01/01/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 11.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VIMALABAI PR is legally mother of No. 15572424 F Rank HAV, Name-RAHANGDALE UTTAM PREMCHAND R/ AT BANJARITOLA, POST KALIMATI TEH AMGAON, DIST GONDIA, State -MAHARASHTRA, PIN-441902,have changed my name from VIMALABAI PR to IMLA PREMCHAND RAHANGDALE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, GO-2289M, Mukul Kumar Misra, SE (Civ), son of Shri Shiva Kumar Misra, aged about 59 Yrs, by faith: Hindu, by Occupation: Service, residing at present: A2/445, Himsagar Apartments, Pocket-4, Builders Area, Greater Noida, Kasna, Gautam Budh Nagar, UP-201310, have changed my daughter's name from BHAGYASHREE to BHAGYA SHREE MISRA (in my service documents) for all future purposes. Vide affidavit dated 17.03.2025 before sub divisional magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, SHITAL is Spouse of No. 2811890Y Rank- NK Name- SHETE DILIP SURYABHAN, VILL-WADZIRE, POST WADZIRE, TEH-PARNER, DIST AHMADNAGAR STATE - MAHARASHTRA, PIN-414302, have changed my name from SHITAL to SHITAL DILIP SHETE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, GO-2289M, Mukul Kumar Misra, SE (Civ), son of Shri Shiva Kumar Misra, aged about 59 Yrs, by faith: Hindu, by Occupation: Service, residing at present: A2/445, Himsagar Apartments, Pocket-4, Builders Area, Greater Noida, Kasna, Gautam Budh Nagar, UP-201310, have changed my daughter's name from RAJSHREE to RAJ SHREE MISRA(in my service documents) for all future purposes. Vide affidavit dated 17.03.2025 before sub divisional magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohammad Asad Malik S/O Zarif Ahmad R/O 125-D, POCKET-A, Sukhdev Vihar, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as M. Asad Malik and Shazia Malik in my minor son Mohammad Arslan Malik aged13 years in his school record. The actual name of mine and my wife are Mohammad Asad Malik and Shazia Asad, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Rahul Kumar s/o Sh.Subhash, R/o plot no. 1969-A, KH. No.75/19, Ground floor kongposh street no.5 BLK-A Jainnager, Tirthankarnager Delhi- 110081, declare that name of my son has been wrongly written as wrongly written as Abhimanyu in his Birth certificate. The actual name of my son is to Siddharth. which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Pushpendra Kumar Tripathi S/o Rabend Kumar Tripathi Permanently residing at Ward 3/248, Gram Post Bhaiswar, Bhainswar, Satna, Madhya Pradesh-485666 Presently residing at Near Bharna Kuan, Shahbad Mohdpur, New Delhi-110061 declare that name of mine has been wrongly written as P K Tripathi in my minor daughter Trisha Tripathi aged 16 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is Pushpendra Kumar Tripathi.

NAME CHANGE
I, No-2809513K, Rank-SEP Name-BAWANKULE JAGDISH BHOJRAM Presently residing at AT-DHABETEKADI, POST-SHIONI TEH-LAKHANI, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441809, have changed my mother's name from REKHA to REKHA BHOJRAM BAWANKULE for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 18/10/1969 instead of her correct date of birth as 01/01/1968 vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-2809513K, Rank-SEP Name-BAWANKULE JAGDISH BHOJRAM Presently residing at AT-DHABETEKADI, POST-SHIONI TEH-LAKHANI, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441809, in my service records my father's (BHOJRAM BAKARAM BAWANKULE) date of birth wrongly mentioned as 27/09/1967 instead of his correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, K PARAMASIVAM Father of No-8038866W Rank-NK, Name-KARUPPANAN P Presently residing at 3/76, VILL-VALAYANKULAM, PO-ARASAPATTI, TEHSIL-THIRUMANGALAM, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-623706, have changed my name from K PARAMASIVAM to PARAMASIVAM K for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, P MUTHULAKSHMI Mother of No-8038866W Rank-NK, Name-KARUPPANAN P Presently residing at 3/76, VILL-VALAYANKULAM, PO-ARASAPATTI, TEHSIL-THIRUMANGALAM, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-623706, have changed my name from P MUTHULAKSHMI to MUTHULAKSHMI P for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-783668M Rank-NB SUB Name-DHANEESH V S Father of DHANASHRI VD Presently residing at VADASSERY HOUSE, VPO-KAIPARAMBU, TEH+DIST-THRISSUR, KERALA-680546, have changed my minor daughter's name from DHANASHRI VD to DHANASHRI V D for all future purposes vide Affidavit dated 12/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I. RAJENDRA KUMAR MISHRA S/O BRIJ BHUSAN MISRA R/O Deewadhar, Pipra Misra, PO: Pipara Mishir Deori, Uttar Pradesh - 274505 declare that name of mine has been wrongly written as RAJENDERA KUMAR MISRA in my 10th class marksheet The actual name of mine is RAJENDRA KUMAR MISHRA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Poonam purchasing Freehold Residential Land area measuring 45 sq. yds. out of Khasra No. 74 situated in Banghel Begumpur Pargana & Tehsil Dadri Distt. Gautam Budh Nagar U.P. from Chandrapal and Sharad Kumar., initially Smt. Sakuntala Devi owner by virtue of Sale Deed dated 01.06.2006 duly registered with Sub Registrar NOIDA as Doc No. 3673 in Book No.1, Vol No. 682 on pages 593-606 on date 01.06.2006., thereafter Smt. Sakuntala Devi died, and same property sold to be Smt. Poonam our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mr. Nipun Kumar Gupta who is the owner of House No-1239, Land Area Measuring 233.3 sq. yds. out of Khasra no. 382, Situated at Paposiyan Street, Lal Dora, Nearby Mata Mansa Devi Mandir, Narela, Delhi-110040. Vide Relinquishment Deed Dated 27.12.2019 executed by Mrs. Kapuri Rani Gupta, Mrs.Nirmala Goel, Mrs. Deepa Gupta & Mrs. Geeta in favour of Mr. Nipun Kumar Gupta in respect of the said property. That Urdu Partition Deed (Along with Translated Copy) dated 24.06.1957 executed between Mr. Dalip Singh (First Party), Mr. Raghuvir Singh (Second Party), Mr. Janki Prashad (Third Party) & Mr. Mangal Sen (Forth Party) in respect of the said entire property.. Was lost on 15/05/2000 duly reported to police as per police complaint dated 13/03/2025 in the police station Crime Branch, Delhi bearing LR No:2666441/2025. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 17/3/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, MUNESH DEVI Wife of JC-283564H Rank-SUB Name-RAVINDER KUMAR R/o VPO-DERI, TEH-BERI, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124201, have changed my name from MUNESH DEVI to MUNESH for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-783668M Rank-NB SUB Name-DHANEESH V S Father of DHANASHRI VD Presently residing at VADASSERY HOUSE, VPO-KAIPARAMBU, TEH+DIST-THRISSUR, KERALA-680546, have changed my minor daughter's name from DHANASHRI VD to DHANASHRI V D for all future purposes vide Affidavit dated 12/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General public on behalf of our client (DCB Bank Ltd.) that Mrs. Sarla is claiming to be the owner of Residential Plot No. L-43 & L-44, on Plot No. 44-L, area measuring 110 sq. yds., out of Mu. No. 88, Killa No. 12, situated in the area of Village Hastsal, Delhi State, Colony known as Bal Udhyan Road, Uttam Nagar, New Delhi-110059; by virtue of Gift Deed dated 22.03.2021 executed by Mr. Samer Singh, duly registered with SRO II B Janakpuri, as Document No. 6775. Book No. 1, Volume No. 6161, on Pages 124-129, on 23.03.2021. All persons are hereby informed that above owner wants to sell the said property to a person, who intends to obtain a loan from our client (DCB Bank Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 15 days of the present.
Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi - 15
legal@knalegal.com
PH: 011-41112527-28

NAME CHANGE
I, PUSHPA RAKESH W/O VIJAY KUMAR residing at H NO U-189/B, STREET NO-4, SHAKARPUR, DELHI-110092 have changed my name to PUSHPA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Chandra Ramesh S/O Ram Sagar Maharaj F-1203,Amrapali Silicon City, Sector-76, Noida , Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, have changed the name of my minor Son Aradhya Chandra aged 15 Years and he shall hereafter be known as Aradhyaa Chandra.

NAME CHANGE
I, JC-331944F, RANK-SUB MAJ, NAME-AMIT KUMAR R/o H NO-143, VILL-KHAJURI, PO-IQBALPUR, DIST-HARIDWAR, UTTARAKHAND-247668, have changed my mother's name from RAJESWARI DEVI to RAJESHVARI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 02/07/1954 instead of her correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, SURAJ KUMAR THAKUR S/O DEEPAK THAKUR R/O L-1st-2640 Gali No-15 Sangam Vihar Devli South Delhi Delhi-110062, hereby undertake that I SURAJ KUMAR THAKUR to change my name to SRI MAYA THAKUR and gender as FEMALE, For All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, ANIRUDH DEV ANAND S/O NIVIDITA SHARMA R/O A-69, GREENWOOD CITY, SECTOR-45, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIRUDH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Mohammad Saheb S/o Mohammad Alluddin R/o House No. 647, Garhi Bakhtawar Pur, North West, Delhi-110036, declare that previously I was known as Mohd. Sahil and now I have changed my name from Mohd. Sahil to Mohammad Saheb. I will be known as Mohammad Saheb in future for all purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Krishan Kumar Sharma S/O Lachchi R/O C-74, Gali No-3, Ganga Vihar, Gokal Pur, Po: Gokal Puri, Dist North East Delhi, Delhi-110094 declare that name of my father has been wrongly written as Laxman Singh in my Pan Card No. AOEPK5145A and aadhaar Card No. 7773 6739 0968. The actual name of my father is Lachchi which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KUMARI KHUSHBOO Wife of No.17029193M, Rank-SEP Name-OMKAR TIWARI residing at VIL-BANOOLI, PO-NAGHAR, TEHSIL-RASRA, DISTT-BALLIA, U.P-221712, have changed my name from KUMARI KHUSHBOO to KM KHUSHBOO PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIMAL is legally mother of No. 2808746 Rank NK Name AHER SAGAR VASANT, RO VILL PIMPRI POST BHAUSAHER NAGAR, TEH NIPHAD, DIST NASHIK, STATE MAHARASHTRA, PIN- 422301, have changed my name from VIMAL to VIMAL VASANT AHER and my date of birth from 01/03/1971 to 02/05/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 11.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SEWANTABAI is legally mother of No 2809871P RANK-S??, NAME ???AR PURSHOTTAM SHAMLAL, R/O VILL DATORA, POST DATORA, TEH GONDIA, GONDIA, STATE MAHARASHTRA, PIN 441614 have changed my name from SEWANTABAI to SEVANTABAI SHAMLAL AMKAR and date of birth from 12/09/1965 to 01/01/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 11.03.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ARUN KUMAR S/o RAGHUBIR SINHA R/o 2099/6E, Gali No.-15, Near Jai Mata Mandir, Prem Nagar, Patel Nagar, SO Distt. Central Delhi, Delhi-110008, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as ARUN KUMAR SINHA and RINKU DEVI in my minor daughter namely ANUSHKA KUMARI aged 14 years in her School Record and Birth Certificate No. 24311. The actual name of mine and my wife are ARUN KUMAR and RINKU SINHA respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohammad Asad Malik S/O Zarif Ahmad R/O 125-D, POCKET-A, Sukhdev Vihar, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of my wife has been wrongly written as Shazia Malik in my minor son Mohammad Arfan Malik aged 09 years in his school record. The actual name of my wife is Shazia Asad , which may be amended accordingly.

‘लाडो-लक्ष्मी’ पर प्यार बरसाएगी नायब सरकार

चंडीगढ़। नायब सरकार का पहला बजट सोमवार को दोपहर दो बजे पेश होगा। वित्त मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बजट पेश करेंगे। इससे पहले भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल में सभी पांच बजट पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पेश किए थे। उनकी तरह ही नायब सैनी ने भी वित्त मंत्रालय अपने पास रखा है। रविवार को उन्होंने वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके बजट को अंतिम रूप दिया। वे बजट दस्तावेज पर साइन भी कर चुके हैं।

अक्तूबर-2024 में लगातार तीसरी बार बनी भाजपा सरकार का यह पहला बजट होगा। इस बार विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अपने ‘संकल्प-पत्र’ में कई अहम वादे किए थे। कुल 240 वादों में से 100 दिनों के कार्यकाल में ही नायब सरकार 18 वादों को पूरा कर चुकी है। बजट में बहन-बेटियों के लिए बहुत कुछ होने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि बजट में ‘लाडो लक्ष्मी’ योजना का ऐलान किया जा सकता है। इस योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपये मासिक की आर्थिक मदद दी जाएगी। यह मदद 60 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं के लिए होगी। 60 वर्ष के बाद वृद्धावस्था पेंशन का लाभ महिलाओं को मिलेगा। बजट में गरीब परिवारों के लिए 500 रुपये में हर माह एक गैस सिलेंडर दिए जाने की योजना को जारी रखने की घोषणा भी होगी। अभी तक 13 लाख के करीब परिवार इस योजना का लाभ ले रहे हैं। माना जा रहा है कि नायब सरकार अपने बजट में 50 के करीब चुनावी वादों को पूरा करने की घोषणा कर सकती है। मेधावी बेटियों के लिए हॉयर एजुकेशन में मुफ्त शिक्षा के लिए भी

योजना लांच की जा सकती है। इसी तरह से कॉलेजों में जाने वाली गरीब परिवारों की बेटियों के लिए स्कूटर देने या इससे जुड़ी किसी योजना का ऐलान किया जा सकता है। शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र पर सरकार का विशेष फोकस रहने वाला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी लागू करने में हरियाणा सबसे पहले आगे बढ़ा है। इस कड़ी में प्रदेश के 1500 सरकारी स्कूलों को ‘स्मार्ट स्कूल’ में अपग्रेड करने की योजना की घोषणा मुख्यमंत्री कर सकते हैं। 2024-25 में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 1 लाख 89 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। माना जा रहा है कि इस बार नायब सरकार का बजट दो लाख करोड़ रुपये के आसपास का हो सकता है। प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए बजट में मेडिकल कॉलेजों के लिए भी बजट का प्रावधान किया जाएगा।

टैक्स फ्री रह सकता है बजट

सूत्रों का कहना है कि पूर्व की मनोहर सरकार की तर्ज पर नायब सरकार भी अपना बजट टैक्स फ्री पेश कर सकती है। सरकार फिलहाल किसी भी तरह का टैक्स लोगों पर लगाने के पक्ष में नहीं दिखती। अलबत्ता कई वर्गों के लिए राहत की घोषणा जरूर बजट में की जा सकती है। प्रदेश में आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने की दिशा में भी नायब सरकार काम कर रही है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि प्रदेश पर कर्ज बढ़कर चार लाख करोड़ के आसपास हो चुका है।

निकायों की मजबूती पर रहेगा जोर

प्रदेश के नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में मिली जीत के बाद नायब सरकार गदगद है। ऐसे में निकायों को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए भी बजट में योजना लाई जा सकती है। शहरों के विकास कार्यों के लिए नायब सैनी विशेष पैकेज देने का ऐलान भी कर सकते हैं। प्रदेश के कई निकायों के लिए काफी मात्रा में प्रॉपर्टी भी है। इस प्रॉपर्टी के कमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भी नायब सरकार योजना बनाने में जुटी है। इस तरह की योजना बजट में भी लाई जा सकती है।

गरीबों के मकान के लिए बजट

सरकार ने खुद के घर से वंचित हर परिवार को छत मुहैया करवाने का वादा किया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना से अलग हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजनाओं की शुरूआत की है।

सीएम नायब सैनी पेश कर रहे है बजट, जानिए क्या होगा खास

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर वित्त मंत्री आज अपना पहला बजट पेश कर रहे हैं। इस बजट पर राज्य की सभी महिलाओं की उम्मीदें व नजरें टिकी हैं। नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए सीएम सैनी महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये देने वाली लाडो लक्ष्मी योजना की घोषणा कर सकते हैं। लाडो लक्ष्मी योजना के लिए बजट में करीब 10-12 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा सकता है।विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अपने संकल्प-पत्र में कई अहम वायदे किए थे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि सीएम सैनी द्वारा पेश किए जाने वाले इस बजट में भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र और चुनावी वादों को पूरा करने का प्रयास किया जा सकता है। हरियाणा की भाजपा सरकार के लगभग 240 वादों में से सीएम सैनी अपने 100 दिनों के कार्यकाल में ही 18 वादों को पूरा कर चुकी है।

ललिता बनी मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान

अम्बाला शहर. सीआईटीयू से संबद्ध मिड डे मील वर्कर्स यूनियन के सभी ब्लाक पदाधिकारियों की बैठक बस स्टैंड के पास हुई। इसमें यूनियन की जिला कमेटी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में ललिता खन्ना को जिला प्रधान, सोनिया रानी सचिव, रेणु बाला कैशियर, सुषमा व मेवा देवी को उप प्रधान, मुकेश सह सचिव चुना गया।इसके अलावा राज कुमारी, सोनिया, नीलम, मूर्ति, अमरजीत, आशा, हरविंद्र कौर, जसबीर कौर व सतीश सेठी को जिला कमेटी सदस्य होंगे। इससे पहले यूनियन नेताओं ने पिछले 3 सालों की सांगठनिक गतिविधियों की रिपोर्ट व लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।

जींद सम्मेलन में होगी आगामी आंदोलन की घोषणा

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की राज्य महासचिव सरबती व आल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्ज फेडरेशन के नेता इंद्र सिंह बधाना ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए लागू करने, हर महीने समय पर पूरा देने के साथ ही साल के पूरे 12 महीने का वेतन देने की मांग की गई।महासचिव ने कहा कि यूनियन ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को मांग पत्र भेजकर बातचीत से समस्याओं का समाधान करने के लिए पत्र लिखा था परंतु अभी तक समय नहीं मिला। इसलिए 30-31 मार्च को जींद में होने वाले राज्य सम्मेलन में आगामी आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

पानीपत शुगर मिल ने बेची 22.65 करोड़ की बिजली

पानीपत. सहकारी शुगर मिल द्वारा इस सीजन में रविवार सुबह 6 बजे तक 3 करोड़, 57 लाख 75 हजार यूनिट बिजली एचवीपीएन के नौल्था पॉवर हाउस को एक्सपोर्ट की जा चुकी है। मिल द्वारा अब तक बिजली निगम को 22 करोड़ 65 लाख रुपये की बिजली बेची जा चुकी है। मिल

में लगी टरबाईन को अभी 24-25 मेगावाट पर चलाया जा रहा है। मिल द्वारा पिछले वर्ष करीब 25 करोड़ और उससे पहले वर्ष करीब 21 करोड़ की बिजली बेची गई थी। शुगर मिल में लगी टरबाईन मिल की अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने में सहायक साबित हो रही है। इस सीजन में मिल के 14-15 दिन और चलने की उम्मीद है, जिससे मिल प्रबंधन को इस बार करीब 28 करोड़ की बिजली बिकने की उम्मीद है।वहीं मिल में शनिवार सुबह 6 बजे तक 51 लाख 54 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई हो चुकी है और इस बार 63-64 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई होने की उम्मीद है। मिल ने इस बार 65 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा हुआ है।

दिल्ली-करनाल हाई स्पीड ट्रेन से सफर की उम्मीद, केंद्र सरकार उठा सकती है बड़ा कदम

करनाल (ब्यूरो) . दिल्ली-मेरठ रेपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम परियोजना का काम निकट समय में पूर्ण होने के बाद दिल्ली-पानीपत-करनाल आर.आर. टी.एस. प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने की जिलावासियों को उम्मीद जगी है। एन.सी.आर.टी.सी. की वेबसाइट पर आर.आर.टी.एस. परियोजनाओं का नक्शा प्रदर्शित हुआ है, जिसमें करनाल रूट भी तीसरे नंबर पर शामिल है। उम्मीद है कि दिल्ली-मेरठ लाइन के बाद दिल्ली-पानीपत-करनाल परियोजना के बारे में केंद्र सरकार कोई कदम उठा सकती है। हालांकि इस परियोजना बाबत कोई अधिकारिक पुष्टि तो नहीं हुई लेकिन पहली बार अधिकृत वेबसाइट पर प्रदर्शित हुए नक्शे में पानीपत व करनाल का नाम आया है। नक्शे में 8 रूट दिखाए गए हैं, जिनमें तीसरे नंबर पर दिल्ली-पानीपत-करनाल प्रदर्शित हो रहा है। सरपंच एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रतन सिंह ने कहा कि यदि केंद्र सरकार मेरठ लाइन के बाद करनाल पर ध्यान केंद्रित करती है तो प्रदेश की जनता केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल की बहुत आभारी रहेगी। 22 अक्तूबर 2024 को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रैपिड रेल ट्रांजिट

सिस्टम परियोजनाओं पर केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहरलाल के साथ हुई बैठक में जिक्र किया था। इसमें दिल्ली-पानीपत-करनाल कोरिडोर पर भी अध्ययन करने को लेकर चर्चा की थी। कुछ समय पूर्व दिल्ली-करनाल रेपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम का टीजर भी जारी किया गया था।

जिलावासियों का कहना है कि करनाल शहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दिल्ली-अंबाला रेलमार्ग स्थित करनाल रेलवे स्टेशन पर यात्री गाडियों के ठहराव की कमी महसूस की जा रही है। दिल्ली से अंबाला के बीच केवल एक ही करनाल जिला बचा है जहां जंक्शन नहीं बनाया गया।

फतेहाबाद: घर में पुलिस ने मारा छापा तो अंदर का सीन देखकर रह गई हैरान, 3 लोग काबू

रतिया (ब्यूरो) : शहर थाना पुलिस ने जिला फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक जगदीश चंद्र के नेतृत्व में शहर की इम्प्लाइज कॉलोनी के एक घर में छापा मारकर देह व्यापार करने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने घर के चौबारे पर बने कमरों से अनैतिक कार्य करते हुए अनेक महिलाओं व पुरुषों को काबू किया है। उपरोक्त मकान में देह व्यापार करने वाला मकान मालिक पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल हो गया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए 3 युवकों को रविवार सुबह अदालत में पेश किया है। इस देह व्यापार के भंडा फोड़ने की विशेष जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शहर थाना प्रभारी रणजीत सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि सतपाल नामक व्यक्ति अपने किराए के मकान में बाहर से लड़कियां बुलाकर अनैतिक देह करवाता है और आज भी उसने पंजाब क्षेत्र से अनेक लड़कियों को बुलाया हुआ है।

सूचना मिलने के पश्चात उपपुलिस

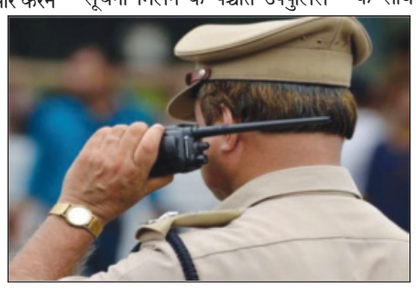

अधीक्षक जगदीश चंद्र ने जिला पुलिस अधीक्षक को सर्च वारंट हेतु आह्वान किया और शहर थाना पुलिस टीम व महिला पुलिस टीम के साथ देर रात्रि को एक मकान में छापा मारा। पुलिस टीम ने जब छापा कार्रवाई को अंजाम दिया तो इस दौरान कमरे के गेट पर बने काऊंटर पर बैठा व्यक्ति मौके से ही फरार हो गया। जबकि ऊपरी मंजिल पर बने कमरों में तलाशी ली तो 3 कमरों में 3 युवक पंजाब क्षेत्र की महिलाओं के साथ अनैतिक कार्य करते हुए पाए गए।

इस दौरान उपरोक्त पीड़ित महिलाओं ने पुलिस के समक्ष बयान देते हुए बताया कि जो व्यक्ति काऊंटर पर बैठा था, वही देह व्यापार का धंधा चलकर कमाए हुए पर आधे पैसे देह व्यापार के लिए लाई हुई लड़कियों को देता था। पुलिस ने जहां देह व्यापार करवाने वाले व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। मौके पर नैतिक कार्य करते हुए 3 व्यक्तियों जगसीर, रंजीत व बलवान को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया।

दु:खद: 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, ऐसे गई जान

बहादुरगढ़ (प्रवीण धनखड़) . बहादुरगढ़ के टांडाहेड़ी गांव से जाखौदा रोड पर सोनू अखाड़े के पास 11 के.वी. फीडर पर काम करते समय करंट की चपेट में आने से बिजली कर्मी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुटी और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में बिजली विभाग के एक जेई के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है।

3 बच्चों का पिता था मृतक देवदत्त

मृतक की पहचान करीब 40 वर्षीय देवदत्त निवासी ईस्माइला के रूप में हुई। देवदत्त बिजली निगम के सब अर्बन में डी.सी. रेट पर कार्यरत था। देवदत्त अन्य बिजली कर्मियों के साथ टांडाहेड़ी से जाखौदा रोड पर 11 के.वी. फीडर पर मेंटेनेंस का काम कर रहा था। अचानक लाइन में करंट आ गया और देवदत्त उसकी चपेट में आ गया। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची और देवदत्त को नीचे उतारा। उसे गंभीर अवस्था में शहर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर इसकी सूचना मिलते ही साथी बिजली कर्मी भी अस्पताल में पहुंचे। देवदत्त तीन बच्चों का पिता था, जिनमें दो बेटी और एक बेटा। बेटा मात्र 3 साल का है।

हरियाणा के 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को जमा करवाने होंगे Tablets, नहीं तो...

चंडीगढ़ (दीपक बंसल) . शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षाएं समाप्त होने से पहले विद्यार्थियों को दिए गए टैबलेट वापस लिए जाएं। हरियाणा में 10वीं और 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं समापन के नजदीक पहुंच गई हैं। शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में जिन विद्यार्थियों को टैबलेट दिए गए थे, परीक्षा समाप्ति के 5 दिन पहले उन्हें वापस ले लिए जाए। साथ ही शिक्षा निदेशालय की ओर से कहा गया है कि जो विद्यार्थी टैबलेट वापस नहीं करें उनका वार्षिक परीक्षा परिणाम रोक लिया जाएगा।

स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के अंतिम 5 दिनों के भीतर स्कूल में टैबलेट, चार्जर, सिम और टैबलेट के साथ मिला

अन्य सामान जमा करवाना होगा। 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल तक टैबलेट जमा करवाने का समय दिया गया है। निर्धारित समयावधि के भीतर टैबलेट वापस जमा नहीं कराने वाले विद्यार्थियों की स्कूलों द्वारा सूची तैयार की जाएगी, उस सूची को शिक्षा विभाग द्वारा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड और सी. बी.एस.ई. बोर्ड को भेजा जाएगा, ताकि ऐसे विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रोका जा सके। यदि कोई विद्यार्थी टैबलेट गुम होने का तर्क देता है तो विद्यार्थी के माता-पिता द्वारा नजदीक के पुलिस थाने में एफ आई आर दर्ज करवाने के बाद स्कूल मुखिया को अंडरटेकिंग और एफ.आई.आर. की कॉपी देनी होगी।

राजकीय उच्च विद्यालयों में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा समाप्त होने के 5 दिन पहले टैबलेट वापस करने होंगे। यदि कोई विद्यार्थी 11 वीं कक्षा में उसी स्कूल में दाखिला लेगा तो उससे टैबलेट वापस नहीं लिया जाएगा। 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल मुखिया और संबंधित कक्षा प्रभारी टैलीफोन के माध्यम से टैबलेट वापस करने के लिए सूचित करेंगे। साथ ही स्कूल प्रबंधन कमेटी भी सभी विद्यार्थियों को विद्यालय में टैबलेट वापस करवाने के लिए संपर्क करेगी।

गाना बैन करने पर भड़के हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा, निशाना बनाने का लगाया आरोप

जींद (ब्यूरो) . हरियाणा सरकार ने गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले गानों पर एक्शन लिया है। जींद के जुलाना के रहने वाले सिंगर मासूम शर्मा के कई गानों को यू-ट्यूब से बैन किया गया है। इस पर उनका दर्द छलका है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर लाइव आकर कहा कि अगर सरकार चाहती है कि ऐसे गाने नहीं बने तो मैं सरकार के साथ हूं, लेकिन इस मामले में कार्रवाई बिना भेदभाव के होनी चाहिए।टार्गेट करते हुए केवल मेरे गानों को ही डिलीट किया जा रहा है, जबकि यू-ट्यूब पर इस तरह के हजारों गाने हैं। यदि यही भेदभाव चलता रहा तो हरियाणवी सॉन्ग इंडस्ट्री बंद हो जाएगी और यहां का यूथ पंजाबी गाने सुनेगा। हरियाणा सरकार के पब्लीसिटी सैल से जुड़े एक अधिकारी पर आरोप लगाते हुए मासूम शर्मा ने कहा कि सरकार में उच्च पद पर बैठे एक व्यक्ति के कहने पर मेरे सबसे ज्यादा हिट गानों को डिलीट करवाया जा रहा है। यह व्यक्ति हरियाणा के कलाकारों को आगे बढ़ते नहीं देख सकता। उस व्यक्ति के साथ मेरा 36 का आंकड़ा है, इसलिए केवल मेरे गानों को टार्गेट किया जा रहा है।

कुछ तो फोक के नाम पर अश्लीलता परोस रहे

उन्होंने कहा कि मेरे 3 गाने ट्यूशन बदमाशी का, 60 मुकद्दमें और खटोला को यू-ट्यूब पर बैन करवा दिया गया है।

जबकि सिंगर नरेंद्र भगाना और अंकित बालियान के भी एक-एक गाने को हटाया गया है, ताकि यह न लगे कि केवल मेरे ही गाने हटाए जा रहे हैं। इन गानों पर 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज थे। इन सबसे ज्यादा हिट गानों को ही बैन करवाया गया, मेरे तो और भी सैकड़ों गाने हैं, बेशक उन्हें भी हटा दिया जाए। मगर, मेरे गानों को तो बदमाशी का गाना बोलकर हटवाया जा रहा है जबकि कुछ कलाकार फोक बताकर अश्लीलता परोस रहे हैं, उन पर भी तो रोक लगे।

अगर मेरे गानों से हरियाणवी युवा दिशा भ्रमित हो रहे हैं तो भाभियों, बहुओं, लड़कियों पर जो कलाकार गाने बना रहे हैं, उनसे भी तो समाज पर दुष्प्रभाव पड़ता है। क्या ये गाने सही हैं, उन पर किसी को दिक्कत क्यों नहीं है। न जाने कितने डबल मीनिंग गाने चल रहे हैं।

जिस प्रॉपर्टी सर्वे पर हुआ बवाल, उसी के लिए केंद्र से मिली शाबाशी

चंडीगढ़. हरियाणा के शहरों में प्रॉपर्टी सर्वे करने की पूर्व की मनोहर सरकार की पहल की केंद्र ने सराहना की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली पब्लिक फाइनेंस स्टेट डिविजन ब्रांच ने हरियाणा को ना केवल शाबाशी दी है बल्कि इस काम के लिए 150 करोड़ रुपये का अनुदान (ग्रांट) भी देने का निर्णय लिया है। यही नहीं, प्रॉपर्टी सर्वे के लिए हरियाणा को ईटी गवर्नमेंट डिजीटेक अवार्ड-2025 भी मिलेगा।यहां बता दें कि हरियाणा में पिछले साल लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रॉपर्टी आईडी बड़ा चुनावी मुद्दा बना था। इससे पहले भी विपक्ष ने प्रॉपर्टी आईडी को लेकर सवाल उठाए थे। करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप भी लगे थे। प्रदेश में प्रॉपर्टी आईडी के लिए सर्वे करने वाली जयुपर की याशी कंपनी के साथ किए एग्रीमेंट को भी सरकार ने रद्द कर दिया था। कंपनी के 32 करोड़ रुपये से अधिक शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने अभी भी रोके हुए हैं। हालांकि इस विवाद के पीछे सबसे बड़ी वजह प्रॉपर्टी आईडी नहीं बल्कि इसके साथ जमीनों की रजिस्ट्री को जोड़ना था।कंपनी के साथ शहरों में प्रॉपर्टी सर्वे के लिए एग्रीमेंट किया गया। बाद में सरकार ने सर्वे के साथ-साथ जमीनों की रजिस्ट्री को भी इसके साथ जोड़ दिया। शहरों में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए निकायों ङ्क नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं से प्रॉपर्टी आईडी को अनिवार्य किया गया। हालांकि सर्वे में कुछ गलतियां भी थीं लेकिन उन्हें दूर भी किया जा रहा था।

हरियाणा में सरस्वती की उद्गम स्थली आदिबद्री पर बनेगा बांध

चंडीगढ़. हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर सरस्वती की उद्गम स्थली आदिबद्री में बांध बनाकर जल संचय किया जाएगा। दोनों प्रदेशों की सरकार में बांध बनाने को लेकर समझौता हो चुका है। एचपीपीसीएल इस परियोजना की कार्यकारी एजेंसी है। सरस्वती नदी में बांध, बैराज, जलाशय और जल निकायों के जरिये 20 क्यूसिक स्वच्छ पानी प्रवाहित होगा। सरकार ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है।सरस्वती की उद्गम स्थली आदिबद्री से लेकर पिहोवा तक पूरे वर्ष नियमित रूप से 20 क्यूसिक पानी छाड़ने का लक्ष्य रखा है। पिहोवा से कांग्रेस विधायक मनदीप सिंह चड्ढा ने पिहोवा से बहने वाली सरस्वती नदी की स्थिति, इसमें जल के स्थिर खड़ा रहने के कारण दुर्गंध व गंदगी फैलने का मुद्दा उठाते हुए सिंचाई मंत्री से जवाब मांगा कि सरस्वती नदी में ताजा पानी छोड़ने को लेकर सरकार की प्लानिंग के बारे में सवाल किया था।

खुशखबरी! अब सिर्फ 30 मिनट में फरीदाबाद से पहुचेंगे ग्रेटर नोएडा, 11 साल बाद दूर हुई ये दिक्कत

फरीदाबाद. ग्रेटर नोएडा को फरीदाबाद के मंझावली पुल से जोड़ने वाले प्रोजेक्ट की राह में आ रही दिक्कत अब दूर हो गई है. वर्ष 2014 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी मंझावली पुल परियोजना में सरकार ने 25.62 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया है. ऐसे में जिला प्रशासन ने किसानों से जमीन लेने के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिया है. जानकारी के मुताबिक प्रशासन ने भूमि खरीद की प्रक्रिया को अगले सप्ताह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है. शिलान्यास के 11 साल बाद जमीन लेने को लेकर नोटिफिकेशन हुआ है.फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा के बीच यातायात को सुगम बनाने के लिए इस पुल का निर्माण किया गया है. फरीदाबाद से ग्रेटर नोएडा पहुंचने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगता है. ऐसे में इस पुल के बनने से यह समय घटाकर 20 से 25 मिनट रह जाएगा. मंझावली पुल के माध्यम से दोनों शहरों के बीच लोगों को आवागमन में सुविधा होगी. यह पुल यमुना नदी पर 630 मीटर लंबा चार-लेन का पुल है.

11 साल से चल रहा था विवाद

महत्वाकांक्षी मंझावली पुल परियोजना का हरियाणा की तरफ से काम पूरा हो चुका है. यमुना नदी पार कर करीब एक किलोमीटर की सड़क ग्रेटर नोएडा की तरफ भी बन गई है. जानकारी के मुताबिक 2014 में शुरू हुई इस परियोजना का काम पिछले 11 साल से जमीन को लेकर शुरू हुए विवाद की वजह से अटका था.

सरकारी कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : गंगवा

हिसार. हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि सरकारी कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखें। यदि किसी स्तर पर सड़क निर्माण या अन्य कार्यों में लापरवाही पाई गई तो न केवल अधिकारियों पर कार्रवाई होगी बल्कि संबंधित एजेंसी पर भी कार्रवाई निश्चित है।

पत्रकारों से बात कर रहे थे कैबिनेट मंत्री

रणबीर गंगवा रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय-समय पर निर्माण कार्यों की चेकिंग होती है ताकि जनता के पैसे का सही जगह व सही समय पर सदुपयोग करवाया जा सके। उन्होंने हिसार की ऑटो मार्केट की सीवरेज व्यवस्था के बारे में पूछे एक सवाल के जवाब में कहा कि यह मामला ध्यान में आते ही अधिकारियों को सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त करवाने के निर्देश दे दिए गए हैं। केवल ऑटो मार्केट या हिसार ही नहीं बल्कि हर जगह की सीवरेज व सड़क व्यवस्था को उत्तम क्वालिटी के साथ सही करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

‘सरकार की नीतियों की वजह से जीते पार्षद’

रणबीर गंगवा ने कहा कि हिसार नगर निगम चुनाव में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण पोपली लगभग 65 हजार मतों से चुनाव जीते हैं, जो ऐतिहासिक जीत है। इसके अलावा 20 में 17 पार्षद भी भाजपा के जीते हैं, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह सब केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा भाजपा के प्रति जनता के विश्वास का परिणाम है।भाजपा कार्यालय में नवनिर्वाचित मेयर व पार्षदों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने संबोधित करते हुए कहा कि मेयर व पार्षदों की जीत के साथ ही उनकी जिम्मेदारी व जवाबदेही बढ़ गई है।

NAME CHANGE
I hitherto known as JAISLEEN KOUR alias MANNAT D/O BALJEET SINGH R/o Flat No L 704, Awho, Sispal Vihar Sector -49, South City -2nd, Gurgaon, Haryana - 122018 have changed my name and shall hereafter be known as JAISLEEN KOUR

स्पाइसजेट में प्रमोटर समूह करेगा 294.09 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विमानन सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने घोषणा की कि उसके संस्थापक और प्रमोटर समूह कंपनी में 294.09 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह निवेश 13,14,08,514 वारंट को समान संख्या में इक्विटी शेयरों (13.14 करोड़ शेयर) में बदलकर किया जाएगा। इस निवेश से स्पाइसजेट में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी मौजूदा 29.11 प्रतिशत से बढ़कर 33.47 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, यह धनराशि प्रमोटर ग्रुप की सहयोगी कंपनी स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से निवेश की जाएगी। कंपनी के प्रमोटर अजय सिंह 3.15 करोड़ इक्विटी शेयरों का निपटान कर रहे हैं, जिससे प्राप्त राशि का उपयोग स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को वारंट के बदले शेयर आवंटन के समय शेष 75 प्रतिशत राशि को आंशिक रूप से निधि देने के लिए किया जाएगा। स्पाइसजेट के बोर्ड या बोर्ड समिति की बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी, जिसमें वारंट कंवर्जन के तहत इक्विटी शेयर आवंटन को मंजूरी दी जाएगी। स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, यह ताजा निवेश हमारी एयरलाइन और उसके उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पूंजी हमारी वित्तीय स्थिति को मजबूत करेगी और विकास को गति देगी। स्पाइसजेट हमेशा से एक लचीली एयरलाइन रही है और इस नई पूंजी के साथ हम अपने परिचालन विस्तार और नए अवसरों को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

दूरसंचार विभाग ने लॉन्च किया 5जी हैकाथॉन, विजेता को मिलेंगे पांच लाख रुपये

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 की घोषणा की है। यह छह महीने तक चलेगा, जिसका उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए अभिनव 5जी-संचालित समाधानों के विकास में तेजी लाना है। यह छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए खुली है। इसमें विजेता को 5 लाख रुपये तक का प्रथम पुरस्कार मिलेगा। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि ये हैकथॉन एआई-संचालित नेटवर्क के रखरखाव, आईओटी-सक्षम समाधान, 5जी प्रसारण, कृषि, स्मार्ट स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वचालन, गैर-स्थलीय नेटवर्क, डी2एम, वी2एक्स और क्वांटम संचार जैसे प्रमुख 5जी अनुप्रयोगों पर केंद्रित प्रस्ताव को आमंत्रित करता है। छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब्स तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को तकनीक में बदलने में मदद मिलती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके लिए 15 मार्च से लेकर 15 अप्रैल 2025 तक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, 01 अक्टूबर 2025 को अंतिम विजेताओं की घोषणा की जाएगी और हर दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट और एक केंद्रीकृत ट्रैकिंग डैशबोर्ड के माध्यम से कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। इसके तहत प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा की गुणवत्ता और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

जनवरी के मुकाबले फरवरी में थोक महंगाई दर में 0.07 फीसदी बढ़कर 2.38 फीसदी हुई

नई दिल्ली। फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 2.38 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। फरवरी, 2025 में थोक महंगाई दर में वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा आदि के मूल्यों में बढ़ोत्तरी के कारण है। पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि विनिर्मित खाद्य उत्पादों की महंगाई फरवरी में बढ़कर 11.06 फीसदी हो गई, वनस्पति तेल में 33.59 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि पेय पदार्थों की महंगाई इस दौरान मामूली रूप से बढ़कर 1.66 फीसदी हो गई। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में नरमी आई और आलू की महंगाई 74.28 फीसदी से घटकर 27.54 फीसदी पर आ गई है। इसके अलावा ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई में फरवरी में 0.71 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि पिछले महीने जनवरी में इसमें 2.78 फीसदी की गिरावट आई थी। फरवरी महीने में खुदरा महंगाई दर दाल और सब्जियों के सस्ती होने की वजह से घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 फीसदी पर आ गई है, जो जनवरी महीने में 4.31 फीसदी थी।

मारुति सुजुकी अप्रैल से वाहनों की कीमत में 4 फीसदी तक का करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को कम करने के लिए यह वृद्धि करेगी, जो मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर उसने अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि वह अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में शुरुआती स्तर की ऑल्टो के-10 से लेकर इनविक्टो तक के मॉडल को बेचती है। एमएसआईएल ने पिछले साल दिसंबर, 2024 में अपने वाहनों की कीमतों में 4 फीसदी की वृद्धि की थी।

मार्च में भी बिकवाल की भूमिका में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 9 कारोबारी दिन में 30,015 करोड़ निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोली निवेशकों (एफपीआई) ने पैसा निकालने का सिलसिला लगातार जारी कर रखा है। मार्च के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने शेयर बाजार से 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निकासी कर ली है। इस तरह मार्च के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल (सेलर) की भूमिका में ही बने हुए नजर आ रहे हैं डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

फरवरी में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की। इस तरह इस साल अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट से 1.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 3 मार्च से 13 मार्च के दौरान 9 कारोबारी दिनों में एफपीआई ने स्टॉक मार्केट से शुद्ध रूप से 30,015 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह लगातार 14वां सप्ताह

है, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल की भूमिका में बने हुए हैं। जहां तक इंडियन बॉन्ड मार्केट की बात है, तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च के महीने में अभी तक जनरल लिमिट के तहत बॉन्ड में 7,355 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 325 करोड़ रुपये की निकासी भी की है। 2024 में आखिरी 2 महीने के दौरान हुई जोरदार बिकवाली के कारण एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर महज 427 करोड़ रुपये का रहा था। 2023 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने के बाद अमेरिकी ट्रेड पॉलिसी को लेकर जो अनिश्चितता का माहौल बना है, उसकी वजह से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की रिस्क कैपेसिटी काफी प्रभावित हुई है। यही कारण है कि ज्यादातर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों को लेकर सतर्क दृष्टिकोण अपना रहे हैं।

इसी वजह से भारतीय बाजार में लगातार बिक्री करके वे अपना पैसा सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीकांत चौहान का यह भी कहना है कि एफपीआई द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निकासी की एक बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी और डॉलर की मजबूती भी है। इसकी वजह से अमेरिकी असेट्स पहले की तुलना में अधिक आकर्षक हो गए हैं, जिसके कारण एफपीआई भारतीय बाजार से अपना पैसा निकाल कर अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं।

चना कांटा, तुअर सस्ती, दालों में मिश्रित रंगत

एजेंसी

इंदौर। संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा तथा तुअर सस्ती बिकी। मूंग में कामकाज बना रहा। दालों के दामों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। चावल में खरीदी बनी बताई गई।चना कांटा 5700 से 5800 रुपये खुलने के बाद शनिवार को 5600 से 5700 रुपये होकर थमा। मूंग 8000 से 8400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7000 रुपये बिकी। शनिवार को? भाव 8000 से 8400 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 6500 से 7400 रुपये खुलकर 6500 से 7100 रुपये बिकी। उड़द 8000 से 8200 पर खुलकर 8000 से 8200 रुपये रही। मसूर 6100 से 6125 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 6000 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी। दालों में भाव मांग सुस्ती से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत उड़द दाल के साथ तुअर दाल सस्ती बिकी। चना दाल मसूर, तुअर दाल में मंदा रहा तो उड़द मोगर महंगी बिकी। रवा, मैदा नरमी पर खुलने के बाद मजबूत बताया गया। गेहूंके आटा में लिवाली रही।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता, ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना के कारण सेफ एसेट के रूप में वैश्विक स्तर पर पिछले सप्ताह के दौरान सोने की मांग में तेजी बनी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहली बार शुक्रवार को सोना 3 हजार डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर को पार कर गया।

घरेलू सर्राफा बाजार में भी पिछले सप्ताह के दौरान सोने के भाव में ओवरऑल तेजी बनी रही। इस एक सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने के भाव में 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने के भाव में 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है।दूसरी ओर, घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये से लेकर 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,200 रुपये से लेकर 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

महिलाओं की नियुक्ति बढ़ाने की योजना लेकिन प्रतिभा की सीमित उपलब्धता बड़ी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्लू कॉलर नौकरियां प्रदान करने वाली देश की अधिकांश कंपनियां चालू वर्ष में महिलाओं की नियुक्तयां बढ़ाने की योजना बना रही है लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रतिभा पूल की उपलब्धता बन रही है। ग्लोबल जॉब मैचिंग और हायरिंग प्लेटफ़ॉर्म, इनडीड के नए सर्वे के मुताबिक, भारत में ब्लू-कॉलर कार्यबल की हर 5 नौकरियों में से महिलाओं के पास केवल एक नौकरी है। नियुक्ति की बढ़ती इच्छा के बाद भी वेतन में असमानता और स्वच्छता की खराब स्थिति जैसी अनेक चुनौतियों के कारण महिलाएं पीछे रह जा रही हैं। इसमें टियर 1 और टियर 2 शहरों में 14 उद्योगों, जैसे ऑटोमोबाइल, बीएफएसआई, ई-कॉमर्स, ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी, एफएमसीजी और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र का अध्ययन किया गया, जिसमें यह वास्तविकता सामने आई। सर्वे में शामिल 73प्रतिशत नियोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने 2024 में ब्लू-कॉलर पदों पर महिलाओं की नियुक्ति की थी, लेकिन फिर भी देश में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सिर्फ 20 प्रतिशत पर स्थिर है। कुछ उद्योगों का प्रदर्शन बेहतर है। जहाँ रिटेल (32प्रतिशत), हेल्थकेयर और फार्मास्यूटिकल्स (32प्रतिशत), कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट (30प्रतिशत), और ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी (28प्रतिशत) में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे ज़्यादा है, वहीं दूरसंचार, बीएफएसआई और आईटी/आईटीईएस में महिलाओं की संख्या 10प्रतिशत से भी कम है। सर्वे के अनुसार, 78प्रतिशत नियोक्ता 2025 में ब्लू-कॉलर पदों पर महिलाओं की नियुक्त बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। महिलाओं की भर्ती के इरादे में 2024 में 73प्रतिशत के मुकाबले 5प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। रिटेल (94प्रतिशत), हेल्थकेयर और फार्मा (93प्रतिशत), और ई-कॉमर्स (93प्रतिशत) जैसे उद्योगों में महिलाओं की मांग सबसे मजबूत है।

सर्वे के मुताबिक ज़्यादातर महिलाएँ मुख्यतः वित्तीय आत्मनिर्भरता (70प्रतिशत) पाने के लिए ब्लू-कॉलर नौकरियाँ तलाशती हैं, लेकिन कार्यस्थल पर उन्हें कड़वी वास्तविकता का सामना करना पड़ता है। सर्वे में महिलाओं के पीछे रह जाने के तीन मुख्य कारणों को पहचाना गया है। सर्वे में शामिल आधी से अधिक महिलाओं के लिए शिफ्ट का लचीला ना होना एक बड़ी बाधा है। ब्लू-कॉलर जॉब की प्रकृति के कारण शिफ्ट की दिनचर्या अक्सर सख्त होती है, इसलिए महिलाओं के लिए काम और व्यक्तिगत ज़िम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है। 42प्रतिशत महिलाओं का मानना है कि उन्हें अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में कम वेतन मिलता है और पदोन्नति के अवसर भी कम मिलते हैं। ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और ट्रैवल एवं हॉस्पिटैलिटी जैसे उद्योगों में आधी से अधिक महिलाओं को लगता है कि उनका वेतन उनके काम के अनुरूप नहीं है। सर्वे में शामिल हर दूसरी महिला अपना कौशल बढ़ाना चाहती है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षाः उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से गुरुवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार वैश्विक दबाव की वजह से साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस सप्ताह के दौरान इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और रिटेल इन्फ्लेशन के आंकड़ों की मजबूती के कारण बाजार को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के कारण घरेलू शेयर बाजार में ओवरऑल कमजोरी आ गई। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 503.67 अंक यानी 0.67 प्रतिशत गिर कर 73,898.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 155.30 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,397.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार

का अंत किया। सोमवार से गुरुवार के बीच हुए कारोबार के दौरान बीएसई के लार्जकैप इंडेक्स में 0.80 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनी में से जोमैटो, विप्रो, इन्फो एज इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, मैक्रोटेक डेवलपर्स, एलटी माइंडट्री और इंफोसिस के शेयर बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। दूसरी ओर सन फार्मास्यूटिकल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एवेन्यू सुपरमार्ट्स, अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में तेजी का रुख बना रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में रिलैक्सो फुटवियर्स, एलटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, द रैम्को सीमेंट्स, केपीआईटी टेक्नोलॉजीज, एस्ट्रल और इंडियन बैंक शामिल हैं। दूसरी ओर, ट्यूब इन्वेस्टमेंट ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, टाटा कम्युनिकेशंस और सोलर इंडस्ट्रीज (इंडिया) के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का स्मॉल कैप इंडेक्स सबसे अधिक 5 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल केआर रेल इंजीनियरिंग, कॉफी डे एंटरप्राइजेज, ऑर्किड फार्मा, वेरंडा लर्निंग सॉल्यूशंस, जय कॉर्प, जेनसोल इंजीनियरिंग, ईकेआई एनर्जी सर्विसेज, त्रिवेणी टरबाइन, मैक्स एस्टेट्स, सुयोग टेलीमैटिक्स, बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, सेनको गोल्ड और साधना नाइट्रोकेम के शेयरों में 15 से 42 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

फरवरी में थोक महंगाई 0.06 प्रतिशत बढ़कर 2.38 प्रतिशत पर

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों की कीमतों में इजाफा होने से इस वर्ष फरवरी में देश की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई इसके पिछले महीने जनवरी के 2.31 प्रतिशत के मुकाबले 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 2.38 प्रतिशत पर पहुंच गई।वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, फरवरी 2025 में वार्षिक थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 2.38 प्रतिशत (अनंतिम) दर्ज की गई है, जो फरवरी 2024 की तुलना में अधिक है। इस वृद्धि का प्रमुख कारण खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों की कीमतों में हुआ इजाफा रहा है। डब्ल्यूपीआई थोक बाजार में वस्तुओं की कीमतों में बदलाव को दर्शाता है और इसे मुख्य रूप से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) डिफ्लेटर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसमें केवल मूल कीमतें शामिल होती हैं जबकि कर, व्यापार छूट, परिवहन और अन्य शुल्क को शामिल नहीं किया जाता। वहीं, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर आधारित होती है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संतोषजनक स्तर से नीचे बनी रही खुदरा महंगाई फरवरी 2025 में घटकर 3.61 प्रतिशत रह गई, जो सात महीनों का न्यूनतम स्तर है।

इस सप्ताह 4 नए आईपीओ की होगी लॉन्चिंग, 2 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव की वजह से स्टॉक मार्केट में आई गिरावट का प्रत्यक्ष असर अब प्राइमरी मार्केट में भी नजर आने लगा है। सोमवार से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान कुल चार नए पब्लिक इश्यू लांच होने वाले हैं, इनमें तीन इश्यू एसएमई सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार शुरू करने वाली कंपनियों की बात की जाए, तो सिर्फ दो कंपनियों के शेयर इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 17 मार्च को पारादीप परिवहन लिमिटेड का 44.86 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 19 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 93 से 98 रुपये

प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग होने के बाद 20 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसी दिन डिवाइन हीरा ज्वेलर्स का 31.84 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 19 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत शेयर की प्राइस 90 रुपये तय की गई है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 20 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 मार्च को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसी तरह आरिस इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 25 मार्च को होगी, जबकि 26 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट कर दिया जाएगा। कंपनी के शेयर 28 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ के लिए अभी प्राइस बैंड की घोषणा नहीं की गई है। 20 मार्च को ही ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स का 74.46 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 107 से 113 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है।

सरकारी दफ्तरों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल सुरक्षा के लिए बढ़ता खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी के विकास ने संचार व्यवस्था में क्रांति ला दी है लेकिन इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, जासूसी और डेटा लीक जैसे गंभीर जोखिम भी बढ़ गए हैं, खासतौर पर सरकारी दफ्तरों में मोबाइल फोन के बढ़ते इस्तेमाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।सरकारी कार्यालयों में मोबाइल फोन के अनधिकृत उपयोग से जासूसी, संवेदनशील डेटा लीक और साइबर हमलों का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने एक व्यक्ति को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह हनी ट्रैप में फंसकर संवेदनशील सैन्य जानकारी पाकिस्तान में अपने हैंडलर्स को भेज रहा था। विशेषज्ञों का मानना है कि पहले सरकारी दफ्तरों में वायर्ड टेलीफोन का उपयोग किया जाता था, जिससे डेटा लीक और जासूसी के जोखिम बेहद कम थे। लेकिन, स्मार्टफोन और वायरलेस तकनीक के आने से संवेदनशील जानकारियों के लीक होने का खतरा बढ़ गया है। उन्नत स्पाइवेयर और रिमोट एक्सेस टूल्स किसी भी स्मार्टफोन को जासूसी उपकरण में बदल सकते हैं। सरकारी बैठकों में अनजाने में मोबाइल फोन को साथ रखना भी एक बड़ा जोखिम हो सकता है। स्पाइवेयर तकनीक से माइक्रोफोन को दूर से सक्रिय कर संवेदनशील चर्चाओं को रिकॉर्ड किया जा सकता है। इससे राष्ट्रीय रक्षा, कूटनीतिक वार्ताएं और सार्वजनिक सुरक्षा तक प्रभावित हो सकती हैं। भले ही सरकार ने कुछ खास जगहों पर मोबाइल उपकरणों के इस्तेमाल को प्रतिबंधित कर दिया हो लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि संवेदनशील जानकारी के किसी भी लीक से बचने के लिए मोबाइल फोन या उपकरणों के इस्तेमाल पर एक व्यापक नीति तैयार की जानी चाहिए। सरकारी दफ्तरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई देशों में मोबाइल फोन के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। भारत में भी उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में मोबाइल उपकरणों के उपयोग पर कड़े नियम लागू करने की मांग बढ़ रही है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने सरकारी बैठकों को सुरक्षित बनाने के लिए कई उपाय अपनाने के सुझाव दिए हैं। इनमें केवल अधिकृत और एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों का उपयोग किया जाना, उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में सिग्नल जैमिंग और ध्वनिरोधी दीवारों का उपयोग, कार्यालयों में छुपे हुए ।

मूंगफली तेल, पाम तेल में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव मजबूती लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड रुपए किलोग्राम महंगा बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली बताई गई। मूंगफली तेल

1390 से 1400 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1410 से 1420 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1280 से 1285 रुपये पर खुलकर 1280 से 1285 रुपये बिका। पाम तेल 1415 से 1420 रुपये खुलकर 1420 से 1425 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव लगभग बने रहे। सरसों, सोयाबीन में रिफाइनरी वालों की खरीदी सीमित रही। पशु आहार कपास्या खली ?में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई। शुरूआत 1950 रुपये प्रति 60 किलोग्राम से हुई जो सप्ताहांत 2025 रुपये बिकी।

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों का मार्केट कैप 93 हजार करोड़ गिरा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से गुरुवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 5 के मार्केट कैप में 93 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान आईटी सेक्टर की कंपनी इंफोसिस और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 49,833.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में कुल 93,357.52 करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान इंफोसिस का मार्केट कैप 44,226.62 करोड़ रुपये घट कर 6,55,820.48 करोड़ रुपये हो गया।

इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 35,800.98 करोड़ रुपये कम होकर 12,70,798.97 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 6,567.11 करोड़ रुपये घट कर 5,11,235.81 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 4,462.31 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,489.22 करोड़ रुपये के स्तर पर और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 2,300.50 करोड़ रुपये फिसल कर 16,88,028.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 25,459.16 करोड़ रुपये बढ़ कर 8,83,202.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 12,591.60 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,05,169.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईटीसी का मार्केट कैप 10,073.34 करोड़ रुपये उछल कर 5,15,366.68 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 911.22 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,21,892.47 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारती एयरटेल का मार्केट कैप 798.30 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,31,068.27 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,88,028.20 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 13,05,169.99 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,70,798.97 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,31,068.27 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,83,202.19 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,55,820.48 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,49,489.22 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,21,892.47 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,15,366.68 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,11,235.81 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

स्किन से लेकर हेल्थ तक इन पांच तरह से फायदा पहुंचाता है कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल यानी अरंडी का तेल जो कई पोषक तत्वों से भरपू होता है और इसका इस्तेमाल स्किन पर करने से लेकर हेल्थ प्रॉब्लम्स में राहत पाने के लिए भी किया जा सकता है. चलिए जान लेते हैं इसके अलग-अलग फायदे

भारत में कैस्टर बीन के पेड़ ऐसे ही झाड़ियों की तरह उगे हुए आसानी मिल जाते हैं. अक्सर इसके पत्तों गुम चोट आदि के दर्द और सूजन से राहत पाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है तो वहीं बीजों का तेल बनता है और इससे अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है. अरंडी का तेल कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है और काफी प्रभावशाली भी है. इस तेल का इस्तेमाल काफी पुराने समय से त्वचा के अलावा सेहत संबंधित समस्याओं के लिए भी किया जाता रहा है. अरंडी के तेल का इस्तेमाल कई प्रोडक्टस में भी किया जाता है और आयुर्वेद में इसे कई गुणों से भरपूर बताया गया है.

अरंडी के तेल में नेचुरल लैक्सेटिव होता है साथ ही इसमें कई और एंटीऑक्सीडेट्स भी होते हैं. हालांकि इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह से ही करना चाहिए, क्योंकि कुछ ऐसी मेडिकल कंडीशन होती हैं जब अरंडी के तेल का सेवन करने से बचने की जरूरत होती है. चलिए जान लेते हैं इसके पांच फायदे.

जोड़ों के दर्द से राहत

कैस्टर ऑयल जोड़ों के दर्द और सूजन से राहत दिलाने में भी कारगर होता है. इसे गुनगुना करके लगाना चाहिए. ये तेल एंटीइंफ्लामेटेरी गुणों से भरपूर होता है, इसलिए इसकी मसाज करने से मसल्स की सूजन को कम करने में भी मदद मिलती है और आराम महसूस होता है.

त्वचा के लिए फायदेमंद

कैस्टर ऑयल त्वचा के लिए भी काफी फायदे करता है. ये त्वचा को नमी और पोषण देता है. जिससे आपकी त्वचा मुलायम बनती है और चेहरा यंग दिखाई देता है. इसे आप सीधे त्वचा पर अप्लाई कर सकते हैं या फिर किसी मॉश्चराइजिंग गुणों वाले ऑयल के साथ मिलाकर लगा सकते हैं.

बाल बनाए लंबे-घने

कैस्टर ऑयल की स्कैल्प पर मसाज करने के बाद कम से कम दो घंटे बाद शैंपू करना चाहिए. इसे नियमित रूप से लगाएंगे तो बाल झड़ना भी कम होते हैं और ग्रोथ भी बेहतर होती है.

कब्ज के लिए अरंडी का तेल

जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या बनी रहती है. उनके लिए भी कैस्टर ऑयल काफी फायदेमंद रहता है. इसे रात को सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ लेना चाहिए. हालांकि मात्रा बेहद सीमित लें, नहीं तो समस्या भी हो सकती है.

ये भी होते हैं फायदे

कैस्टर ऑयल इम्यूनिटी बूस्ट करता है, आंखों के लिए फायदा होता है और ये बालों की डैंड्रफ को भी कम करता है और चमक भी बढ़ाता है. इसके अलावा कैस्टर ऑयल पिग्मेंटेशन, डार्क स्पॉट्स को कम करने, फाइन लाइंस और रिंकल्स को रोकने में भी हेल्प फुल रहता है.

हर पर्व पर रक्त आकांक्षा

होली के दिन रंग और उल्लास के बीच मेरा मन डोल रहा था। पिछला पखवाड़ा अपशकुनी संदेशों से बजबजाता बीता था। दो राज्यों में तो देश के दो सबसे बड़े समुदाय भिड़ भी चुके थे। होली परंपरागत तौर पर प्रेम और भाईचारे का त्योहार है। यह त्योहार हम हिन्दुस्तानियों की बीती ताहि बिसारकर आगे की राह पकड़ लेने की रीति-नीति का जीवंत उदाहरण भी है।

क्या अब यह एहसास स्वर्णिम अतीत का हिस्सा बनने जा रहा है?इस सवाल के जवाब के लिए मैं आपको पत्रकारिता के अपने शुरुआती दिनों में गोते लगाने के लिए आमंत्रित करता हूं। 1980 की दहाई के शुरुआती बरसों की मुझे वाराणसी और इलाहाबाद (माफ कीजिएगा, प्रयागराज) की वे बैठकें याद हैं, जो हर खास त्योहार से पहले कोतवाली में आयोजित की जाती थीं। इनको अमन कमेटी की बैठक कहा जाता था। जिले के आला अफसरों के साथ तमाम पुजारी, संत, मठाधीश, मौलवी, मुफ्ती, मौलाना और अन्य 'संभ्रांत' लोग इनमें हिस्सा लेते। घंटों की बातचीत के बाद हर साल यही निष्कर्ष निकलता कि सभी समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाएंगे। इस दौरान आला अधिकारी चाशनी पगे शब्दों में धमकी देना न भूलते कि कानून हाथ में लेने की जरा सी कोशिश भी महंगी पड़ेगी।

होली पुलिस वालों के लिए अन्य त्योहारों के मुकाबले अधिक कठिनाई लेकर आती। इस वर्ष की भांति पहले भी जब होली जुमे के दिन होती, तो उनकी जान सांसत में पड़ जाती। उस वक्त दोनों समुदायों की संवेदनाओं को आसानी से भड़काया जा सकता था। उत्तर भारत के कुछ शहर ऐसे थे, जहां त्योहारों के आस-पास प्रायः हर साल दंगे भड़क उठते। दंगों के दौरान दोनों धर्मों के कुछ कट्टरपंथी अपने संगी-साथियों पर दबाव बनाते कि भविष्य में 'उन लोगों' से कोई कार्य-व्यापार नहीं रखना है। यह कटुता कुछ दिनों में हवा में कपूर की भांति विलीन हो जाती। लड़खड़ाने और हर लड़खड़ाहट के बाद सम्हलकर आगे चल पड़ने में हम भारतीयों को महारत हासिल है।

क्या इस इस्पाती एकता को तोड़ने की कोशिश हो रही है?'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी ऐंड सेक्यूलरिज्म' (सीएसएसएस) के मुताबिक, साल 2024 में सांप्रदायिक दंगे की 59 घटनाएं घटीं, जबकि 2023 में ऐसी दुखद घटनाओं की संख्या 32 थी। महज एक साल में 84 फीसदी का इजाफा! चौंकाने वाला यह मनहूस आंकड़ा डराता भी है। इन घटनाओं में 13 लागों को जान गंवानी पड़ी और सैकड़ों घायल हो गए। इनमें से ज्यादातर दंगे धार्मिक उत्सवों के समय हुए।संगठन की रिपोर्ट आगे बताती है, इनमें से चार सांप्रदायिक झड़पें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय, सात सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के वक्त, चार गणेश उत्सव के दौरान और दो बकरीद के समय हुए। इसी संगठन ने पिछले साल भीड़ हिंसा की 13 घटनाओं में 11 लोगों की मौत के आंकड़े प्रकाशित किए थे, जिनमें मुस्लिम, हिंदू और ईसाई, हर धर्म के लोग शिकार बने थे। क्या आपको अब भी नहीं लगता कि यह समय साझा सकारात्मक सोच विकसित करने का है?ऐसा कहने की एक और वजह भी है। इस दौरान एक खतरनाक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। धार्मिक शोभा-यात्राएं अब शक्ति-प्रदर्शन का जरिया बन चली हैं। समूची दुनिया में जब सांप्रदायिक उन्माद पनप चला हो, तब भारत पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मिसाल बन सकता था, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। होली, दिवाली, ईद या बकरीद से बात काफी आगे बढ़ गई है। पिछले दिनों इजरायल पर आतंकी हमले के बाद उसकी जवाबी कार्रवाई पर हमारे देश में भी कटु कुतर्कों से भरपूर बहस चल पड़ी थी। महीनों तक 'इनके' या 'उनके' खिलाफ अनर्गल प्रलाप माहौल में जहर घोलता रहा। लंबे समय से षड्यंत्रपूर्वक रोपी जा रही इस नफरती फसल का असर बहुत से भारतीयों की मानसिकता पर पड़ा है।

पिछले दिनों एक पुलिस अफसर का बयान वायरल हुआ। वह कह रहे थे कि होली साल में सिर्फ एक बार आती है, जबकि जुमे 52 दिन। जिसे रंगों से तकलीफ है, वह उस दिन अपने घर से न निकले। हो सकता है, उनके बयान को तोड़ा-मरोड़ा गया हो। यह भी संभव है कि अर्थ का अनर्थ करने की कोशिश की गई हो, पर इसमें कोई दोराय नहीं कि पुलिस का काम है, वह रंगों की बारिश के बीच भी रोजे, जुमे की नमाज और अन्य धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों को सुचारू रखे। इस उधेड़-बुन से उबरा नहीं था कि एक और सोशल मीडिया पोस्ट ने मुझे चौंकने को मजबूर कर दिया। वह सड़क किनारे खड़े एक कियोस्क का फोटो था, जिसमें अपील दर्ज थी- ईद पर उन्हीं लोगों से सामान खरीदें, जिनके घर उस पैसे से ईद मनाई जा सके। इशारा साफ है। क्या इसे दर्ज कराने वाला नहीं जानता कि यह हमारे संविधान के अनुकूल नहीं है? कियोस्क लगाने के लिए सरकारी विभागों से बाकायदा अनुमति ली जाती है। क्या इसके लिए इजाजत ली गई थी? यदि हां, तो इसकी स्वीकृति किस अधिकारी ने दी? क्या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई?

ध्यान रहे, सामाजिक समरसता हमारी रगों में बहती है। अब से 75 वर्ष पूर्व 12 मार्च, 1950 को दैनिक हिन्दुस्तान में छपे इस अग्रलेख पर एक नजर डालने का कष्ट करें- 'हमारे हर्ष और उल्लास का सबसे बड़ा त्योहार होलिकोत्सव इस वर्ष ऐसे दिनों में आया, जब पूर्वी बंगाल के अभागे अल्पसंख्यकों के साथ किए गए जघन्य अत्याचारों की रक्तरंजित गाथाएं भारत के कोने-कोने में अपनी पूर्ण कर्कशता के साथ गूंज रही थीं। ऐसे विषाक्त वातावरण में होली का निर्विघ्न व्यतीत हो जाना एक ऐसी घटना है, जिसके लिए भारत की जनता और उसके कर्णधार सराहना के अधिकारी हैं। संतोष का विषय है कि पाकिस्तान की ओर से निरंतर उत्तेजित किए जाने पर हमारे देशवासी आज अद्वितीय सहनशीलता से काम ले रहे हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण होली जैसे हुड़दंग वाले त्योहार पर कहीं भी कोई बड़ी दुर्घटना का न होना है।'

स्पष्ट है, विभाजन की भीषण दाहकता में दहकने के बावजूद हम भटके नहीं थे। फिलवक्त ऐसी विचारधारा को फिर से बल देने की जरूरत है।

यहां एक और तथ्य काबिले-गौर है। विश्व के प्रमुख इस्लामी देशों के साथ दिनोंदिन हमारे रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, वहां हिंदू मंदिरों की इजाजत मिल रही है, पिछले वर्ष फरवरी में अबू धाबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां के पहले मंदिर का उद्घाटन किया था। शायद आपको याद हो, एक बार नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में वह भाषण दे रहे थे। इसी बीच किसी मस्जिद से अजान की आवाज आने लगी। उसके सम्मान में मोदी ने भाषण रोक दिया और तब तक शांत खड़े रहे, जब तक अजान पूरी नहीं हो गई। इससे पूर्व तथाकथित गौरक्षकों को भी उन्होंने सार्वजनिक चेतावनी दी थी। इसके बाद सख्ती बढ़ी और 'मॉब लिंचिंग' पर अंकुश भी लगा।

इसके बावजूद देश के भीतर सांस्कृतिक विलगाव बढ़ाने की कोशिश हो रही है। हमें इस कुप्रवृत्ति से मिलकर वैसे ही निपटना होगा, जैसे विभाजन के बाद निपटे थे।

संपादकीय

प्रदूषण का पोषण

यह खबर शर्मनाक है कि दुनिया के सबसे प्रदूषित बीस शहरों में तेरह शहर भारत के हैं। ऐसी खबरों से दुनिया में कैसी छवि बनेगी, कहने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन ऐसी खबरें विदेशी निवेश व विदेशी पर्यटकों की सोच को जरूर नकारात्मक बना सकती हैं। उल्लेखनीय है कि स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 बताती है कि दिल्ली वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। गंभीर चिंता इस बात की है कि भारत दुनिया का पांचवां सबसे ज्यादा प्रदूषित देश बना है। उल्लेखनीय बात यह है कि वर्ष 2023 में भारत तीसरे स्थान पर था। लेकिन इस रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि देश का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर दिल्ली नहीं बल्कि मेघालय का बर्नीहाट लिस्ट में टॉप पर है। हालांकि, कहना मुश्किल है कि बर्नीहाट की यह स्थिति किसी परिस्थिति के कारण कुछ समय के लिये थी या स्थायी रूप से बनी हुई है। निश्चय ही हमारी राजधानी का दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित होना और देश के तेरह शहरों का शीर्ष बीस प्रदूषित में शुमार होना परेशान करने वाला है। जब किसी शहर के

उच्च प्रदूषित होने की बात करते तो यह नीति-नियंताओं की नाकामी और जनमानस की लापरवाही व उदासीनता को ही दर्शाता है। आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में भारत में पीएम 2.5 सांद्रता में सात फीसदी की गिरावट देखी। जो वर्ष 2023 में 54.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी और फिलहाल 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। बहरहाल, वायु प्रदूषण की ये स्थितियां स्वास्थ्य के लिये गंभीर जोखिम की वजह बनी हुई हैं। एक अनुमान के अनुसार वायु प्रदूषण से औसतन व्यक्ति का जीवन 5.2 साल कम हो रहा है, जो स्थिति की गंभीरता का ही परिचायक है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष प्रकाशित लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ अध्ययन के अनुसार प्रदूषण की वजह से वर्ष 2009 से 2019 के बीच हर साल पंद्रह लाख मौतें हुई हैं।

देशव्यापी प्रदूषण में पीएम 2.5 की घातकता को लेकर कई अध्ययन सामने आए हैं। दरअसल, 2.5 माइक्रोन से छोटे वायु प्रदूषण कण हमारे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में सेंध लगाते हैं, जिससे श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते सांस लेने में दिक्कत होती है। साथ ही हृदय रोग और कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है। इन प्रदूषण कारक कणों के फैलने के कई कारण हमारी जीवनशैली में बदलाव से भी जुड़े हैं। मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का न होना भी एक कारण है। वहीं वाहनों के धुएं, औद्योगिक एमिशन का निस्तारण न होने, जीवश्म ईंधन के अधिक प्रयोग, फसल के अवशेष व लकड़ी जलाने से भी इसमें वृद्धि होती है। देश की राजधानी दिल्ली में तो गाहे-बगाहे स्थिति बेहद चिंताजनक होती है। यहां तक कि प्रदूषण का हाई लेवल यानी पीएम 2.5 का सालाना औसत 91.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा है।

इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के तमाम मानक ऐसे हैं जिनकी कसौटी पर हम खरे नहीं उतरते। हालांकि, प्रदूषण फैलाने में कई प्राकृतिक कारण भी हैं, जिसमें धुंध और अलनीनो प्रभाव भी शामिल हैं। लेकिन यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि देश के कई शहरों में पीएम 2.5 कणों का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानकों से दस गुना ज्यादा है। जो सीधे-सीधे आम आदमी के स्वास्थ्य के लिये खतरे की घंटी हैं।

लेकिन इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद हमारे शासक-प्रशासकों और जनता में इस गंभीर संकट के प्रति कोई गंभीर चिंता नजर नहीं आती। हर चुनाव में तमाम लोकलुभावन मुद्दे तो हवा में तैरते रहते हैं लेकिन मुफ्त की रेवाड़ियों की आस लगाने वाले लोग अपनी जिंदगी के लिये स्वच्छ हवा की मांग कभी नहीं करते। एक दृष्टि से देखा जाए तो प्रदूषण का यह गंभीर स्तर हमारे तंत्र की नाकामी ही दर्शाता है। यदि देश में मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था होती तो शायद सड़कों पर कारों का सैलाब न होता। कोरोना संकट ने हमें सबक दिया था कि हमारी गतिशीलता कितना प्रदूषण फैलाती है।

नाकामी की पोल खोलता नदियों का प्रदूषण, राजनीति इच्छाशक्ति बढ़ाना होगा

सभी दल नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात करते हैं लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं।

संजय गुप्त। जलशक्ति मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई यह जानकारी निराश करने वाली है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने का काम सही तरह नहीं हो पा रहा है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि एक लंबे समय से कहा जा रहा है कि नदियों में सीवरों का गैर शोधित पानी नहीं गिरने दिया जाएगा।

बीते दिनों संसद में दी गई जानकारी से यह पता चल रहा है कि सीवेज सिस्टम की खामी से नदियों को प्रदूषण मुक्त करने में बाधा आ रही है। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही जब गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का अभियान नए सिरे से शुरू किया और इसके लिए एक नई व्यवस्था बनाई, तब यह उम्मीद बंधी थी कि इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने के साथ अन्य नदियों को प्रदूषित होने से रोकने में सफलता मिलेगी, लेकिन स्थिति यह है कि अभी गंगा को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है।नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए, यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है, लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अभी भी नदियों का प्रदूषण जारी है। इसका कारण यह है कि जहां सीवेज शोधन संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, वहीं अनेक शहरों के गंदे नाले अभी तक इन संयंत्रों से नहीं जोड़े जा सके हैं।दुनिया के अन्य देशों की तरह अपने देश में भी तमाम शहर नदियों किनारे बसे हुए हैं। समय के साथ नदियों के तट पर आबादी का घनत्व भी बढ़ रहा है। इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास सीवेज सिस्टम नहीं है, क्योंकि वह अनधिकृत कॉलोनियों में अधिक रहती है। इसके अलावा शहरों का जो सीवेज सिस्टम है, वह पुराना पड़ चुका है। समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सीवेज सिस्टम पर्याप्त क्षमता के नहीं हैं। वे सीवरों का पूरा गंदा पानी शोधित नहीं कर पाते।

इसके चलते सीवरों का गैर शोधित पानी सीधे नदियों में जाता है। यह स्थिति महानगरों में भी है। पिछले दिनों दिल्ली में सत्ता बदलने के बाद से यमुना की सफाई पर खूब चर्चा हो रही है। चुनाव में यमुना का प्रदूषण एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार भी यमुना को साफ करने की बात करती थी, लेकिन वह नाकाम रही। इसका एक कारण राज्य और केंद्र सरकार का झगड़ा भी रहा। इस झगड़े की वजह से यमुना की सफाई प्राथमिकता नहीं बन सकी।शायद ही कोई दल हो, जो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात न करता हो, लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। नदियों के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण नगर नियोजन से संबंधित नौकरशाही का नकारापन भी है। नौकरशाही ने नदियों किनारे होने वाली अनियोजित बसाहट को रोकने में उदासीनता का ही परिचय दिया है। उन्होंने इसे लेकर सरकारों को आगाह भी नहीं किया।नदियों के प्रदूषण में नौकरशाही की भूमिका पर कभी कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अच्छा हो कि सरकार इस पर कोई श्वेतपत्र लाए कि नदियां क्यों प्रदूषित हैं? श्वेतपत्र में इसका भी उल्लेख किया जाए कि जब नदियों किनारे बसाहट हो रही था, तब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बढ़ती आबादी के लिए उपयुक्त सीवेज सिस्टम का निर्माण क्यों नहीं करा रहे थे?यदि यह मान लिया जाए कि पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आखिर इसका क्या मतलब कि अब भी ध्यान न दिया जाए। एक ऐसे समय जब केंद्र के साथ राज्य सरकारों की ओर से नदियों को साफ करने के दावे किए जा रहे हैं, तब सीवेज सिस्टम में सुधार न हो पाना, गंदे नालों का सीवेज शोधन संयंत्रों से न जुड़ पाना और इन संयंत्रों का पूरी क्षमता से काम न कर पाना चकित करता है।अरबों रुपये सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च किए जा चुके हैं, पर यही तथ्य बार-बार सामने आता है कि यह व्यवस्था अपर्याप्त और असंतोषजनक है। सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बनाए गए कई सीवेज शोधन संयंत्र एक-दो साल चलने के बाद ही बंद हो जाते हैं।आज उन अनेक शहरों की सीवेज व्यवस्था सही तरह काम कर रही है, जिनका निर्माण अंग्रेजों ने कराया था, लेकिन हमारे इंजीनियर हर किस्म के आधारभूत ढांचे का निर्माण इस तरह करते हैं कि वह दो-चार साल में ही कमजोर पड़ जाता है या अपर्याप्त साबित हो जाता है।

नदियों में प्रदूषण केवल सीवेज सिस्टम की खराबी से ही नहीं होता, बल्कि उद्योगों के अपशिष्ट जल से भी होता है। गंभीर बात यह है कि तमाम उद्योग अपने विषाक्त जल को शोधित करने के बजाय उसे रिवर्स बोरिंग कर जमीन में समाहित कर देते हैं। यह अपराध है, लेकिन उस पर रोक इसलिए नहीं लग रही है, क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारी ऐसे उद्योगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करते।इसका नतीजा यह है कि उद्योग जानबूझकर भूजल को दूषित कर रहे हैं। यह दूषित जल भूगर्भ जल को विषैला करता है और अनेक बीमारियों का कारण बनता है। पंजाब में कैंसर के मामले बढ़ने के पीछे भूमिगत जल के प्रदूषण को ही माना जा रहा है। नदियों को प्रदूषण मुक्त करने वाली व्यवस्था तब सुधरेगी, जब शासन-प्रशासन के साथ आम जनमानस भी सचेत होगा।सरकारी कर्मचारी और विशेष रूप से इंजीनियरों पर यह दारोमदार होता है कि वे बेहतर इंजीनियरिंग और गुणवत्ता वाले निर्माण कराएं, लेकिन इसमें शिथिलता ही देखने को मिलती है। यह किसी से छिपा भी नहीं, लेकिन इसके बाद भी इंजीनियरों को जवाबदेह बनाने और उन्हें उनके घटिया निर्माण के लिए दंडित करने का काम नहीं हो पा रहा है।पिछले दिनों सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि सड़कों के निर्माण और डिजाइनिंग में खामी इसलिए देखने को मिल रही है, क्योंकि इंजीनियर उनका निर्माण सही तरह नहीं करते। यह हाल एनएचएआइ के इंजीनियरों के साथ अन्य सरकारी विभागों का भी है। आज जब हम संकल्प ले रहे हैं कि 2047 तक देश को विकसित बनाना है, तब यदि बेसिक इंजीनियरिंग में भी दक्षता हासिल नहीं की जा पा रही है तो यह शर्म की बात है।

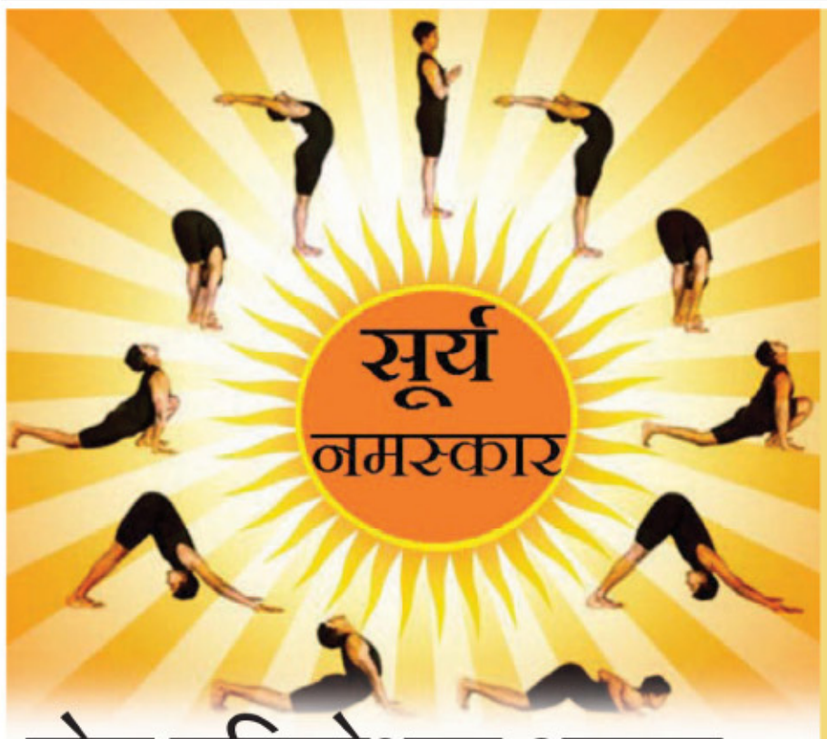

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी है तो सीख लीजिए सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। अभी लॉकडाउन का समय चल रहा है, ऐसे समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं–

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें–

दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।

श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।

तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे–धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं–बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।

इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।

श्वास को धीरे–धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।

श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।

इस स्थिति में धीरे–धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।

यह स्थिति – पांचवीं स्थिति के समान

यह स्थिति – चौथी स्थिति के समान

यह स्थिति– तीसरी स्थिति के समान

यह स्थिति – दूसरी स्थिति के समान

यह स्थिति – पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों–पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का–फुल्का हो जाता है।

सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी–बड़ी सभी नस–नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे –

मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।

दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।

गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।

निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।

मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।

दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।

शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस–पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।

रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात :काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।

ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।

महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी–थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

जब भी हमें छोटी–मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

एंटीबायोटिक – हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।

औषधियां – जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।

नींद – पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।

शुगर – शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।

धूप है जरूरी – त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।

जिंक – जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।

पत्तेदार सब्जियां – पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ–साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ीं बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मैथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही निर्यंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें।

हेल्थ प्लस

मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वतः रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हों

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वतः ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

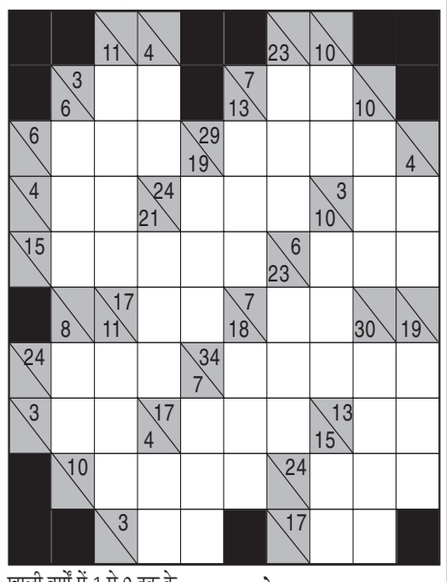

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11/7 → 1 2 3 5; ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2019 का हल

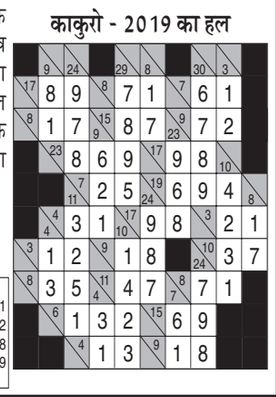

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

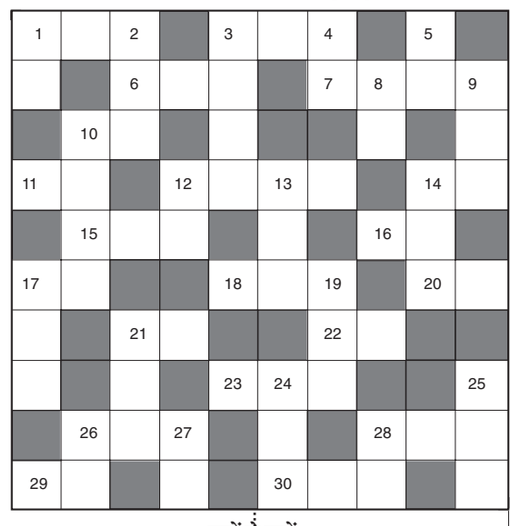

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	रा		जा	न	म
		का	श		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डू		थु			मौ
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2019 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2020

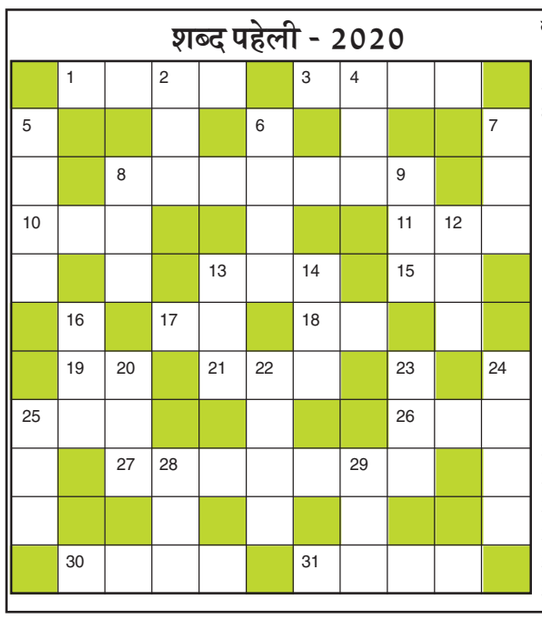

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

जम्मू से दिल्ली की यात्रा हुई आसान, हिंडन से जम्मू की सीधी फ्लाइट 23 मार्च से

एजेंसी

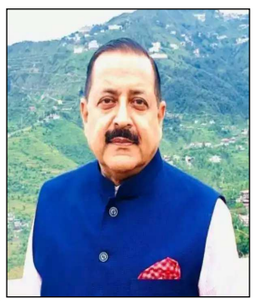

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली से जम्मू जाने वालों के लिए खुशखबरी है। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से अब जम्मू के लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध होगी। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज इसकी घोषणा की है। जम्मू से सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि जम्मू और एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी भागों के बीच अपेक्षाकृत कम किराये में यात्रा करने वालों के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान 23 मार्च से हिंडन हवाई अड्डे और जम्मू के बीच दैनिक (शनिवार को छोड़कर) संचालित होगी। सुबह 11:30 बजे जम्मू फ्लाइट लैंड होगी और 1:00 बजे हिंडन के लिए जम्मू से प्रस्थान करेगी।

अमित शाह ने पूर्वोत्तर में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा की

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों में नए आपराधिक कानूनों- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के क्रियान्वयन की उच्चस्तरीय समीक्षा की। यह बैठक गुवाहाटी में आयोजित की गई, जिसमें पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और शीर्ष नौकरशाह शामिल हुए।बैठक की शुरुआत में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्य पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया में नए कानूनी प्रावधानों के एकीकरण पर चर्चा की रूप-रेखा प्रस्तुत की। राज्य प्रतिनिधियों ने कानूनों के क्रियान्वयन की स्थिति पर अपडेट दिए, जिसमें पुलिस, फॉरेंसिक और न्यायिक ढांचे में हो रहे बदलावों पर चर्चा की गई। इस बैठक में खुफिया ब्यूरो (आईबी) और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) जैसे केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल हुए। खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका और बीपीआरएंडडी के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा भी इस समीक्षा बैठक का हिस्सा रहे।

गृह राज्यमंत्री ने खोह में कराए गए इंटर लॉक निर्माण कार्य का किया लोकार्पण

डीग। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में कराए गए इंटर लॉक निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। बेढ़म ने कहा कि नालियों में इंटरलॉक के निर्माण से पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सकेगा और नाली मजबूत और टिकाऊ रहेंगी। उन्होंने बताया कि आए दिन आम लोगों की शिकायत रहती थी कि नाली का पानी जमा होने के कारण दैनिक दिनचर्या बाधित होती है। छात्रों को विद्यालय जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लोगों का खुली हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया था। परंतु नालियों में इंटरलॉक के निर्माण से अब पानी का बहाव नियंत्रित होगा, जिससे नाली में पानी जमा नहीं होगा और गंदगी नहीं फैलेगी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सपना है कि प्रदेश को स्वच्छ प्रदेश बनाया जाए। ऐसे में यह पहल बेहद महत्वपूर्ण है और स्थानीय लोगों को साफ सुथरा वातावरण प्रदान करने में एक अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि आइए हम सब मिल कर यह संकल्प ले कि अपने-अपने क्षेत्र में पूरी तरह से साफ-सफाई रखेंगे और स्वच्छता कर्मीयों की हर मुमकिन मदद करते हुए अपने जिले को सदैव हरा भरा रखेंगे।

वित्त समेत कई विभागों के मंत्री प्रेमचन्द का कैबिनेट से इस्तीफा

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डा प्रेमचंद अग्रवाल ने पहाड़ी लोगों के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी करने के बाद रविवार शाम अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। डा. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उनके आवास पर पहुंच, अपना त्यागपत्र दिया। इससे पहले संवाददाता सम्मेलन कर, उन्होंने इसकी जानकारी दी थी। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विधानसभा में बजट सत्र के दौरान पहाड़ी लोगों के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी देने के बाद से लगातार डा. अग्रवाल का विरोध हो रहा था। तमाम संगठन और विपक्षी दल उनसे इस्तीफे की मांग कर रहे थे। डा. अग्रवाल ने संवाददाताओं के मध्य फफकते हुए अपने राज्य आंदोलन में संघर्ष और योगदान को बताया। उन्होंने कहा कि जो सदन में बयान दिया था, उस पर उसी दिन सदन में स्पष्टीकरण भी दे दिया था। उन्होंने कहा,मेरे भाव बिल्कुल गलत नहीं थे। गाली वाला शब्द भी उनके वक्तव्य से पहले का है जो न तो पहाड़ के लिए कहा गया और न ही मैदान के लिए। वह पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं। उनका जन्म उत्तराखंड में हुआ है। कुछ लोगों की ओर से सोशल मीडिया पर ऐसा माहौल बनाया गया। मैं भी आंदोलनकारी रहा हूं, लेकिन आज ये साबित करना पड़ रहा है कि हमने भी प्रदेश के लिए योगदान दिया है। डा. अग्रवाल ने आगे कहा,आज जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, उससे बहुत आहत हूं। इसलिए मुझे इस्तीफा देना पड़ रहा है। राज्य के वित्त, संसदीय, शहरी विकास व आवास मंत्री डा अग्रवाल त्यागपत्र की घोषणा से पहले अपनी पत्नी के साथ, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा में बने उत्तराखंड शहीद स्मारक गए थे।

कांग्रेस ने बोडोलैंड शांति समझौते का उड़ाया था मजाक, आज क्षेत्र में स्थायी शांतिः अमित शाह

एजेंसी

कोकराझाड़ (असम)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बोडो शांति समझौते की मजबूती को रेखांकित करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। शाह ने कहा कि जब 27 जनवरी 2020 को बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (डीटीआर) शांति समझौता हुआ था, तब कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन आज यह समझौता क्षेत्र में स्थायी शांति का आधार बन चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के कोकराझाड़ में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि समझौते के 82 फीसदी प्रावधान पहले ही केंद्र और असम सरकार लागू कर चुके हैं। अगले दो वर्षों में इसे पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा, जिससे बोडोलैंड में स्थायी शांति सुनिश्चित होगी। उन्होंने याद दिलाया कि 1 अप्रैल 2022 को पूरे बीटीआर क्षेत्र से अफस्पा हटा लिया गया था, जिससे

स्थिरता बढ़ी है। बोडोलैंड की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ के मशरूम 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के तहत राष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं और दिल्ली के होटलों में परोसे जा रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री शाह ने आब्सू के योगदान की सराहना करते हुए कहा, अगर आब्सू न होता तो बोडो समझौता संभव नहीं होता और न ही बोडोलैंड में शांति स्थापित हो पाती। उन्होंने पारंपरिक बोडो धर्म बाथौ धर्म को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडोलैंड के युवाओं से 2036 अहमदाबाद ओलंपिक्स में भाग लेने की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बोडो शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज मैं बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जन्मस्थली पर खड़ा हूं और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि दिल्ली में एक प्रमुख सड़क का नाम बोडो आंदोलन के नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म के नाम पर रखी जाएगी। इसके अलावा, अप्रैल के पहले सप्ताह में असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

असम की जेल में बंद सात कट्टरपंथियों को पंजाब वापस लाएगी सरकार, हटेगा रासुका

एजेंसी

चंडीगढ़। देशद्रोह के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तानी कट्टरपंथी अमृतपाल के सात साथियों पर लगा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून हटाया जाएगा। अब इन्हें सामान्य कैदी की तरह पंजाब की जेल में शिफ्ट किया जाएगा। सोमवार से पंजाब सरकार इन कट्टरपंथियों को पंजाब वापस लाने की प्रक्रिया शुरू करेगी। कट्टरपंथी संगठन वारिस पंजाब दे के प्रमुख और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के सात साथियों पर पंजाब सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जारी रखने से इनकार कर दिया है। अमृतपाल सिंह और साथी पप्पलप्रीत सिंह अभी डिब्रूगढ़ जेल में ही रहेंगे, क्योंकि पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में चल रही उनकी एनएसए की अगली सुनवाई 22 मार्च को होनी है, जिसके बाद सरकार आगे फैसला लेगी। पंजाब पुलिस ने बाकी सभी सात को डिब्रूगढ़ जेल से पंजाब लाकर राज्य के थानों में दर्ज सभी मामलों में कार्रवाई करेगी। अमृतपाल सिंह से पहले उसके आठ साथी गिरफ्तार हो गए थे, जिन्हें असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया। अमृतपाल सिंह के अलावा पपलप्रीत सिंह, भगवंत सिंह उर्फ 'प्रधानमंत्री' बाजेके, दलजीत सिंह कलसी, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह, जीत सिंह, हरजीत सिंह, विक्रमजीत सिंह शामिल हैं। इनमें से सात आरोपियों को पंजाब लाया जाएगा।

> कट्टरपंथी संगठन वारिस पंजाब दे के प्रमुख और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के सात साथियों पर पंजाब सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जारी रखने से इनकार कर दिया है।

रंग किसी सम्प्रदाय का नहीं होता, जितने भी रंग हैं ये सभी भारतीय संस्कृति के हैं : आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

मुरादाबाद। रंग किसी सम्प्रदाय का नहीं होता है, जितने भी रंग हैं ये सभी भारतीय संस्कृति के हैं। यह बातें कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल की विवादित जामा मस्जिद की रंगाई पुताई के सवाल पर पत्रकारों से कही। आचार्य प्रमोद कृष्णम मुरादाबाद के एक होटल में पत्रकार वार्ता की।

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल की विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई के दौरान रंग को लेकर उपजे विवाद पर कहा कि और मुझे नहीं लगता है कि इस विवाद के पीछे कोई मजबूत तर्क है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और संजय राउत भारत का फिर से विभाजन करवाना चाहते हैं। जिन्ना के भारत तोड़ने की तरह का ख्वाब अब संजय राउत भी देख रहे हैं। संजय राऊत चाहते हैं एक दूसरा पाकिस्तान बन जाए और राहुल गांधी उसके प्रधानमंत्री बनें। राहुल गांधी

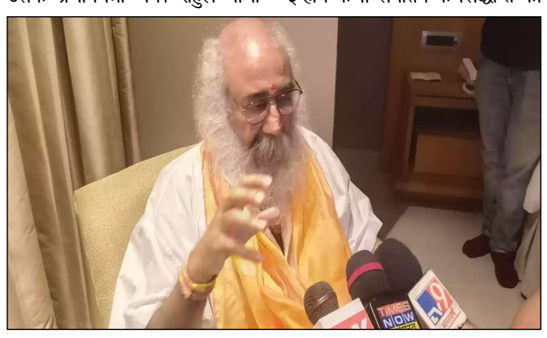

को अब राजनीति से सन्यास ले लेना चाहिए। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहे विवाद पर कहा कि हम मुर्दों से लड़ाई नहीं करते। भारत का शौर्य-पराक्रम और भारत की बहादुरी इतिहास में दर्ज है। छत्रपति शिवाजी महाराज गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप या जितने भी हमारे राष्ट्रीय नायक रहे हैं, इन्होंने कभी सनातन के सिद्धान्त को नहीं तोड़ा और किसी की कब्र को हटाना ये तो तालिबान के काम है। सनातन इसकी अनुमति नहीं देता है। दुश्मन के मर जाने के बाद भी हम उसका सम्मान करते हैं।

पीएम मोदी और सीएम भजनलाल शर्मा ने बजट में कृषि क्षेत्र के लिए की कई घोषणाएं : मदन राठौड़

एजेंसी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के फैसले पर कहा कि कांग्रेस ने सदैव तुष्टीकरण की राजनीति की है। कांग्रेसियों ने समाज को वर्गों में बांटने का काम किया और वोट बैंक के लिए देश का विभाजन करने का काम किया। कांग्रेस की यह नीति सही नहीं। देश में यूनिफार्म सिविल कोड नियम लागू होना चाहिए। सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर कार्य कर रहे है। ऐसे में विपक्ष को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

राठौड़ भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा किसान मोर्चा की ओर से आयोजित सम्मान समारोह एवं प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पूर्व मीडिया को संबोधित कर रहे थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने किसान मोर्चा के सम्मान समारोह में मोर्चा के पदाधिकारियों का धन्यवाद दिया और कहा कि केंद्र व राज्य के बजट में खेत-किसान के लिए की गई

घोषणाएं पूरी होने से प्रदेश का किसान न केवल खुशहाल होगा, बल्कि उसकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

राठौड़ ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती में उसके कार्यकर्ता की भूमिका अहम होती है। भाजपा में हमेशा कार्यकर्ता की समस्या के समाधान को लेकर प्राथमिकता दी जाती है। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने मदन राठौड़ की सादगी व मिलन सारिता की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मप्र के मऊगंज हमले में मृत एएसआई रामचरण को दिया जाएगा बलिदानी का दर्जा : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिला मऊगंज के शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव में हुए हमले में कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले एएसआई (25वीं बटालियन) रामचरण गौतम को बलिदानी का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व. गौतम के आश्रितों को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में कहा कि रामचरण गौतम को बलिदानी का दर्जा देने और उनके परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने के साथ पात्र उत्तराधिकारी को शासकीय सेवा में लिया जाएगा। यह उनके बलिदान के प्रति श्रद्धा, आस्था और राज्य सरकार की परंपरा व कर्तव्य का प्रकटीकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद रामचरण गौतम की कर्तव्य परायणता और उनका बलिदान चिर-स्मरणीय रहेगा।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना में घायलों के इलाज के लिए यथा योग्य व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊगंज में घटित घटना अत्यंत दुखद है। मध्य प्रदेश सरकार संवेदनशील सरकार है। मैंने घटना की जांच के निर्देश दिए हैं, अब स्थिति नियंत्रण में है। इस घटना के किसी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा।

मप्र के बैतूल में ऑयल मिल के टैंक में मिले दो कर्मचारियों के शव, सफाई के दौरान दम घुटने की आशंका

एजेंसी

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिला मुख्यालय स्थित सदर क्षेत्र में बैतूल ऑयल मिल में शनिवार की रात बड़ा हादसा हो गया। मिल के वाटर ट्रीटमेंट टैंक की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। बताया गया कि रात की शिफ्ट में मजदूर टैंक में उतरे थे। कुछ देर बाद दोनों टैंक में बेहोश पड़े मिले। कंपनी के लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बाहर निकाला। तब तक दोनों मजदूरों की मौत हो चुकी थी। यह मिल पूर्व कांग्रेस विधायक निलय डागा और उनके परिवार के स्वामित्व वाली है।

मृतकों की पहचान कैलाश पानकर (53 वर्ष), निवासी कंपनी गार्डन, बैतूल और दयाराम नरवरे (56 वर्ष) निवासी रामनगर गंज, बैतूल के रूप में हुई है। दोनों ही मिल में मशीन ऑपरेटर के तौर पर कार्यरत थे। प्रारंभिक जांच में टैंक में जहरीली गैस जमा होने से दम घुटने की आशंका जताई गई है। मृतकों के परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग की है। वहीं, प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी से सुरक्षा मानकों पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।बैतूल ऑयल मिल के मैनेजर अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि टैंक की सफाई हर दो महीने में एक बार की जाती है। शनिवार रात की शिफ्ट (शाम 4 बजे से रात 12 बजे) के दौरान कैलाश पानकर और दयाराम नरवरे सफाई के लिए टैंक में उतरे थे। जब रात 12 बजे उनकी ड्यूटी समाप्त हुई और दूसरी शिफ्ट के कर्मचारी पहुंचे, तो उन्होंने दोनों को टैंक के अंदर पड़ा पाया। इसकी सूचना तुरंत फैक्टरी प्रबंधन को दी गई, जिसके बाद पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के स्वजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। गुस्साए परिजनों ने 50 लाख रुपये मुआवजे और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर अस्पताल के सामने चक्काजाम कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मिल प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस, प्रशासन और मिल प्रबंधन के अधिकारी लगातार परिजनों से बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल बना है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और अपनी मांगों को पूरा करने की शर्त रखी। एसडीएम राजीव कहार ने बताया कि कंपनी ने लिखकर दिया है कि नियमानुसार मृतकों के जो क्लेम होंगे, वे दिए जाएंगे। एक माह में सभी क्लेम दिए जाएंगे। कंपनी ने मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये दिए हैं। जिस पर परिवार सहमत है। शासन से मिलने वाली सहायता भी उन्हें दी जाएगी। मुआवजे को आश्वासन के बाद परिवार वालों ने चक्काजाम खत्म कर दिया, जिसके बाद मृतकों का पीएम करवाया जा रहा है।

मप्र के सिंगरौली में बड़ा हादसा टला, ट्रैक पर दौड़ती इंटरसिटी एक्सप्रेस दो हिस्सों में बंटी, यात्रियों में मचा हड़कंप

एजेंसी

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां पटरी पर दौड़ती सिंगरौली से जबलपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। बोगी अलग होने के बाद ट्रेन करीब एक किलोमीटर दूर निकल गई। गनीमत रही कि ट्रेन की स्पीड ज्यादा नहीं थी। धीमी गति से चलने के कारण बड़ा रेल हादसा होते होते टल गया। इस घटना के चलते ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। ट्रेन रुकने के बाद लोग गाड़ी से नीचे उतरे। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। फिलहाल, रेलवे की एक टीम हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। ये पूरी घटना ब्यौहारी स्टेशन

से पहले की है। यह हादसा सुबह 7:40 बजे शहडोल जिले के ब्यौहारी रेलवे स्टेशन से 2 किलोमीटर आगे एक रेलवे पुल पर हुआ। सिंगरौली से जबलपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 11651 दो हिस्सों में बंट गई। हादसे के समय ट्रेन के 5-6 डिब्बे इंजन के साथ रहे जबकि थर्ड एसी के बाद के चार डिब्बे पीछे छूट गए। ट्रेन के अलग होते ही चालक दल ने ट्रेन रोक तो दी लेकिन तब तक ट्रेन कुछ आगे निकल चुकी थी। इससे यात्रियों को तेज झटका लगा। शुरुआत में यात्रियों को लगा कि किसी ने चेन पुलिंग की है। इसके बाद ट्रेन के ही स्टाफ और ट्रेन में मौजूद गार्ड ने मिलकर इंजन वाले हिस्से को रिवर्स कर पीछे किया और पीछे छूट गए डिब्बों को आपस में जोड़ा, जिसमें तकरीबन 30 मिनट का वक्त लगा। घटना के तुरंत बाद रेलवे अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची रेलवे टीम ने मरम्मत का काम शुरू किया। आधे घंटे बाद तकरीबन 8:15 पर ट्रेन वापस से रवाना हुई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब इंटरसिटी ट्रेन सिंगरौली से रवाना होकर जबलपुर के लिए जा रही थी। ट्रेन में सवार यात्री प्रिंस साकेत ने बताया कि ब्यौहारी स्टेशन से निकलने के बाद पहले किसी ने ट्रेन की चेन पुलिंग की। इसके बाद ट्रेन फिर से चली और एक मिनट बाद ही यह हादसा हुआ। एक अन्य यात्री अजीत सोनी ने बताया कि उन्होंने ऐसा पहली बार देखा है जब अचानक तेज झटका लगा और ट्रेन रुक गई। राहत की बात यह रही कि ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं इस पूरे मामले पर रेलवे अधिकारियों ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस समय ट्रैक पर यातायात सामान्य हो गया है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

राजस्थान कांग्रेस में जल्द होगा बड़ा संगठनात्मक बदलाव, निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी तय

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस संगठन को धारदार बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक जयपुर के हरीशचंद्र तोतूका भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने की। इसमें राजस्थान प्रभारी एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, AICC महासचिव सचिन पायलट, सह प्रभारी ऋत्विक मकवाना, चिरंजीव राव समेत वरिष्ठ नेता, विधायक, सांसद, जिलाध्यक्ष और एआईसीसी डेलीगेट मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और निष्क्रिय पदाधिकारियों पर सख्ती बरतने का फैसला लिया गया। डोटासरा ने

कहा कि जो पदाधिकारी बिना कारण लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें पदमुक्त कर सक्रिय कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा।

वहीं, प्रदेश में प्रशासनिक तौर पर गठित आठ नए जिलों और अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में नई जिला कांग्रेस इकाइयों के गठन का प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर AICC को अनुमोदन के लिए भेजा गया। बैठक में फैसला लिया गया कि उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा है। डोटासरा ने बताया कि 200 समन्वयकों की नियुक्ति की जा चुकी है, जो ब्लॉक और मंडल स्तरीय बैठकों की निगरानी करेंगे और अनुपस्थित पदाधिकारियों की रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देंगे। साथ ही, एक महीने के भीतर सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जाएंगे। बैठक में राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि संगठन में निष्क्रियता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ÷जो काम नहीं करेगा, उसे पद पर रहने का हक नहीं है। कांग्रेस के सभी बड़े नेता अब ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की बैठकों में हिस्सा लेंगे और मैं खुद भी बिना बताए निरीक्षण करूंगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 3.67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो मामलों में कुल 3.67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश किया है। इस मामले में कस्टम की टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं।कस्टम सूत्रों ने मीडिया को बताया कि उनकी टीम ने एयरपोर्ट पर स्थित एक दुकान के कर्मचारी प्रदीप पवार की शक के आधार पर तलाशी ली गई।

प्रदीप पवार के पैंट की जेब से सोने की पेस्ट मिली। इसके बाद पूछताछ में प्रदीप ने बताया कि यह पेस्ट उसे एक शख्स ने दी थी और मोहम्मद इमरान नागोरी नामक व्यक्ति को यह पेस्ट देने को कहा था। इसके बाद कस्टम ने नागोरी को गिरफ्तार कर किया। इन दोनों ने पूछताछ के दौरान बताया कि एयरपोर्ट पर काम करने वाली महिला कर्मचारी अंशु गुप्ता भी तस्करी में संलिप्त है, इसलिए कस्टम ने अंशु गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया है।

इसी तरह एक अन्य मामले में मुंबई एयरपोर्ट पर कार्यरत एक अन्य कर्मचारी को सोने की पेस्ट के साथ गिरफ्तार किया गया है। उस कर्मचारी ने पूछताछ में बताया कि यह सोने की पेस्ट उसे एक विदेशी यात्री ने दिया था। इन दोनों मामलों में कस्टम ने कुल 3.67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश किया है। दोनों मामलों की गहन छानबीन जारी है।

जीतन राम मांझी ने बिहार के मधुमक्खी पालकों को दी बड़ी सौगात

एजेंसी

गया। बिहार में 'हनी मिशन' को गति देने की दिशा में कार्य करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने राज्य के पांच जिलों के मधुमक्खी पालकों को किट प्रदान किए। खादी एवं ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत बिहार के पांच जिलों के कुल 210 मधुमक्खी पालकों को 2,100 मधुमक्खी बॉक्स, मधुमक्खी परिवार और टूल किट मुहैया कराए गए। केंद्रीय मंत्री बिहार के गया स्थित कैंप कार्यालय से वर्चुअल मोड में आयोजित कार्यक्रम से जुड़े और लाभुकों के बीच टूल किट का वितरण किया। बताया गया कि 'हनी मिशन' के तहत सहरसा जिले में सबसे ज्यादा 110 लाभुकों को टूल किट दिया गया, जबकि बांका में 30, बेगूसराय और खगड़िया जिले में 25-25 और औरंगाबाद में कुल

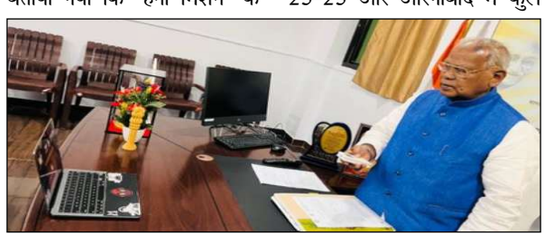

20 लाभुकों को टूल किट दिया गया। जीतन राम मांझी ने कहा कि देश भर में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित योजनाओं के जरिए नए रोजगार का सृजन किया जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्ति के उपरांत वितरित किए जा रहे विभिन्न टूल किटों के माध्यम से बेरोजगार युवक एवं युवतियां स्व-रोजगार स्थापित कर बेरोजगारी दूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में हनी मिशन कैसे क्रांति की शक्ल ले, इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकार निरंतर काम कर रही हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी क्षेत्र के सदस्य मनोज कुमार सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पूर्वी क्षेत्र) और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, पटना के निदेशक डॉ. एम. एच. मेवाती भी केंद्रीय मंत्री के साथ उपस्थित रहे।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

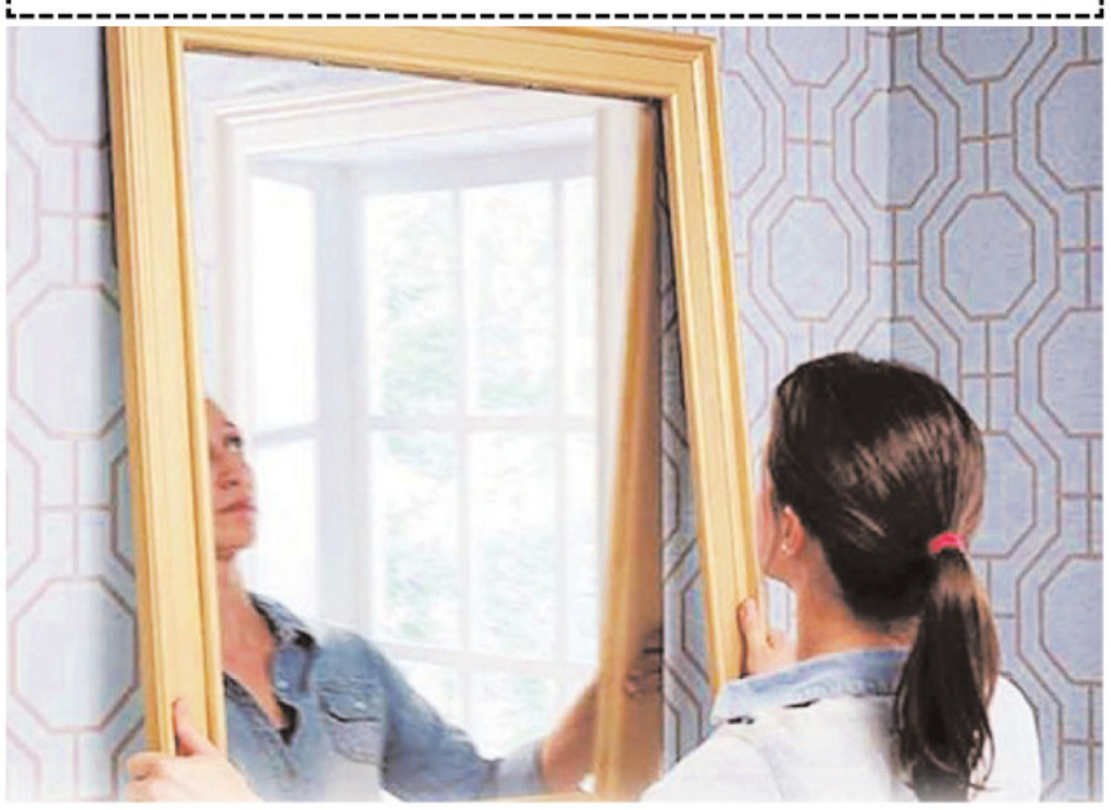

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

अजिंक्य रहाणे को कप्तान बनाकर फंस गई KKR? नहीं बनती प्लेइंग XI में जगह!

कोलकाता. कोलकाता नाइट राइडर्स ने अजिंक्य रहाणे को **IPL** 2025 का कप्तान तो बना दिया. लेकिन, इस फैसले के बाद उनकी हालत ऐसी हो गई है कि ना निगलते बन रहा है और ना उगलते. KKR के सामने ये सिचुएशन प्लेइंग इलेवन के चलते पैदा हुई है. दरअसल, रहाणे को कप्तानी सौंपे जाने के बाद टीम की प्लेइंग इलेवन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं. सवाल ये कि रहाणे खेलेंगे तो कहां? KKR की प्लेइंग इलेवन में रहाणे की पोजिशन को आकाश चोपड़ा ने बड़ी गंभीरता से लिया है. उन्होंने कहा कि बतौर बल्लेबाज, कप्तान, रहाणे को में जगह बनाने को लेकर जूझना पड़ सकता है.

नरेन और डिकॉक से ओपन कराएगा **KKR-** रिपोर्ट

आनंद बाजार पत्रिका की रिपोर्ट के मुताबिक KKR का ओपनिंग स्लॉट लगभग तय है. ऐसी खबर है कि मैनेजमेंट सुनील नरेन और क्विंटन डि कॉक से पारी की शुरुआत कराने के मूड में है. आकाश चोपड़ा का भी ऐसा ही सोचना है. बल्कि, उन्होंने नंबर 3 की बैटिंग पोजिशन को लेकर भी कहा कि वो वेंकटेश अय्यर के लिए आदर्श जगह है. अब ऐसे में सवाल है कि रहाणे फिर खेलेंगे कहां?

कप्तान रहाणे के लिए कहां बनेगी जगह?

चूंकि रहाणे टीम के कप्तान बनाए गए हैं तो टीम में उनकी जगह तो बनानी ही पड़ेगी. तो क्या KKR का मैनेजमेंट अपने ओपनिंग कॉम्बिनेशन में या नंबर 3 की पोजिशन में बदलाव करेगा. आकाश चोपड़ा के मुताबिक च्यक्र के सामने एक विकल्प ये है कि वो सुनील नरेन की जगह रहाणे कोडिकॉक के साथ ओपनिंग पर भेज सकती है. इससे टीम को राइट-लेफ्ट की ओपनिंग जोड़ी मिल सकेगी. वहीं दूसरा विकल्प ये होगा कि वो वेंकटेश अय्यर की जगह नंबर 3 पर रहाणे को खिलाए.

रहाणे के लिए नंबर 4 पर खेलने का विकल्प भी खुला

वैसे पहले दोनों विकल्पों के अलावा भी एक विकल्प है और वो ये कि हो सकता है कि प्लेइंग इलेवन में रहाणे नंबर 4 पर खेलते दिखें. साफ है कि KKR के सामने रहाणे की पोजिशन को लेकर सिरदर्दी खूब है. लेकिन, उस सिरदर्दी को दूर भी उसे ही करना है. ऐसे में देखना दिलचस्प रहेगा कि रहाणे को KKR किस नंबर पर उतारने का फैसला करती है.

KKR की संभावित प्लेइंग **XI**

सुनील नरेन, क्विंटन डि कॉक, वेंकटेश अय्यर, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, स्पेन्सर जॉनसन, एनरिक नॉर्खिया,

क्रिकेट का सबसे बूढ़ा खिलाड़ी, 62 साल की उम्र में किया डेब्यू, बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट में खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस पर काफी काम करना पड़ता है. ऐसे में काफी कम खिलाड़ी ही 40 साल की उम्र के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना जारी रखते हैं. लेकिन कभी-कभी ऐसे खिलाड़ी भी सामने आते हैं जो अपनी उम्र के बावजूद खेल में अपनी जगह बनाते हैं और इतिहास रचते हैं. मैथ्यू ब्राउनली एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपनी उम्र से हर किसी को हैरान कर दिया है. मैथ्यू ब्राउनली ने 62 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा है, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है.

62 साल की उम्र में किया इंटरनेशनल डेब्यू

दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नई टीम की एंट्री हुई है, ये टीम फॉकलैंड आइलैंड है. इस टीम ने कोस्टा रिका के दौरे पर अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेला, जो एक टी20ढ्ढ मैच था. 10 मार्च, 2025 को खेले गए इस मैच ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. फॉकलैंड आइलैंड्स इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली 106वीं टीम है. चौंकाने वाली बात ये रही कि इस टीम ने अपने पहले मुकाबले में जो प्लेइंग 11 मैदान पर उतारी थी उसमें सभी खिलाड़ी 31 साल से ऊपर के थे. वहीं, सबसे उम्रदराज खिलाड़ी मैथ्यू ब्राउनली थे.

मैथ्यू ब्राउनली ने 62 साल की उम्र इंटरनेशनल डेब्यू करके इतिहास रच दिया. वह पुरुषों के इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास में सबसे उम्रदराज डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए. इतना ही नहीं, ब्राउनली 60 साल की उम्र पार करने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी बने. मैथ्यू ब्राउनली ने इस दौरे पर कुल 3 टी20 मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहले मैच में 1 रन, दूसरे मैच में नाबाद 2 रन और तीसरे मैच में नाबाद 3 रन बनाए. इसके अलावा उन्होंने एक ओवर गेंदबाजी भी की. लेकिन वह विकेट हासिल नहीं कर सके.

फॉकलैंड आइलैंड को पहले मैच में मिली हार

फॉकलैंड आइलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. उसे अपने पहले मुकाबले में 66 रनों से हार का सामना करना पड़ा.

फोन भी यूज नहीं करता, धोनी जैसा है, सचिन को ट्रॉफी दिलाकर जीते 50-50 हजार के इतने सारे चेक

नई दिल्ली. वो धोनी नहीं, मगर उनके जैसा है. और, ये हमारा नहीं खुद महेंद्र सिंह धोनी का ही उसके बारे में कहना है. हम बात कर रहे हैं सचिन तेंदुलकर एंड कंपनी को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग ञ्20 का खिताब जिताने वाले अंबाती रायडू की. 16 मार्च की शाम रायपुर के क्रिकेट मैदान पर ढ्ढरूरु20 का फाइनल खेला गया, जिसमें अंबाती रायडू ने अपनी गजब की छाप छोड़ते हुए सचिन की टीम इंडिया मास्टर्स को चैंपियन बनाया. फाइनल में इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हराया. इस फाइनल फतेह के बाद सचिन ने ट्रॉफी उठाई और अंबाती रायडू ने 50-50 हजार रुपये के कई सारे चेक जीते.

अंबाती ने फाइनल में खेली जबरदस्त पारी

फाइनल में वेस्टइंडीज मास्टर्स को सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया मास्टर्स हराने में कामयाब रही, क्योंकि अंबाती रायडू के बल्ले से एक जबरदस्त इनिंग देखने को मिली. वेस्टइंडीज से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंबाती रायडू ने सचिन के साथ 65 रन की ओपनिंग साझेदारी की. सचिन तो 18 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हो गए मगर अंबाती के बल्ले का गरजना जारी रहा. उन्होंने 50 गेंदों का सामना करते हुए 148 की स्ट्राइक रेट से 74 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 9 चौके शामिल रहे.

इस वजह से अंबाती को मिला पहला चेक

अंबाती रायडू इंडिया मास्टर्स की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे. वो जब आउट हुए टीम जीत के करीब पहुंच चुकी थी. उसने 14.5 ओवर में 127 रन बना लिए थे. उनकी इनिंग मैच विनिंग रही, जिसके लिए उन्हें इंडिया मास्टर्स के चैंपियन बनने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इसके लिए अंबाती को 50000 रुपये का पहला चेक मिला.

50-50 हजार रुपये के बाकी चेक मिलने की वजह

अंबाती रायडू को 50000 रुपये का दूसरा चेक फाइनल मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए मिला. उन्होंने कुल 3 छक्के लगाए, जो कि मैच में बाकी किसी भी बल्लेबाज की तुलना में ज्यादा थे. इसके अलावा तीसरा 50000 रुपये का चेक अंबाती को मास्टरस्ट्रोक ऑफ द मैच बनने के लिए भी मिला.

अंबाती मेरे जैसा, फोन भी यूज नहीं करता- धोनी

मतलब कुल मिलाकर सचिन की अगुवाई वाली इंडिया मास्टर्स को खिताबी जीत दिलाकर अंबाती रायडू ने डेढ़ लाख रुपये कमा लिए. ये वही अंबाती रायडू हैं, जिनकी तारीफ में उनके ढ्ढक्क से संन्यास के बाद धोनी ने कहा था कि वो बिल्कुल मेरे जैसा है. धोनी ने तब कहा था कि अंबाती भी फोन यूज नहीं करते और मैदान पर 100 फीसद देने की कोशिश करते है.

धोनी मान लेते ये ऑफर, तो पहले ही खत्म हो जाता इस खिलाड़ी का करियर, चौंकाने वाला खुलासा

आईपीएल 2025 से पहले पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने एमएस धोनी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है. अश्विन ने बताया कि वह पिछले साल मार्च में ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले थे. लेकिन धोनी की वजह से ऐसा नहीं हो सका.

नई दिल्ली. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी फिलहाल आईपीएल 2025 की तैयारियों में जुटे हुए हैं. उनकी प्रैक्टिस के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे हैं, जिसमें वह चेन्नई सुपर किंग्स के ट्रेनिंग कैंप में लंबे-लंबे छक्के लगा रहे हैं. इन सब के बीच पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने धोनी को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है. अश्विन इस बार आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का ही हिस्सा हैं. वह हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स की किताब लियो-द अनटोल्ड स्टोरी के लॉन्च में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने धोनी को लेकर बड़ा बयान दिया.

अश्विन का धोनी को लेकर बड़ा खुलासा

आर अश्विन ने 18 दिसंबर 2024 को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था. उन्होंने ये खुलासा किया कि वह पिछले साल मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ही संन्यास लेना चाहते थे. लेकिन एमएस धोनी की वजह से ऐसा नहीं हो सकता था. इसी सीरीज के दौरान उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 100वां मैच खेला था, जो धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हुआ था. आर अश्विन ने बताया कि उन्होंने अपने 100वें टेस्ट के लिए एमएस धोनी को धर्मशाला आने के लिए आमंत्रित किया था. वह चाहते थे कि धोनी उन्हें इस खास मौके पर मोमेंटो (स्मृति चिन्ह) दें. लेकिन धोनी इस मैच के लिए नहीं आ सके थे. अश्विन ने खुलासा किया कि वह उस मैच को टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी मैच बनाना चाहते थे. मगर धोनी के ना आने की वजह से उन्होंने खेलना जारी रखा. रविचंद्रन अश्विन ने क्या कहा?आर अश्विन ने इस इवेंट में कहा, 'मैंने अपने 100वें टेस्ट के लिए एमएस धोनी को स्मृति चिन्ह सौंपने के लिए बुलाया था. मैं इसे अपना आखिरी टेस्ट बनाना चाहता था, लेकिन वह नहीं आ सके. इसके बाद अश्विन ने फिर से सीएसके की टीम का हिस्सा बनने पर कहा, 'मुझे नहीं लगा था कि धोनी मुझे सीएसके में वापस लाने का तोहफा देंगे. यह बहुत बेहतर है. इसलिए, ऐसा करने के लिए एमएस, आपका धन्यवाद. मैं यहां आकर खुश हूं.'

बता दें, आर अश्विन ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के साथ ही की थी. वह साल 2008 में इस टीम से जुड़े थे और फिर 2009 में उन्हें डेब्यू का मौका मिला था. इसके बाद वह साल 2015 तक इसी टीम के लिए खेले थे. यानी अब लगभग 10 साल के बाद वह इस टीम के लिए खेलने वाले हैं.

नई-नई हुई है शादी... IPL 2025 में 'लेडी लक' के साथ उतरेंगे इतने सारे खिलाड़ी

नई दिल्ली. नया साल, नया आईपीएल सीजन और नई-नई शादी. ये कहानी है उन खिलाड़ियों की जो IPL 2025 में लेडी लक के साथ उतरने वाले हैं. शादी-शुदा ग्रुप में नए-नए शामिल खिलाड़ियों में कुछ बड़े नाम हैं तो कुछ ऐसे जो उतने बड़े स्टार नहीं. किसी ने अपनी गर्लफ्रेंड को ही जीवनसाथी बनाया है तो किसी ने घरवालों की पसंद की हुई लड़की के साथ ब्याह रचाया है. आज हम उन देसी-विदेशी खिलाड़ियों की बात कर करने जा रहे हैं, जिन्होंने IPL 2025 से पहले शादी की है.

राशिद खान ने की शादी

IPL 2025 से पहले शादी के बंधन में बंधने वाले सबसे बड़े खिलाड़ी राशिद खान है. इन्होंने 3 अक्टूबर 2024 को काबुल में निकाह किया. रिपोर्ट्स के मुताबिक राशिद ने जिस लड़की से शादी की वो उन्हीं की रिश्तेदारी में है. क्रिकेट की दुनिया के नामचीन लेग स्पिनर राशिद खान ढ्ढक्क में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा हैं.

डेविड मिलर ने गर्लफ्रेंड को बनाया हमसफर

विदेशी खिलाड़ियों की शादी की बात चली ही है तो उनमें एक और बड़ा नाम डेविड मिलर का है, जिन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड को जीवनसाथी बनाया है. मिलर ने कैमिला हैरिस के साथ 28 मई 2024 को ब्याह रचाया. IPL 2025 में डेविड मिलर लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं. स्स्त्र ने उन्हें 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा है.

वेंकटेश अय्यर भी शादी के बाद खेलेंगे पहला **IPL**

भारतीय क्रिकेटरों में वेंकटेश अय्यर ने भी IPL 2025 से पहले शादी कर ली है. उन्होंने KKR के साथ IPL 2024 का खिताब जीतने के तुरंत बाद ये मंगल कार्य किया. 2 जून 2024 को वेंकटेश अय्यर ने श्रुति रघुनाथन के साथ शादी की. श्रुति का साथ मिलने के बाद एक बार तो आईपीएल 2025 के ऑक्शन में वेंकटेश की किस्मत चमक चुकी है, जहां KKR ने उन्हें 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा. अब देखना है कि IPL 2025 के मैदान पर ये लेडी लक वेंकटेश अय्यर के कितने काम आता है.

चेतन साकरिया से मोहसिन खान तक ने की शादी

चेतन साकरिया भी IPL 2025 में च्यक्र से जुड़े हैं. उन्हें उमरान मलिक के रिप्लेसमेंट के तौर पर 75 लाख रुपये में लिया गया है. उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड मेघना जामबूचा से शादी की है.

मोहसिन खान ने 11 नवंबर 2024 को शादी की. बाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज IPL 2025 में स्स्त्र का हिस्सा है. फ्रेंचाइजी ने इन्हें खरीदने के लिए 4 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

IPL में बॉल बॉय था ये खिलाड़ी, अब है इस टीम का कप्तान, एक बार जीत चुका है खिताब

नई दिल्ली. 2008 में IPL की जब शुरुआत हुई थी तो उसमें उसकी भूमिका एक बॉल बॉय की थी. लेकिन, IPL 2025 तक आते-आते काफी कुछ बदल चुका है. 13 साल का वो लड़का अब 30 साल का हो चुका है. वो IPL में 3 टीमों की कप्तान बन चुका है. और, एक टीम को तो चैंपियन भी बना चुका है. इतना ही नहीं IPL की इन सफलताओं के बीच वो इंडिया के लिए भी खेल चुका है. हम बात कर रहे हैं श्रेयस अय्यर की, जिन्होंने स्टार स्पोर्ट्स पर दिए इंटरव्यू में खुद के बॉल बॉय से लेकर आईपीएल में सफलता की बुलंदी तक पहुंचने की कहानी बयां की.

IPL 2008 में बॉल बॉय थे श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर ने बताया कि ढ्ढक्क 2008 में ऋक्र और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले में वो बॉल बॉय बने थे. उस दौरान उन्होंने अपने फेवरेट क्रिकेटर रॉस टेलर से भी मुलाकात की थी. अय्यर ने बताया कि टेलर IPL खेल रहे पहले खिलाड़ी थे, जिनसे वो मिले थे. उन्होंने ये भी बताया कि तब वो बेहद शर्मिले स्वभाव के थे. टेलर से उनकी बस मुलाकात ही हुई थी क्योंकि जब कुछ मांगने की बारी आई तो वो झिझक गए थे.

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे, खेले लगातार 7 सीजन

श्रेयस अय्यर ने 2015 में अपना आईपीएल डेब्यू किया. वो पहली बार दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने और इस टीम के साथ KKR 2021 तक जुड़े रहे. इस दौरान वो दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान भी बने. श्रेयस अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स से 7 सीजन खेले, जिनमें 4 सीजन में उन्होंने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए. इसमें एक बार 500 प्लस रन का आंकड़ा भी शामिल है.

IPL2022 में **KKR** से जुड़े, 2024 में बनाया चैंपियन

IPL2022 में श्रेयस अय्यर KKR से जुड़े और इस फ्रेंचाइजी के लिए भी उन्होंने पहले ही सीजन में अपनी छाप छोड़ी. उन्होंने च्यक्र के लिए अपने डेब्यू सीजन में खेले 14 मैचों में 401 रन बनाए. श्रेयस अय्यर IPL2023 में नहीं खेले मगर जब 2024 में वापसी की तो अपनी कप्तानी में च्यक्र को ढ्ढक्क का खिताब जिताया. ये बतौर खिलाड़ी और कप्तान अय्यर का खुद का पहला जबकि च्यक्र का दूसरा आईपीएल खिताब रहा.

श्रेयस अय्यर से पंजाब किंग्स को उम्मीदें

श्रेयस अय्यर ने अब तक दो टीमों से IPL के 9 सीजन खेले हैं. उन्होंने कुल 116 मैचों की 115 पारियों में 3127 रन 21 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. अब IPL2025 में श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स के कप्तान बने हैं.

पंजाब किंग्स उन टीमों में हैं, जिसने अभी तक IPL की ट्रॉफी नहीं उठाई. ऐसे में च्यक्र को चैंपियन बनाने वाले कप्तान से इस बार खुद के लिए भी चमत्कार करने की उम्मीद रहेगी.

IPL 2025 के वो 8 खिलाड़ी, जो पहले सीजन में भी थे टूर्नामेंट का हिस्सा, फिर आएंगे नजर

इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन में 8 ऐसे खिलाड़ी भी खेलते हुए नजर आएंगे, जो आईपीएल 2008 का भी हिस्सा थे. इनमें से 4 खिलाड़ियों ने तो हर एक सीजन में मुकाबले खेले हैं. इन सभी खिलाड़ियों के लिए ये सीजन काफी खास रहने वाला है.

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग का हर एक सीजन क्रिकेट के फैंस के लिए रोमांच लेकर आता है. आज के समय में आईपीएल क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट है. इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2008 में हुई थी, और तब से लेकर अब तक कई बड़े सितारे और युवा खिलाड़ी ढ्ढक्क के मैदान पर अपना जलवा दिखा चुके हैं. इनमें 8 खिलाड़ी तो पहले सीजन से ही इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं और अब भी क्रिकेट की दुनिया में धमाल मचा रहे हैं. ये 8 खिलाड़ी आईपीएल 2025 में भी खेलते हुए नजर आएंगे.

आईपीएल 2008 से 2025 तक का सफर

आईपीएल 2025 के 8 खिलाड़ी जो लीग के पहले सीजन में भी नजर आए थे वो एमएस धोनी, आर अश्विन, विराट कोहली, रोहित शर्मा, मनीष पांडे, रवींद्र जडेजा, इशांत शर्मा और अजिंक्य रहाणे हैं. आर अश्विन को छोड़कर इन सभी खिलाड़ियों ने पहले ही सीजन में डेब्यू कर लिया था. वहीं, आर अश्विन पहले सीजन में सीएसके की टीम का हिस्सा जरूर थे, लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका साल 2009 में मिला था. दूसरी ओर इन 8 खिलाड़ियों में से सिर्फ 4 खिलाड़ियों ने ही लीग के हर एक सीजन में कम से कम एक मैच जरूर खेला है.आईपीएल के हर एक सीजन में खेलने वाले खिलाड़ी एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा और मनीष पांडे हैं. विराट कोहली ने इस दौरान सभी सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के लिए ही खेले हैं और इस बार भी वह आरसीबी का ही हिस्सा हैं. वहीं, धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ-साथ राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए भी खेले हैं. रोहित शर्मा की बात की जाए तो उन्होंने डेक्कन चार्जर्स के साथ शुरुआत की थी और अब पिछले कई सालों से मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हुए हैं. दूसरी ओर मनीष पांडे तो 7 टीमों के लिए खेल चुके हैं.

किस खिलाड़ी ने खेले हैं सबसे ज्यादा मैच?

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने की बात की जाए तो धोनी इस लिस्ट में सबसे आगे हैं. वह अभी तक 264 आईपीएल मैच खेल चुके हैं. रोहित शर्मा ने 257 मुकाबलों में हिस्सा लिया है. वहीं, विराट कोहली 252 मैचों का हिस्सा बन चुके हैं. रवींद्र जडेजा ने भी 240 मैच खेल लिए हैं. दूसरी ओर अश्विन ने 212 मैच, अजिंक्य रहाणे 185 मैच, मनीष पांडे ने 171 मैच और इशांत शर्मा 110 मैच खेल चुके हैं.

IPL में कप्तान से उपकप्तान बनाया गया ये खिलाड़ी, 5 करोड़ का भी हुआ नुकसान

आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने उपकप्तान के नाम का ऐलान कर दिया है. उन्होंने ये जिम्मेदारी एक ऐसे खिलाड़ी को दी जो पिछले सीजन में बतौर कप्तान खेला था. वहीं, इस खिलाड़ी को अपनी सैलरी में भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है.

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 में कुल 5 टीमें नए कप्तानों के साथ मैदान पर उतरेगी. इस बार कई युवा खिलाड़ियों को टीमों की कमान सौंपी गई हैं. हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने नए कप्तान का ऐलान किया था. उसने अक्षर पटेल को ये बड़ी जिम्मेदारी दी है. अक्षर पटेल के पास सिर्फ 1 मैच में कप्तानी का अनुभव है. वहीं, अब दिल्ली की टीम ने अपने उपकप्तान के नाम का भी ऐलान कर दिया है. दिल्ली ने एक ऐसे खिलाड़ी को उपकप्तान बनाया है जो पिछले सीजन तक बतौर कप्तान खेल रहा था.

IPL में कप्तान से उपकप्तान बना ये खिलाड़ी

फाफ डु प्लेसिस को आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स का उपकप्तान बनाया गया है. इससे पहले डु प्लेसिस ने कुछ सीजन के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी की थी, लेकिन मेगा नीलामी से पहले उन्हें फ्रैंचाइजी ने रिलीज कर दिया था. फाफ डु प्लेसिस अब अक्षर पटेल के डिप्टी की भूमिका निभाएंगे. दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर करते हुए फाफ को उपकप्तान बनाने का ऐलान किया. इसी के साथ ये भी साफ हो गया है कि फाफ डु प्लेसिस प्लेइंग 11 के लिए टीम की पहली पसंद रहने वाले हैं.

एक तरह से फाफ डु प्लेसिस को आईपीएल में डिमोशन का सामना करना पड़ा है. इस बार उनकी आईपीएल सैलरी भी पिछले सीजन के मुकाबले 5 करोड़ रुपए कम है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2024 के लिए फाफ डु प्लेसिस को 7 करोड़ रुपए दिए थे. लेकिन इस बार मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने फाफ डु प्लेसिस को 2 करोड़ रुपए में ही खरीद लिया था. यानी फाफ को डिमोशन के साथ-साथ पैसों का भी नुकसान हुआ है.

फाफ डु प्लेसिस का आईपीएल करियर

फाफ डु प्लेसिस साल 2012 से आईपीएल में खेल रहे हैं. उन्होंने सीएसके के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी. वह अभी तक 145 आईपीएल मैच खेल चुके हैं. इस दौरान उन्होंने 35.99 की औसत से 4571 रन बनाए हैं, जिसमें 37 अर्धशतक शामिल हैं. वहीं, पिछले सीजन में उन्होंने 15 मैचों में 29.20 की औसत से 438 रन बनाए थे.

मुझे सब कुछ दिया है, शो की जरूरत नहीं... सेलेब्रिटी मास्टरशेफ में तेजस्वी प्रकाश ने क्यों बोला ऐसा?

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इस वक्त काफी ज्यादा चर्चा में बना हुआ है. ये शो काफी लोगों का पसंदीदा है, इसमें कई सारे सितारे भी शामिल हैं. सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में कई सारे ट्विस्ट और टर्न देखने को मिलता है. हाल ही में इस शो का प्रोमो रिलीज हुआ है, जिसमें तेजस्वी प्रकाश ने एक ऐसा बयान दे दिया, जिसके बाद से इस एपिसोड को लेकर हंगामा मचा हुआ है. हालांकि, प्रोमो के रिलीज होने के बाद से अब शो का एपिसोड भी रिलीज हो गया है. दरअसल, सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के लेटेस्ट एपिसोड में तेजस्वी अपनी डिस लेकर जब जज के सामने शो को लेकर बयान देते नजर आई हैं. वो अपने बयान में कहती हैं कि मुझे गणपति बप्पा ने सब दिया है, तो आपको बता दूं मुझे सेलिब्रिटी मास्टरशेफ जैसे शो करने की कोई जरूरत नहीं है, इस शो को मैं ना तो शोहरत के लिए कर रही हूं और ना ही दौलत

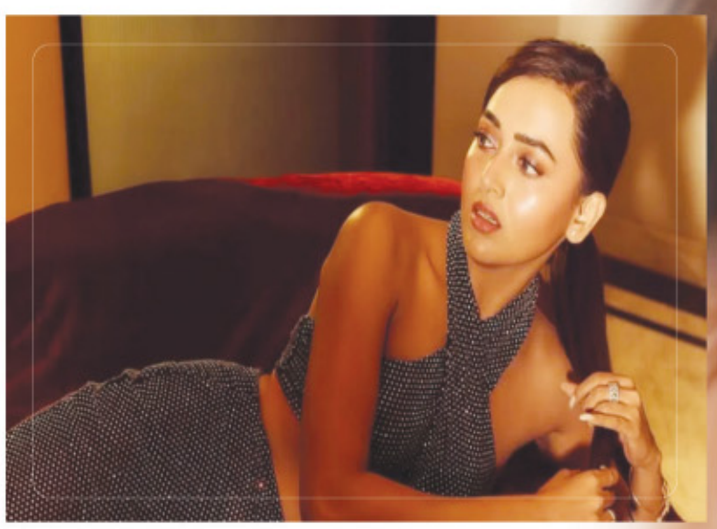

के लिए. तेजस्वी के इस बयान के बाद से शो के जज रणवीर बरार और फराह खान का रिएक्शन देखने लायक रहता है.

क्यों दिया ऐसा बयान ?

हालांकि, तेजस्वी का ये बयान इसलिए था क्योंकि वो एक रेस्टोरेंट खोलना चाहती हैं. उन्होंने शो के दौरान बताया कि उन्होंने शो इसलिए किया है, क्योंकि उन्हें मास्टरशेफ बनना है और खुद का रेस्टोरेंट खोलना है. इतना ही नहीं, बल्कि उन्होंने ये भी बताया कि वो एक दिन मिशेलिन स्टार जीतना चाहती हैं. ये बात सुनने के बाद सभी जज ने उनकी तारीफ की. शेफ रणवीर बरार ने उनके इस इच्छा पर कहा कि ये कापी अच्छा है कि आप इसे खुलकर कह रही हैं और इसके लिए मेहनत कर रही हैं.

लोगों ने किया सपोर्ट

प्रोमो के सामने आने के बाद से लोगों को मन में उनके बयान को लेकर जो चर्चाएं चल रही थीं, वो अब बंद हो गई हैं. हालांकि, लेटेस्ट एपिसोड के सामने आने के बाद से लोग उनके पक्ष में कमेंट कर रहे हैं. कई लोगों का कहना है कि वो कई औरतों के लिए प्रेरणा की तरह हैं. तो वहीं एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि जो लोग भी उन्हें नापसंद करते हैं, उन्हें एक बार फिर से ये सोचना चाहिए कि वो सच में ट्रोलिंग के लायक हैं या नहीं.

आमिर खान ने कैसे 18 महीने तक दुनिया से छिपाई अपनी तीसरी मोहब्बत? नहीं लगने दी लोगों की नजर

तमाम छोटे बड़े सितारों की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक पर पैपराजी की नजर होती है. वो कहां जाते हैं, क्या करते हैं, इस तरह की कोई भी चीज पैपराजी से छिपी नहीं रहती. यहां तक की कौन सा स्टार्स किसे डेट कर रहा है, पैपराजी इसपर भी अपनी नजर रखते हैं. हालांकि, आमिर खान ने अपनी लव लाइफ 18 महीने तक दुनिया से छिपाकर रखी.अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर आमिर ने खुलासा किया कि वो बेंगलुरु की रहने वाली गौरी नाम की एक महिला को डेट कर रहे हैं. आमिर ने बताया कि वो 18 महीने से गौरी को डेट कर रहे हैं. इस बारे में बताते हुए आमिर ने पैपराजी के मजे भी लिए और कहा, देखा कुछ भी पता नहीं चलने दिया मैंने तुम लोगों को.

आमिर खान ने क्या बताया ?

आमिर ने ये भी बताया कि उन्होंने 18 महीने तक कैसे सबसे गौरी संग अपना रिश्ता छिपाकर रखा और दुनिया की नजर भी उनपर पड़ने नहीं दी. आमिर ने कहा, एक तो वो बेंगलुरु में रहती हैं और कुछ समय पहले तक वहीं रही हैं. इसलिए मैं उनसे मिलने वहां जाता था और वहां मीडिया की निगरानी कम होती है. इसलिए हम रडार में नहीं आते थे.

आमिर के घर पर पैपराजी का फोकस नहीं

आमिर ने इस बारे में भी बताया कि जब गौरी मुंबई आती थीं तब वो कैसे अपने रिलेशनशिप को छिपाते थे. उन्होंने कहा कि उन्होंने गौरी को अपने परिवार वाले और बच्चों से मिलवा दिया है. पैपराजी से वो आगे बोले, मेरे घर पर आप लोगों का फोकस कम है. इसलिए आपलोग मिस कर देते हो.

आमिर खान की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी और दूसरी शादी किरण राव से. हालांकि, दोनों के साथ आमिर का तलाक हो गया. अब आमिर खान को तीसरी बार प्यार हुआ है. आमिर और गौरी दोनों एक दूसरे को 25 सालों से जानते हैं. अब ऐसी भी चर्चा शुरू हो गई है कि दोनों शादी कर सकते हैं.

'छावा' ने 29 दिन बाद भी मार ली बाजी, जॉन अब्राहम पर भारी पड़ गए विकी कौशल

विकी कौशल ने 'छावा' के जरिए धमाका कर दिया. ये फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और 29 दिन के बाद भी इसका जलवा देखने को मिल रहा है. बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को इस कदर रिस्पॉन्स मिल रहा है कि इसकी 29वें दिन की कमाई भी जॉन अब्राहम की नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के पहले दिन की कमाई से ज्यादा है.

14 मार्च को जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट' थिएटर्स में रिलीज हुई है. ये फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है. इसमें जॉन ने इंडियन डिप्लोमैट जे.पी. सिंह का किरदार निभाया है. चलिए जानते हैं कि पहले दिन इस फिल्म ने कितनी कमाई की है.

'द डिप्लोमैट' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

सैकनिल्क के अनुसार 'द डिप्लोमैट' ने पहले दिन 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. शिवम नायर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जॉन के साथ सादिया खतीब, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी भी नजर आए हैं.

अगर बात 'छावा' की करें तो इस फिल्म ने 29वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जो कि 'द डिप्लोमैट' से ज्यादा है. इस कलेक्शन से जाहिर है कि विकी कौशल की फिल्म को लेकर अभी भी बज बना हुआ है. इतना बज है कि ये फिल्म 29 दिन के बाद भी एक नई फिल्म पर कमाई के मामले में भारी पड़ रही है.

'छावा' ने अब तक कितने पैसे कमाए ?

लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म अब तक इंडिया से टोटल 546 करोड़ रुपये कमा चुकी है. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 731 करोड़ के पार जा चुका है. ये विकी के करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है. इससे पहले अब तक विकी की किसी भी फिल्म ने इतनी ज्यादा कमाई नहीं की थी.'छावा' में विकी कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाया है. इस रोल में लोग उन्हें पसंद कर रहे हैं. रश्मिका मंदाना ने उनकी पत्नी का रोल प्ले किया है. अक्षय खन्ना औरंगजेब के रोल में दिखे हैं. आशुतोष राणा, डायना पेंटी और विनीत कुमार सिंह जैसे कलाकार भी खास रोल में दिखे हैं.

400 करोड़ी Sikandar की रिलीज से पहले बदला सलमान खान का अंदाज, नए लुक में नजर आए भाईजान

Sikandar की रिलीज में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं. Salman Khan अपनी फिल्म सिकंदर को लेकर लगातार चर्चा में हैं. फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन काम जारी है. फिल्म में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं. वहीं काजल अग्रवाल को भी इस फिल्म में अहम किरदार मिला है. 400 करोड़ के बजट में बनी सिकंदर से 1000 करोड़ की उम्मीद की जा रही है. फिल्म का टीजर रिलीज किया जा चुका है. वहीं फिल्म की रिलीज से पहले सिकंदर के ट्रेलर का इंतजार हो रहा है. इसी बीच सलमान खान का नया अंदाज देखने को मिला है.सलमान खान का नया वीडियो सोशल मीडिया पर हर तरफ छाया हुआ है. इस वीडियो में यूं तो उन्हें डबिंग स्टूडियो के बाहर देखा जा सकता है. जिसके बाद उम्मीद की जा रही है कि वो सिकंदर की डबिंग का काम निपटाने में बिजी चल रहे हैं. लेकिन गौर करने वाली बात है सलमान का नया लुक उनका नया हेयरस्टाइल. सलमान खान ने अपने बालों को काफी छोटा करवा लिया है और वो पूरी तरह से क्लीन शेव में नजर आ रहे हैं. ये नया हेयरस्टाइल भाईजान पर काफी जच रहा है.

सलमान खान का नया लुक

सलमान खान को जींस और टी-शर्ट में देखा गया. जहां उनके हेयरस्टाइल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. क्लीन शेव में सलमान काफी स्मार्ट लग रहे हैं. वो अक्सर बीच-बीच में क्लीन शेव में नजर आ ही जाते हैं. सुपरस्टार के कानों में बालियां भी नजर आईं. जो सिकंदर में भी देखने को मिलेंगी. सलमान को हाल ही में आमिर के घर देखा गया था. आमिर खान के 60वें जन्मदिन के मौके पर सलमान उनसे मिलने पहुंचे थे.

सिकंदर के ट्रेलर का इंतजार

सिकंदर की बात करें तो फिल्म ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी. फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने इसके दो गाने भी रिलीज कर दिए हैं. वहीं अभी तक मेकर्स ने सिकंदर का ट्रेलर रिलीज नहीं किया है और न ही फिल्म की एग्जेक्ट तारीख की घोषणा की गई है. मेकर्स फिल्म की रिलीज के लिए तगड़ी स्ट्रेटेजी तैयार कर रहे हैं. वो ईद के साथ-साथ बाकी छुट्टियों से भी मुनाफा करने की तैयारी कर रहे हैं.